जयपुर
www.mahanagartimes.com
मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 12 | वर्ष : 29 | अंक : 13
मिशन पत्रकारिता का प्रहरी
महानगर टाइम्स
जयपुर, शुक्रवार, 5 दिसम्बर, 2025
जयपुर, कोटा, दौसा, अलवर, उदयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

भारत पहुंचे पुतिन, पीएम मोदी ने गले मिलकर किया वेलकम

एयरपोर्ट से एक ही गाड़ी में हुए रवाना, प्रधानमंत्री आवास पर किया डिनर, आज होगी मीटिंग

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार रात भारत पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव किया। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया। मोदी और पुतिन एक ही गाड़ी में बैठकर एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। यहां उन्होंने डिनर किया। इस दौरान मोदी ने पुतिन को रूसी भाषा में गीता की एक कॉपी भेंट की। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद पुतिन का यह पहला भारत दौरा है।

एक साथ टोयोटा एसयूवी में दिखे मोदी-पुतिन

पीएम मोदी और पुतिन एक ही टोयोटा एसयूवी में साथ सफर करते नजर आए। इससे पहले चीन के तिआनजिन शहर में पुतिन ने मोदी को अपनी लिमोजिन कार में साथ बैठाया था। दिल्ली में मोदी ने उसी अंदाज में पुतिन का स्वागत किया।

पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

मोदी ने एक्स पर कहा कि अपने दोस्त, राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। शनिवार को हमारी बातचीत का बेसब्री से इंतजार है। भारत-रूस की दोस्ती मुश्किल समय की कसौटी पर खरी उतरी है और इससे हमारे लोगों को बहुत फायदा हुआ है। गौरतलब है कि शनिवार सुबह 9 बजे राष्ट्रपति भवन में पुतिन को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद 10 बजे पुतिन राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे। बाद में 11 बजे हैदराबाद हाउस में 23वीं भारत-रूस समिट में शामिल होंगे। वहीं शाम 4 बजे इंडिया-रूस बिजनेस फोरम को संबोधित करने के बाद शाम 5 बजे पुतिन भारत मंडपम में बिजनेस लीडर्स से मुलाकात करेंगे। मुलाकात के बाद रात 7 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुतिन के सम्मान में स्टेट डिनर देंगी।

भारत की तरक्की कई देशों को चुभ रही, मोदी किसी के दबाव में नहीं आते, देशहित रखते हैं आगे : पुतिन

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत की तरक्की कई देशों को चुभ रही है। उन्होंने भारत को ग्रेट पावर बताते हुए कहा कि पीएम मोदी किसी के दबाव में नहीं आते हैं। हम मोदी के साथ काम कर रहे हैं। हमारे दोस्ताना संबंध हैं। वे ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उनकी बातचीत दिलचस्प होती है। भारत के लोग खुशकिस्मत हैं। उन्होंने यह बात मॉस्को में एक न्यूज एजेंसी से इंटरव्यू कही।

पुतिन ने पीएम मोदी की लीडरशिप, भारत-रूस संबंधों, ग्लोबल पॉलिटिक्स और अमेरिका की नीतियों पर खुलकर बात की। अमेरिकी टैरिफ पर उन्होंने कहा कि भारत अपनी इंडिपेंडेंट पॉलिसी पर चलता है। अमेरिका पर तंज कसते हुए पुतिन ने कहा कि वॉशिंगटन खुद हमसे न्यूक्लियर एनर्जी खरीदता है और फिर ज्ञान देने की कोशिश करता है। अमेरिका, भारत को रूस से तेल खरीदने पर दोषी ठहराने की कोशिश करता है। यह साफ तौर पर दोहरा रवैया है, जिसे अब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं समझ रही हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में रूस भारत के साथ है। ये बहुत आसान है। आजादी के लिए लड़ना है तो कानूनी तरीके से लड़ो। भारत के साथ ट्रेड बढ़ाने के मामले पर पुतिन का कहना है कि इसमें कोई बाधा नहीं है। यह अर्थव्यवस्था का मामला है। भारत ने कोई रुकावट पैदा नहीं की। क्योंकि उन्हें तेल और उससे बने उत्पाद और उर्वरक चाहिए। पीएम मोदी हमारे सामने यह मुद्दा उठाते हैं। ये पेमेंट से जुड़ा मुद्दा नहीं है। मैंने अपने अफसरों को आदेश दिया है कि भारत से हम जो आयात करते हैं उसमें क्या और नया जोड़ सकते हैं उस पर काम करें। रूस भारत से ज्यादा सामान खरीदने की सोच रहा है, जिसका मकसद भारतीय आयात को बढ़ाना तथा दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को पाटना है।

यूक्रेन जंग पर बोले पुतिन

पुतिन ने कहा कि जंग के दो ही समाधान हैं। या तो रूस जंग के जरिए रिपब्लिक को आजाद कर दे या यूक्रेन अपने सैनिकों को वापस बुला ले। हमने आठ सालों तक इन राज्यों को मान्यता नहीं दी थी। अब 8 सालों से हमने आजादी घोषित कर दी है, हम लोग यूक्रेन के बाकी हिस्सों और यूक्रेन के साथ रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहे थे। जब जेलेंस्की सत्ता में आए थे तो उन्होंने कहा था कि वे हर हाल में शांति स्थापित करेंगे, लेकिन अब सब बदल चुका है। ये सरकार अपनी सोच से नाजी समर्थक है। इसलिए सारा माहौल युद्ध का बना। उनके लिए सबसे जरूरी है ये समझना कि शांति पूर्ण बातचीत से हर समस्या का हल हो सकता है।

फर्जी दस्तावेजों से इंटर्नशिप करने वाले तीन डॉक्टर गिरफ्तार

- विदेश से एमबीबीएस, भारत में फेल... फिर 16 लाख में खरीदे नकली सर्टिफिकेट, करौली और दौसा मेडिकल कॉलेज से इंटर्नशिप का खुलासा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। एसओजी ने मेडिकल सिस्टम में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए तीन फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। ये फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर सरकारी मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप कर रहे थे।

अतिरिक्त महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि विदेश से मेडिकल की डिग्री लेने के बाद भारत में अनिवार्य फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास नहीं करने वाले तीन व्यक्तियों को फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एडीजी बंसल ने बताया कि एसओजी को सूचना मिली थी कि डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी निवासी दौसा ने भारत में होने वाली परीक्षा में बार-बार असफल होने के बावजूद एक आपराधिक गिरोह की मदद से इस परीक्षा के पास होने का फर्जी सर्टिफिकेट तैयार करवा लिया। इसी फर्जी प्रमाणपत्र के दम पर उसने एनएमसी से इंटर्नशिप की अनुमति प्राप्त की और उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज करौली में इंटर्नशिप के लिए आवंटन भी मिल गया था। आरोप सही मिलने पर एसओजी ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

16 लाख में खरीदे फर्जी दस्तावेज

जांच में सामने आया कि आरोपी डॉ. पीयूष ने जॉर्जिया से एमबीबीएस की डिग्री ली थी, लेकिन भारत में प्रेक्टिस करने के लिए अनिवार्य परीक्षा में वह 2022, 2023 और 2024 में लगातार तीन बार असफल रहा। बार-बार फेल होने पर उसने परिचित डॉ. देवेंद्र सिंह गुर्जर से संपर्क किया। देवेंद्र ने अपने साथी डॉ. शुभम गुर्जर एवं अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर पीयूष को 16 लाख रुपए में फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट और एनएमसी रजिस्ट्रेशन दिलवाया। एसओजी की जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि यह गोरखधंधा केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं था। डॉ. शुभम गुर्जर ने खुद भी फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट के आधार पर राजीव गांधी अस्पताल अलवर में और डॉ. देवेंद्र सिंह गुर्जर ने भी इसी गिरोह के माध्यम से नकली प्रमाणपत्र प्राप्त किया और राजकीय मेडिकल कॉलेज, दौसा में अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की।

आरसीए में एक साल के लिए रिटायर्ड जज अजय रस्तोगी बने लोकपाल, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में लंबे समय से चल रहे विवादों के बीच राहत भरी खबर आई है। जोधपुर हाईकोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस अजय रस्तोगी को एक वर्ष के लिए आरसीए का लोकपाल नियुक्त कर दिया है। गंगानगर जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनोद सहारण ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गंगानगर जिला क्रिकेट संघ बनाम आरसीए की याचिका पर हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया। कुछ समय पहले आरसीए की साधारण सभा में रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा और जस्टिस अजय रस्तोगी को लोकपाल बनाने का प्रस्ताव पारित हुआ था। श्रीगंगानगर जिला संघ की मांग थी कि जस्टिस दीपक वर्मा को ही लोकपाल बनाया जाए, लेकिन आरसीए में चल रहे आंतरिक विवादों के कारण मामला अटक गया। आखिरकार कोर्ट ने जस्टिस अजय रस्तोगी को एक साल के लिए लोकपाल नियुक्त कर दिया।

मुख्यमंत्री ने राजस्थानी मूल के अफसरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की बात

प्रदेश की प्रगति यात्रा में प्रवासी राजस्थानियों की हो सक्रिय भागीदारी : भजनलाल शर्मा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में भजनलाल सरकार पहली बार 10 दिसंबर को 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' मनाने जा रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों में जुटे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं प्रवासी राजस्थानियों के साथ मूल राजस्थानी अधिकारियों को भी आमंत्रित कर रहे हैं।

इसी क्रम में गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से वीसी के जरिए सीएम भजनलाल शर्मा ने विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय सेवाओं एवं केन्द्रीय सेवाओं के अधिकारियों से प्रवासी राजस्थानी दिवस को लेकर चर्चा की और उन्हें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है और राज्य सरकार की मंशा है कि इस प्रगति यात्रा में प्रवासी राजस्थानियों की सक्रिय भागीदारी हो। हर क्षेत्र से उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

प्रवासी राजस्थानियों ने बनाई अलग पहचान

सीएम ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने मेहनत और उद्यमशीलता से विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है और देश-विदेश में राजस्थान का मान-सम्मान बढ़ाया है। हमारी सरकार प्रवासी राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उनके हितों को प्राथमिकता देने के लिए विशेष 'प्रवासी राजस्थानी विभाग' का गठन किया गया है। आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस के वृहद आयोजन से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित हो सकें।

राजस्थान में निवेश को करें प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पिछले वर्ष 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट' में 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए थे, जिनमें से 7 लाख करोड़ रुपए के कार्यों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अधिकारियों का अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ जन्मभूमि से भी गहरा भावनात्मक जुड़ाव रहता है। इन अधिकारियों ने अपने क्षेत्रों में कई नवाचार किए हैं। ये अधिकारी राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच मजबूत सेतु का काम कर सकते हैं। सीएम ने इनसे अपील की कि वे प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों व निवेशकों को राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित करें और स्वयं आयोजन में शामिल होकर अपने सुझाव दें।

मातृभूमि से जोड़ने की पहल सराहनीय

वीसी में शामिल अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान हमारी जन्मभूमि है, इससे सदैव गहरा जुड़ाव रहता है। सरकार निवेश को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व कार्य कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश-अनुकूल नीतियों से उद्यमियों के लिए नए द्वार खुले हैं। अधिकारियों ने अपने राज्यों में निवेश के लिए नवाचारों की जानकारी और रचनात्मक सुझाव दिए। इनमें सिंगल विंडो सिस्टम को सुदृढ़ करना, पर्यटन की ब्रॉडिंग को मजबूत करना, सुनियोजित नगरीय विकास आदि शामिल थे।

जयपुर-सीकर हाईवे के किनारे अतिक्रमणों पर एनएचएआई की कार्रवाई

हाईवे पर 9 अवैध कट किए बंद, जेसीबी से हटाए ठेले और दुकानें

■ टांटियावास टोल प्लाजा के पास कार्रवाई का विरोध, समझाइश के बाद शांत

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने गुरुवार को जयपुर-सीकर हाईवे के दोनों ओर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कार्रवाई को लेकर हल्का विरोध भी सामने आया। हालांकि मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों की समझाइश के बाद विरोध शांत हो गया।

एनएचएआई की टीम ने इस कार्रवाई में टांटियावास टोल प्लाजा के कर्मचारियों और पेट्रोलिंग रूट स्टाफ का सहयोग लिया। उल्लेखनीय है कि हाईवे पर लगातार सड़क हादसों के बाद ये कार्रवाई शुरू की गई है। इससे पहले हाईवे पर अवैध ढाबों व रेस्टोरेंट को लेकर एनएचएआई प्रशासन ने सख्ती दिखाई। पहले दिन करीब 11 ऐसे ढाबों व रेस्टोरेंट को नोटिस दिया गया। मौके पर अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

की जाएगी।

एनएचएआई व स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई सुबह लगभग 10 बजे शुरू की। इस दौरान हाईवे पर अवैध कट, अतिक्रमण और सड़क की निर्धारित चौड़ाई में बने अस्थाई निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान हरमाड़ा से आगे टांटियावास तक करीब 9 अवैध कट बंद किए। कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर लोगों ने विरोध जताया, जिससे कुछ समय के लिए कार्रवाई बाधित हुई। इस दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध कट और सड़क किनारे हुए अतिक्रमण बढ़ती दुर्घटनाओं की बड़ी वजह हैं, इसलिए इन पर सख्ती आवश्यक है। इससे पूर्व गुरुवार सुबह एनएचएआई की टीम, जेसीबी, ट्रैफिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हाईवे पर पहुंची।

सबसे पहले उन कटों को बंद किया गया जहां बिना अनुमति के स्थानीय लोगों ने रास्ते बना रखे थे। कई स्थानों पर मिट्टी डालकर कट बंद किए गए, जबकि जेसीबी से रोड डिवाइडर को ठीक किया गया। इसके बाद सड़क किनारे किए अतिक्रमण, टीन शेड, फुटपाथ पर बढ़ाए गए काउंटर, ढाबों व दुकानों के बाहर बढ़ाई गई जगहों को खाली कराया गया। कई जगहों पर लोगों ने समय मांगा, पर अधिकारियों ने केवल जरूरी सामान हटाने के लिए कुछ समय दिया।

अभी जारी रहेगी कार्रवाई

हाईवे पर सुरक्षा की दृष्टि से अवैध कट और अतिक्रमण हटाने के लिए कोर्ट का आदेश है। कई बार वाहन बड़ी तेजी से आते हैं और अचानक सामने आ रहे दोपहिया या कार को देखकर रुक नहीं पाते। इसी वजह से कई दुर्घटनाएं होती हैं। कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इनका कहना है...

कई हादसे सिर्फ इसलिए होते हैं कि लोग अवैध कट से अचानक सड़क पार करने की कोशिश करते हैं। कट बंद होने से ट्रैफिक अनुशासित होगा। कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।
अमित राय, डिप्टी मैनेजर, एनएचएआई

एसएमएस अस्पताल में नई पहल या पुरानी खामियों पर पर्देदारी?

धन्वंतरि भवन की जगह इमरजेंसी में लगाई जा रही शाम की ओपीडी

■ ओपीडी से स्ट्रेचर मूवमेंट और प्राथमिक उपचार प्रभावित होने की आशंका

■ न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी के मरीज भी मेडिसन में भर्ती, विशेषज्ञ मौजूद पर इमरजेंसी में नहीं

■ सामान्य मरीज और परिजन भीड़ में उलझेंगे, डॉक्टरों पर दबाव बढ़ेगा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएमएस में प्रशासन ने मेडिसन विभाग की शाम की दो घंटे की अतिरिक्त ओपीडी शुरू कर दी है। दावा यह किया जा रहा है कि इससे मरीजों को राहत मिलेगी, लेकिन अस्पताल के भीतर इसे एक पुरानी समस्या को ढंकने की कोशिश बताया जा रहा है। असलियत यह है कि एसएमएस की इमरजेंसी में आने वाला लगभग हर गंभीर मरीज चाहे वह न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी या किसी सुपरस्पेशियलिटी बीमारी वाला हो सबसे पहले मेडिसन विभाग में ही भर्ती किया जाता है। इससे सही डायग्नोसिस और विशेषज्ञ उपचार में देरी होती है।

हैरानी की बात यह है कि शाम की ओपीडी इमरजेंसी के इंचार्ज कक्ष में ही शुरू कर दी गई है। यह

वही जगह है, जहां पहले से स्ट्रेचर और व्हीलचेयर पर लगातार गंभीर मरीज पहुंचते रहते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि ओपीडी और इमरजेंसी दोनों की प्रकृति बिल्कुल अलग है। एक में सामान्य जांच होती है तो दूसरी में जान बचाने की दौड़। ऐसे में दोनों का एक साथ संचालन उपचार व्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। हालांकि अस्पताल प्रशासन का कहना है कि शाम की ओपीडी से मरीजों को तत्काल जांच और उपचार उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी और अस्पताल में बड़ी संख्या में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा देने की दिशा में यह एक नया प्रयास है। अस्पताल प्रबंधन ने आश्वस्त किया है कि वे इस व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रहे हैं और मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

रेफरेंस सिस्टम में भटकते मरीज, निजी पर्ची से सीधी भर्ती पर सवाल

इमरजेंसी में मरीज को सीधे संबंधित विभाग में भर्ती नहीं कर मेडिसन में भेज दिया जाता है और बाद में रेफरेंस सिस्टम के भरोसे छोड़ दिया जाता है। इससे परिजन घंटों विभागों के चक्कर काटते हैं। वहीं दूसरी ओर यदि मरीज किसी डॉक्टर की निजी ओपीडी से पर्ची लेकर आता है तो उसे सीधे संबंधित विभाग में भर्ती कर दिया जाता है। यह दोहरी व्यवस्था गरीब मरीजों के साथ अन्याय मानी जा रही है।

धन्वंतरि भवन में जगह उपलब्ध, फिर भी इमरजेंसी में ही ओपीडी क्यों?

धन्वंतरि भवन में पर्याप्त जगह और संरचनात्मक सुविधा उपलब्ध है, जहां अलग ओपीडी चैंबर संचालित हो सकते थे। बावजूद इसके अत्यधिक भीड़ वाली इमरजेंसी में ओपीडी खोलना निर्णय की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। जब तक मूल समस्याओं का समाधान नहीं होगा, शाम की ओपीडी केवल दिखावटी राहत साबित होगी। मरीजों को वास्तविक सुविधा तभी मिलेगी जब चिकित्सा व्यवस्था में संरचनात्मक सुधार किए जाएंगे और सुपरस्पेशियलिटी सेवाएं समय पर उपलब्ध होंगी।

क्या होना चाहिए?

- सभी सुपरस्पेशियलिटी विभागों की नियमित और अनिवार्य ओपीडी शुरू हों।
- इमरजेंसी में संबंधित विभागों के वरिष्ठ रेजिडेंट और फैकल्टी की अनिवार्य ड्यूटी लगे।
- निजी पर्ची से होने वाली शॉर्टकट भर्ती पर सख्त रोक लगे।

इनका कहना है...

शाम की ओपीडी की शुरुआत मरीजों को अतिरिक्त सुविधा देने के उद्देश्य से की गई है। ओपीडी को इमरजेंसी इंचार्ज कक्ष में शुरू करना शुरुआत मात्र है। अभी यह व्यवस्था परीक्षण दौर में है। यदि किसी भी तरह की भीड़भाड़, अव्यवस्था या मरीजों को असुविधा महसूस होती है तो ओपीडी के स्थान को बदलने का निर्णय भी लिया जा सकता है। **डॉ. दीपक माहेश्वरी,** प्रिंसिपल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज

प्रमुख शासन सचिव के निर्देशों की औपचारिक पूर्ति

हाल ही देर रात प्रमुख शासन सचिव के दौरे के दौरान निर्देश दिए गए थे कि शाम की ओपीडी शुरू की जाए, ताकि मरीजों को उसी दिन जांच और उपचार मिल सके। चिकित्सा विभाग की मंशा यह थी कि ओपीडी धन्वंतरि भवन में संचालित हो, जहां पर्याप्त जगह उपलब्ध है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने योजना को उलटते हुए ओपीडी इमरजेंसी में ही खोल दी, जिससे भीड़ प्रबंधन और मरीज सुविधा दोनों प्रभावित होंगी।

सुपरस्पेशियलिटी विभागों की अनुपस्थिति

अस्पताल के भीतर यह सवाल लगातार उठ रहा है कि जब इमरजेंसी में न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभागों के ऑन-कॉल विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होते तो सबसे पहले इसी समस्या का समाधान क्यों नहीं किया गया? विशेषज्ञों का मानना है कि शाम की मेडिसन ओपीडी शुरू कर देना केवल असली समस्या से ध्यान हटाने की कोशिश है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने दिए कड़े निर्देश

चिकित्सा सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : खींवसर

■ मेडिकल कॉलेजों व संबद्ध अस्पतालों की निगरानी सख्त, जिम्मेदारी तय करने की तैयारी

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और उनसे संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर अब सरकार सख्त मोड में आ गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अस्पतालों में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो सीधे तौर पर जिम्मेदारी तय होगी और कार्रवाई से कोई नहीं बचेगा। मंत्री ने कहा कि जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में ढिलाई की गुंजाइश नहीं है और अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा।

स्वास्थ्य भवन में गुरुवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और अधीक्षकों के कामकाज की नियमित परफॉर्मेंस ऑडिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ या पैरामेडिकल कार्मिकों की कमी हो, तुरंत सरकार को अवगत कराया जाए, लेकिन किसी भी स्थिति में सेवाएं बाधित नहीं होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक स्टाफ की व्यवस्था तुरंत लागू की जाए।

साफ-सफाई, पार्किंग, सुरक्षा और रख-रखाव पर सख्ती

मंत्री ने अस्पतालों की साफ-सफाई, पार्किंग, सुरक्षा और रख-रखाव पर विशेष सख्ती दिखाते हुए कहा कि इन बुनियादी मानकों से किसी तरह का समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो तथा सफाई व्यवस्था उच्च स्तर की हो, जिसके लिए जरूरी होने पर बेहतर एजेंसियों की सेवाएं ली जाएं। दूरदराज से आने वाले रोगियों व परिजनों की समस्याओं पर चिंता जताते हुए मंत्री खींवसर ने कहा कि बड़े अस्पतालों में क्वालिटी फूड की उपलब्धता के लिए फूड कोर्ट स्थापित किए जाएं। सभी संस्थानों को इसके लिए स्थान जल्द चिह्नित करने और प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने संकेत दिया कि अब अस्पतालों का निरीक्षण मिशन मोड में किया जाएगा, ताकि खामियों का तत्काल समाधान हो सके और सेवाओं में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाने के निर्देश

इस दौरान चिकित्सा शिक्षा सचिव गायत्री राठौड़ ने अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई अस्पताल साधारण मामलों में भी मरीजों को एसएमएस, जेके लोन या अन्य बड़े अस्पतालों में भेज देते हैं, जिससे कुछ अस्पतालों पर अतिरिक्त भार बढ़ जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संस्थान अपनी उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करें और रोगियों के साथ संवेदनशील व्यवहार बनाए रखें। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल ने वर्ष 2030 और 2047 के लक्ष्य निर्धारण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार व सुधार पर प्रतिबद्धता से काम करने की अपील की। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य और अधीक्षक उपस्थित रहे।

30 लाख रुपए की लागत से सुधरेंगी वार्ड 49 की सड़कें

■ सी स्कीम में सड़क निर्माण शुरू, विधायक गोपाल शर्मा ने किया भूमि पूजन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 49, सी-स्कीम में गुरुवार को सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। विधायक गोपाल शर्मा ने भूमि पूजन कर विकास कार्य की शुरुआत की। लगभग 30 लाख रुपए की लागत से किए जा रहे इस निर्माण और पेचवर्क से क्षेत्र की सड़कों को बेहतर और टिकाऊ बनाया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सतत और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने सड़क, पेयजल, जलनिकासी, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकारों की विकासोन्मुख नीतियों का लाभ सीधे आमजन तक पहुंच रहा है।

विधायक ने कहा कि सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में हर वार्ड में चरणबद्ध तरीके से पक्की और मजबूत सड़कों, बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइट, पार्क सौंदर्यीकरण और स्वच्छता संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सी-स्कीम और आसपास के क्षेत्रों में जलनिकासी सुधार, पार्कों के उन्नयन और स्मार्ट सड़क लाइनों जैसे कार्य भी प्रस्तावित हैं, जिससे नागरिक सुविधाओं में और सुधार होगा। कार्यक्रम में पार्षद प्रत्याशी अनिल बागड़ा, वार्ड अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सुभाष सिंघी, महेंद्र पंवार, आशीष माथुर, सुनील कुमावत, बूथ अध्यक्ष खेमचंद सैन, राधेश्याम सैनी, किशन सैन, महेंद्र कुमार, मदन यादव, भगवान दास वर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

25 दिन में निगम ने 760 गौवंश को पहुंचाया हिंगोनिया गौशाला

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। नगर निगम की पशु प्रबंधन शाखा एक्शन मोड में है। पिछले 25 दिन में निगम ने 760 गौवंश को हिंगोनिया गौशाला पहुंचाया है। इस दौरान हवामहल, आमेर जोन में संचालित हो रही अवैध पशु डेयरी को भी हटाया गया। उपायुक्त पशु प्रबंधन सीमा शर्मा ने बताया कि वर्तमान में आश्रयहीन, बेसहारा पशुओं को पकड़ने का कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है। 10 नवंबर से अब तक 760 से अधिक निराश्रित पशुओं को पकड़कर गौ-पुनर्वास केंद्र हिंगौनिया गौशाला में पहुंचाया है। इसी के साथ 2293 मृत पशुओं को उठवाकर निस्तारण करवाया गया है। 386 बंदरों को पकड़कर शहर से दूर अन्य प्राकृतिक वातावरण में छुड़वाया गया है। इसी के साथ 608 बीमार, घायल पशुओं को एम्बुलेंस द्वारा चिकित्सा सहायता के लिए हिंगौनिया पहुंचाया गया तथा 19 निराश्रित पशुओं को राजमार्गों से पकड़कर गौ-पुनर्वास केंद्र हिंगौनिया गौशाला भिजवाया गया। 1581 श्वानों का बंधीयाकरण एवं टीकाकरण (एबीसी कार्यक्रम) किया गया।

चौड़ाईकरण कार्य — एमएनआईटी की सर्वे रिपोर्ट सहित विकास का खाका कोर्ट में पेश करेगा जेडीए, कोर्ट का निर्देश मिलने पर शुरू होगा काम, रूपरेखा तैयार

125 करोड़ रुपए की लागत से करतापुरा नाले की बदलेगी काया

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जेडीए ने करतारपुरा नाले की काया बदलने की रूपरेखा तैयार कर ली। इस पर करीब 125 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कोर्ट के निर्देश पर जेडीए ने नाले का सर्वे करवाकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली है। यह रिपोर्ट अगली सुनवाई पर कोर्ट में पेश की जाएगी। इसके बाद कोर्ट इस नाले का भविष्य तय होगा।

गौरतलब है कि करतारपुरा नाले के कच्चे भाग को पक्का करने एवं चौड़ाईकरण के लिए उच्च न्यायालय में पीआईएल संख्या सीडब्ल्यू/22508/2018 (राजेंद्र प्रसाद शर्मा बनाम राजस्थान सरकार) लंबित हैं। इस क्रम में जेडीए ने एमएनआईटी से बहाव के संबंध में हाइड्रोलिक डिजाइन सर्वे प्राप्त कर लिया है और नाले को पक्का करने के लिए एस्टीमेट एवं ड्रोन सर्वे के लिए कंसल्टेंसी का चयन करने के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली है। इसे उच्च न्यायालय के समक्ष आगामी सुनवाई में पेश किया जाएगा। उच्च न्यायालय में सुनवाई के बाद नाले की आगामी रूपरेखा निर्धारित होने की संभावना है।

प्राइवेट लैंड पर बह रहा नाला

वर्तमान में करतारपुरा नाला प्राइवेट लैंड पर बह रहा है, उसकी चौड़ाई निर्धारित करने में निजी खातेदार अड़चन पैदा कर रहे हैं। ऐसे में जेडीए लंबे समय से नाले की जमीन खोजने में लगा है, लेकिन उसे इसमें सफलता नहीं मिल पा रही है। वजह साफ है कि नाले ने अपना रुख 1981 की बाढ़ में बदला था। उससे पहले नाला कहां पर बह रहा था, उसका रिकॉर्ड रेवेन्यू विभाग के पास भी नहीं मिल पा रहा है। इसी वजह से लगातार उसे अतिक्रमण मुक्त करवाने और सफाई में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डेढ़ से 2 किमी हिस्सा प्राइवेट लैंड

जेडीए वर्तमान में 4.8 किमी करतारपुरा नाले की साफ-सफाई और डिमार्केशन का काम करवा रहा है। करतारपुरा नाला जयपुर-सवाईमाधोपुर रेलवे लाइन से शिप्रापथ तक बहता है। इसमें खास बात यह है कि इस दूरी के बीच में करीब 5-6 स्थानों पर यह नाला प्राइवेट लैंड पर बह रहा है। वर्तमान में यह नाला करीब 10 से 25 फीट की गहराई में बह रहा है।

पूर्व में 50 मीटर चौड़ाई निर्धारित की थी, विरोध के बाद अब 34 मीटर

जेडीए ने पूर्व में करतारपुरा नाले को 50 मीटर चौड़ा बनाने की योजना तय की थी, लेकिन सर्वे में बड़ी संख्या में मकान प्रभावित हो रहे थे। सर्वे के बाद आमजन द्वारा कड़ा विरोध दर्ज करवाया गया। इस पर सिविल लाइंस से तत्कालीन विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास ने पूरा मुद्दा विधानसभा में उठाया था। इसके बाद नए सिरे से सर्वे करवाया गया, ताकि कम से कम लोग प्रभावित हों। नए सर्वे के बाद करतारपुरा नाले की चौड़ाई 34 मीटर करना तय किया गया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत देश के गरीब और आम परिवारों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

9 राज्यों में यूएलए मॉडल में 10 लाख से अधिक सोलर इंस्टॉलेशन की तैयारी

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत यूटिलिटी लेड एग्रीगेशन (यूएलए) मॉडल से देश के गरीब और आम परिवारों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सांसद और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद नाईक ने संसद में कहा कि यूएलए मॉडल का मुख्य लक्ष्य डिस्कॉम और राज्य-स्तरीय एजेंसियों के माध्यम से कम आय वाले परिवारों को सौर ऊर्जा उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने घर की छतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाकर मुफ्त बिजली का लाभ ले सकें।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि भारत सरकार गरीब परिवारों तक मुफ्त सौर ऊर्जा पहुंचाने के लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। कार्य को आसान और मजबूत बनाने के लिए मंत्रालय ने परिचालन दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। इसके साथ ही

भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पेमेंट रिलीज मैकेनिज्म अधिसूचित किया है, जिसके अनुसार सत्यापन के तुरंत बाद केंद्रीय वित्तीय सहायता सीधे वेंडर के बैंक खाते में भेजी जाती है। सीएफए (केंद्रीय वित्तीय सहायता) एक ही किस्त में तब जारी होती है, जब रूफटॉप सौर संयंत्र का सफलतापूर्वक स्थापन, परीक्षण और संचालन पूरा हो जाता है। यह व्यवस्था भ्रष्टाचार और देरी पर प्रभावी रोक लगाती है और जनता को शीघ्र लाभ सुनिश्चित करती है, जो मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि यूएलए मॉडल को अभी तक 9 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम, केरल, जम्मू-कश्मीर, अंडमान एवं निकोबार, लद्दाख, दादरा-नगर हवेली-दमन-दीव और तेलंगाना शामिल हैं। इन राज्यों में कुल 10,37,543 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

निकायों में लगे प्रशासकों के काम की रिपोर्ट तलब

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। नगरीय निकायों में चुने हुए जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल पूरा होने के बाद लगाए गए प्रशासकों के काम पर सरकार की पूरी नजर है। स्थानीय निकाय विभाग ने सभी निकायों से उनके यहां हो रहे कामकाज के बारे में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है, ताकि यह पता चल सके कि जनप्रतिनिधियों के बिना इन निकायों में आम जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए कैसा काम हो रहा है। प्रदेश के लगभग सभी स्थानीय शहरी निकायों में चुने हुए जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल पूरा हो चुका है और एक राज्य एक चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य सरकार ने अभी किसी भी निकाय में चुनाव नहीं कराए हैं। इन निकायों में चुने हुए जनप्रतिनिधियों के स्थान पर अब सरकारी अधिकारी प्रशासक के रूप में काम कर रहे हैं। इस बीच आमजन की रोजमर्रा की समस्याओं के निस्तारण में ढिलाई की शिकायतें सामने आ रही हैं और कई जगह यह महसूस किया जा रहा है कि जनप्रतिनिधियों के नहीं होने के कारण आम जनता को अपने काम कराने में दिक्कत हो रही है। इसी को देखते हुए स्थानीय निकाय विभाग ने सभी निकायों से प्रशासकों के कामकाज की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है और जानना चाहा है कि निकायों में सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, लंबित प्रकरणों का निस्तारण और आम जनता के अन्य दूसरे काम किस गति से किए जा रहे हैं और यदि काम नहीं हो पा रहे हैं तो इसमें क्या दिक्कत आ रही है।

गौरतलब है कि प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनाव अगले वर्ष अप्रेल या मई से पहले होने की संभावना नहीं है, क्योंकि सरकार को ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार है, जो फरवरी तक आएगी और इसके बाद स्कूलों में परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। ऐसे में पूरे राज्य में एक साथ चुनाव कराना मुश्किल रहेगा। यही कारण है कि स्थानीय निकायों का कामकाज अभी कम से कम चार से पांच माह प्रशासकों के हाथ में ही रहेगा।

अब सोसाइटी पट्टों पर नहीं होगी रजिस्ट्री, आदेश पर प्रदर्शन

वकीलों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन, कार्य बहिष्कार

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। सोसाइटी पट्टों पर काटी गई कॉलोनियों की अब रजिस्ट्री नहीं की जाएगी। इस आदेश के विरोध में गुरुवार को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में वकीलों ने प्रदर्शन किया। इस आदेश को वापस लेने की मांग पर अधिवक्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय के नीचे जमकर नारेबाजी की। इसके बाद कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। शाम को वित्त विभाग के साथ वार्ता बेनतीजा रही, यह वार्ता शुक्रवार को फिर शुरू होगी, तब तक अधिवक्ताओं की ओर से कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

क्या है मामला

दरअसल सरकार की ओर से प्रदेश में बिना कन्वर्जन और 90ए के सोसाइटी पट्टों की रजिस्ट्री नहीं करने के निर्देश के आदेश जारी किए हैं। इसे लेकर ही राज्य सरकार ने मंगलवार को रजिस्ट्रेशन एक्ट-2021 में हुए संशोधन को लागू कर दिया है। इस संशोधन के तहत सोसाइटी पर कटी कॉलोनियों को बिना कन्वर्जन बेचा नहीं जा सकेगा। इसी विषय को लेकर वकीलों का विरोध है। अधिवक्ताओं का पक्ष यह है कि राजधानी में अभी तक 70 से 80 प्रतिशत प्लाट मकान सोसाइटी के माध्यम से ही बिके हैं, इतना ही नहीं जेडीए, आवासन मंडल निकाय ने भी इन्हीं के विकसित मकानों की रजिस्ट्री के लिए कैंप लगाए और उन्हें नियमित कर वैध किया।

12 करोड़ तक का नुकसान

अधिवक्ताओं की ओर से कार्य बहिष्कार के चलते दिनभर पंजीयन कार्यालय सूना रहा। इससे यहां आने वाले लोग किसी भी दस्तावेज का पंजीयन नहीं करवा पाए। एक दिन में यहां करीब 550 दस्तावेजों का पंजीयन होता है। आय में देखा जाए तो इससे 10 से 12 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

प्रशासनिक पक्ष

दूसरी ओर पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के अनुसार कृषि भूमि के लिए राजस्व न्यायालय की ओर से आदेश की अनुपालना के तहत ही कार्य निष्पादित किया जाएगा। 21 फरवरी 2025 को जारी अधिसूचना के द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 में धारा 22 क प्रतिस्थापित की गई है, इसी बिंदू के अनुसार प्रावधान किया गया है कि केंद्रीय अधिनियम या राज्य अधिनियम द्वारा यह उल्लेखित किया गया है कि 'उप पंजीयक' गृह निर्माण सहकारिता समिति और निजी खातेदारों की ओर से विकसित की गई योजनाओं के दस्तावेजों को पंजीयन के लिए लेने से इन्कार किया जाता है।

वार्ता बेनतीजा, आज भी कार्य बहिष्कार

सोसाइटी पट्टों से रजिस्ट्री नहीं किए जाने के विरोध में अधिवक्ताओं ने दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन की अगुवाई में कलेक्ट्रेट बंद का दावा किया। इस दौरान जयपुर जिले के सभी उप पंजीयक कार्यालयों और राजस्व न्यायालयों में काम बंद रखा गया। विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की गई। जिला कलेक्टर डॉक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी को ज्ञापन सौंपा गया। गुरुवार शाम को वित विभाग के साथ अधिवक्ताओं की ओर से प्रतिनिधिमंडल की वार्ता रही, जो बेनतीजा रही। शुक्रवार को फिर वार्ता होगी। इसके बाद ही अधिवक्ताओं की ओर से कार्य संचालन किया जाएगा। तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

अधिवक्ताओं का पक्ष

अधिवक्ताओं का पक्ष यह है कि अब तक इन्हीं के द्वारा विकसित कॉलोनियों को जेडीए और आवासन मंडल शिविर लगाकर नियमित करता आया है। इसी आधार पर पट्टा विलेख, लीज डीड जारी किए जाते रहे हैं। इससे जाहिर है कि सहकारी समितियां और निजी स्वामित्व और खातेदारी के दस्तावेज की दृष्टि से वैध है। राज्य सरकार भी इन्हें कानूनी मानकर ही अब तक इन पर मुद्रांक शुल्क लेती रही है। वकीलों की मांग है कि इन्हें पूर्ववत ही रखा जाए। इस आदेश से गृह निर्माण समितियों की ओर से प्लाट मलिकों से पैसा वसूला जाएगा। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस निर्णय से गृह सहकारी समितियां बैक डेट में प्लाट मालिक से मुंह मांगी रकम वसूलेंगी और सरकार को राजस्व की हानि होगी। तकनीकी पक्ष यह है कि सभी बैंक व फायनेंस कंपनियां इन्हीं पट्टों पर कर्ज देते हैं। इसलिए प्लॉट मालिक अधिक चिंतित हैं।

इनका कहना है

सोसाइटी पट्टों से जब तक रजिस्ट्री का आदेश नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। सोसायअी पट्टे के मकान की रजिस्ट्री ना करना आम आदमी के साथ कुठाराघात है। जिले के किसी भी कार्यालय में एक भी रजिस्ट्री नहीं हुई है।

गजराज सिहं राजावत, अध्यक्ष दी डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन, जयपुर

गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में बिना पद सृजित किए शिक्षकों का पदस्थापन

- मकान किराए भत्ते पर वित्त विभाग की कैंची
- शिक्षा विभाग की गलती का खामियाजा शिक्षक क्यों भुगते : अरस्तु

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। अखिल राजस्थान विद्यालय शिक्षक संघ (अरस्तु) ने मुख्य सचिव को ज्ञापन देकर शहरी क्षेत्र के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों मे काउंसलिंग से लगे सभी वर्ग के शिक्षकों के पदस्थापन में तकनीकी कमजोरी को दूर करने की मांग की है। अरस्तू शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण अग्रवाल ने बताया कि महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूलों में पदस्थापन तो कर दिया गया लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग ने उक्त स्कूलों में पद सृजित ना कराने के कारण सभी वर्ग के शिक्षकों के वेतन व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों से होती रही है, ऐसे शिक्षकों को शहरी मकान भत्ता व शहरी क्षतिपूर्ति भत्ता उनके वेतन में उठता रहा है। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि स्कूल शिक्षा विभाग बीकानेर ने पद सृजित करने का कोई प्रस्ताव नहीं भेजा, जिससे राज्य सरकार की ओर से पद सृजित नहीं किए गए। परिणाम यह है कि वित्त सचिव (बजट) राजन विशाल ने एक आदेश जारी कर कहा कि जिनका पदस्थापन शहरी क्षेत्र के विद्यालयों में तो है लेकिन वेतन ग्रामीण क्षेत्र से उठाया जा रहा है उन्हें ग्रामीण क्षेत्र का मकान किराया भत्ता मिलेगा ना कि शहरी क्षेत्र का, उन्हें शहरी क्षति पूर्ति भत्ता देय नहीं होगा। सैकड़ों शिक्षकों से वसूली करने के आदेश भी जारी कर दिए हैं। संगठन के प्रदेश प्रवक्ता देवकरण गुर्जर ने बताया कि मुख्य सचिव से मांग की है कि वित्त सचिव की ओर से जारी आदेश पर रोक लगाए या प्रत्याहरित कराए, ताकि शिक्षकों को आर्थिक हानी से बचाया जा सके। शिक्षा विभाग से पद सृजित करने के प्रस्ताव मंगवाकर, वित्त विभाग से अनुमोदन कराके शिक्षकों को स्थाई राहत दिलवाई जाए।

जेडीए की प्रवर्तन टीम को दो साल बाद दिखा लोकार्पण पट्टिका का अतिक्रमण

आधा दर्जन पट्टिकाओं को जेडीए दस्ते ने हटाया

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। शहर और आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण हो रहे हैं। जो खुलेआम दिख रहे हैं, लेकिन उस पर ना तो जेडीए की टीम कार्रवाई करती और ना नगर निगम की। हाल ही जेडीए की प्रवर्तन टीम को लोकार्पण पट्टिकाओं में अतिक्रमण नगर आया। गुरुवार को जेडीए दस्ते ने इन्हें हटा दिया। ये पट्टिकाएं कुछ महिनों या दो साल पहले लगाई गई थीं।

जानकारी के अनुसार विद्याधर नगर जोन-2 में सेक्टर 22, सेक्टर-7 एरिया में 6 अलग-अलग जगह सड़कों का नवीनीकरण और डामरीकरण किया गया। इस काम के पूरा होने के बाद स्थानीय पार्षद प्रदीप तिवाड़ी ने इनका लोकार्पण किया और उस जगह पर लोकार्पण पट्टिका लगा दी। इन पट्टिकाओं को अब जेडीए की जोन 2 की प्रवर्तन टीम ने अतिक्रमण माना। इस संबंध में प्रवर्तन अधिकारी जोन 2 ने 2 दिसंबर को नोटिस जारी करके 6 जगहों से इस तरह की लोकार्पण पट्टिकाओं को हटाने का नोटिस जारी कर दिया। नोटिस के 24 घंटे बाद 4 दिसंबर की सुबह जेडीए की प्रवर्तन टीम जेसीबी और जाब्ते के साथ मौके पर पहुंच गई और पट्टिकाओं को हटा दिया। यहीं नहीं नोटिस के अलावा भी पुरानी पट्टिकाओं को हटा दिया गया।

इनका कहना है...

जेडीए ने इन जगहों पर कोई विकास कार्य नहीं करवाए हैं, लेकिन जेडीए का नाम लेकर स्थानीय पार्षद द्वारा लोकार्पण पट्टिका लगा दी गई। इस पूरे मामले की जोन डीसी स्तर पर जांच की गई और उनकी रिपोर्ट के आधार पर इन्हें अतिक्रमण मानते हुए हटाया गया है।

राहुल कोटोकी, उपमहानिरीक्षक, जेडीए

शिक्षा विभाग की पहल

'माई कॅरियर एडवाइजर' से विद्यार्थियों को मिलेगी गाइडेंस

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। विद्यार्थियों को अपने भविष्य में सही मार्गदर्शन के लिए शिक्षा विभाग ने 'माय कॅरियर एडवाइजर' मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह आधुनिक, एआई आधारित कॅरियर अवेयरनेस एवं गाइडेंस ऐप कक्षा 9 से 12वीं के विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों और काउंसलर्स के लिए भी बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। इस ऐप का विकास शिक्षा मंत्रालय एवं एनसीईआरटी-पीएसएससीआईवी ने मिलकर विकसित किया है, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और कौशल के आधार पर पर्सनलाइज्ड कॅरियर सलाह दी जाती है।

सेल्फ रिव्यू कर बना सकते हैं प्रोफाइल

विद्यार्थी इस ऐप पर तीन प्रमुख मूल्यांकनों के माध्यम से अपना सेल्फ-रिव्यू कर सकते हैं। ऐप के माध्यम से 20 मिनट का एप्टीट्यूड टेस्ट, 12 मिनट का इंटरेस्ट टेस्ट और 14 मिनट का वैल्यूज टेस्ट लिया जाकर विद्यार्थियों का परीक्षण किया जाता है। इन परीक्षणों के आधार पर ऐप विद्यार्थियों को एआई आधारित कॅरियर इनसाइट्स और मैच्ड रोल्स सुझाता है। खास बात यह है कि इसमें कॉलेज डिग्री के साथ-साथ बिना डिग्री के जॉब ऑप्शन भी उपलब्ध हैं, जिससे हर प्रकार के विद्यार्थी को मार्गदर्शन मिल सके। इस ऐप के जरिए विद्यार्थी अपनी प्रोफाइल तैयार कर सकते हैं, पसंदीदा कॅरियर विकल्प चुन सकते हैं और अपनी सेल्फ-रिव्यू रिपोर्ट, मैच्ड रोल्स और फेवरिट्स को अभिभावकों, शिक्षकों और सलाहकारों के साथ साझा भी कर सकते हैं।

इनका कहना है

माय कॅरियर एडवाइजर ऐप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने, जागरूकता बढ़ाने और सही योजना बनाने में मदद करेगा। यह पहल न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, बल्कि उन्हें उनके सपनों के कॅरियर की ओर एक स्पष्ट दिशा भी देगी।

● संतोष कुमार मीणा, उपायुक्त, गुणवत्ता व व्यावसायिक शिक्षा, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

जेडीए ने 30 करोड़ की पांच बीघा सरकारी भूमि से हटवाया अतिक्रमण

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने मथुरादासपुरा में 30 करोड़ की 5 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया। इसके अलावा निजी खातेदारी भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनियों को भी ध्वस्त किया गया। उपमहानिरीक्षक राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-14 स्थित ग्राम रामसिंहपुरा में करीब 1.5 बीघा सरकारी भूमि पर और जोन-10 स्थित ग्राम मथुरादासपुरा के खसरा नंबर 172 में करीब 5 बीघा सरकारी भूमि पर कांटों की झाड़ियां, सीमेंट के पिलर लगाकर, कच्ची सड़क, तारबंदी कर किए

गए अतिक्रमण को हटाया गया। जोन-10 में इकोलॉजिकल जोन स्थित दिल्ली रोड आमेर नटाटा रोड में करीब 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर 'शिव शक्ति विहार' के नाम से और जोन-13 स्थित ग्राम खेरवाड़ी दौलतपुरा में करीब 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, प्लॉटों की चारदीवारी सहित अन्य अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

नारायण मीणा बने भाजपा प्रदेश मंत्री

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। भाजपा ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए एसटी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष नारायण मीणा को प्रदेश मंत्री मनोनीत किया है। इस नियुक्ति के बाद मीणा ने केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यों को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे।

संसद में गूंजा गलता तीर्थ और सूर्य मंदिर का मामला

सांसद मंजू शर्मा ने की धार्मिक स्थलों के संरक्षण, विकास की मांग

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। संसद में जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने जयपुर के प्राचीन मंदिरों को लेकर सवाल किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजधानी में अति प्राचीन गलता मंदिर हैं, वहां पर सूर्य मंदिर हैं साथ ही कई अति प्राचीन मंदिर हैं। इनको केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना में शामिल किया

जाए। इसके साथ ही इन स्थलों को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। यहां पर देस-परदेस के लाखों भक्त आते हैं। साथ ही वे यहां पर आकर अध्यात्म के साथ भौगोलिक स्थिति से रूबरू होते हैं।

उन्होंने इन स्थलों पर वृद्धजनों की सुविधा के लिए रोप-वे, यातायात की सुगम व्यवस्था और आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की मांग भी की। इसके लिए इनके विकास के लिए वन और पर्यावरण विभाग जल्द एनओसी भी जारी करवाने की मांग की ताकि आमजन को लाभ मिल सके।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने ध्यानाकर्षण के जरिए बच्चों में नैतिक शिक्षा की बात उठाई

बच्चों में हिंसा की मनोविकृति समाज के लिए सोचनीय : मदन राठौड़

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली/जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद के उच्च सदन राज्यसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए सवाल उठाया कि बच्चों में हिंसा को लेकर जो मनोविकृति देखी जा रही हैं वो गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों और

युवाओं की ओर से सबसे सुरक्षित माने जानी जगह स्कूल में चाकू से हमले करना यह गंभीर विषय हैं। इस पर हमें सोचना होगा। इसके कारणों को जानना होगा। इसके लिए परिवार की ओर से दिए जा रहे संस्कारों की कमी, मां-बाप की बच्चों से संवादहीनता, उनकी अनदेखी, डिजिटल मीडिया की ओर से हिंसात्मक वीडियो का आना, मोबाइलकरण इसके खास जिम्मेदार है। हमें नैतिक शिक्षा को अनिवार्य करना होगा। इसके साथ ही बच्चों शिक्षकों और अभिभावकों की कार्यशालाएं करवाई जाए। साथ ही सोशल मीडिया के कंटेट पर भी नजर रखी जाए।

प्रमुख शासन सचिव यूडीएच और स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव ने ली संयुक्त बैठक

शहरी समस्याओं के समाधान के लिए 17 से लगेंगे 7 दिवसीय शिविर

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 17 से 24 दिसंबर तक 7 दिवसीय शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 आयोजित किए जाएंगे। इनकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि तथा स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने डीएलबी मुख्यालय के सभागार में संयुक्त बैठक ली।

बैठक में दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएं यथावत लागू रहेंगी।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि

शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य के प्रत्येक नगरीय निकाय एवं प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए। शिविरों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। शिविर का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित रहेगा और यदि किसी प्रकरण का कार्य निर्धारित समय तक लंबित रहता है तो शिविर को कार्य पूर्ण होने तक जारी रखा जाएगा।

शासन सचिव रवि जैन ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया कि शिविरों को अधिकतम परिणामकारी बनाने के लिए पूर्व-तैयारी से लेकर अंतिम निस्तारण तक सभी व्यवस्थाएं मजबूत रखें। साथ ही अपने क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उस क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को दूर करने की कार्ययोजना तैयार करें। बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, अतिरिक्त निदेशक सीमा, मुख्य अभियंता अरुण व्यास सहित सभी नगरीय निकायों और नगरीय विकास न्यास के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

कई प्रकरणों का हो चुका निस्तारण

शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि प्रमुख एवं फॉलोअप शिविर में पट्टों से संबंधित प्रकरणों में 39 हजार 800 प्रकरणों का निस्तारण किया गया था। इसी के साथ अन्य भूमि से संबंधित 20 हजार 888 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। जिनमें नाम हस्तांतरण के 10 हजार 30 प्रकरण, यूडी टैक्स के 3 हजार 987, भवन मानचित्र के 3 हजार 554, भूखंडों के उप विभाजन एवं पुनर्गठन के 1 हजार 753, निर्माण अवधि विस्तार के 776, नगरीय विकास एवं आवासन मंडल द्वारा ब्याज छूट देकर की गई वसूली के 365 प्रकरण तथा भू-उपयोग परिवर्तन के 423 प्रकरणों को स्वीकृत किया गया और घर-घर कचरा संग्रहण के 43 हजार 269 प्रकरणों का भी निस्तारण एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के 4 हजार 977 आवेदनों का अनुमोदन कर प्रथम किस्त जारी करने के प्रकरण शामिल हैं।

रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं

महानगर टाइम्स संवाददाता

नीमकाथाना। ग्राम पंचायत सिरोही में आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में जलदाय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, विद्युत, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्व, कृषि, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपनी-अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। रात्रि चौपाल में पेयजल, विद्युत, सड़क, अतिक्रमण, सामाजिक न्याय, पंचायती राज आदि विभागों से संबंधित कुल 29 प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने सभी प्रकरणों के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर नीमकाथाना भागीरथ शाख, एसडीएम राजवीर सिंह यादव, तहसीलदार अभिषेक सिंह, सहायक निदेशक इंदिरा शर्मा, जिला व उपखंड स्तर के अधिकारी, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित किए स्वेटर

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीमाधोपुर। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर की ओर से बढ़ती हुई सर्दी को देखते हुए विभिन्न स्कूलों के जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए गए। क्लब के तत्वावधान में मोहनलाल पटवारी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मऊ में गुरुवार को मुरारी लाल कयाल खंडेला के सहयोग से 50 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किए गए। स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार सोनी के अलावा बृजपाल सिंह, आनंद सैनी, मोहनलाल, पम्मी कंवर, संतोष वर्मा सहित सभी शिक्षकगणों के साथ क्लब के सीताराम सैनी, ललित कुमार सैनी व सागर मल सैनी मौजूद रहे।

हवन के साथ हीरामल देव महाराज के मंदिर की स्थापना

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। फतेहपुर गौशाला रोड पर गुरुवार को हीरामल देव महाराज के मंदिर की स्थापना की गई। इस उपलक्ष्य में कई देव महाराज के मंदिरों से आए गुरु और भक्तों ने बुधवार रात्रि को जागरण कर देवनारायण की कथा का वाचन किया। इसके बाद गुरुवार को सुबह हवन किया गया और 51 कन्याओं को भोजन करवाया गया। कार्यक्रम में देवसेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि गुर्जर समाज अब शिक्षा से जुड़ गया है। भगत सुल्तान बरगढ़ ने कहा कि गुर्जर समाज जहां रहता है, वहां हर जगह हीरामल देव महाराज का मंदिर बनने से समाज का उत्थान हुआ है। इस मौके पर भगत विजय खटाना, भगत मनोहर खटाना, गुर्जरों की नांगली गुरु बनवारी लाल को भक्तों ने दक्षिणा देकर विदा किया। इस मौके पर 51 देव महाराज के मंदिरों से भगत व गुरु पहुंचे।

एसआईआर में 99 फीसदी मैपिंग के साथ सलूंबर बना अग्रणी

महानगर टाइम्स संवाददाता

अलवर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य तीव्र गति व पारदर्शिता के साथ प्रगति पर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि प्रदेश के कुल 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 गणना प्रपत्रों में से 5 करोड़ 46 लाख 62 हजार से अधिक प्रपत्र सफलता पूर्वक अपलोड किए जा चुके हैं। महाजन ने बताया कि प्रदेश के बाड़मेर, सलूंबर, बालोतरा, झालावाड़, फलौदी, भरतपुर, चूरू, दौसा, बारां, राजसमंद, डीग, झुंझुनूं, पाली, सीकर, चित्तौड़गढ़, नागौर ब्यावर, करौली, डीडवाना, कुचामन, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, कोटपूतली, बहरोड़ व सवाईमाधोपुर में सभी गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। महाजन ने बताया कि सलूंबर विधानसभा क्षेत्र में भी 99 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की मैपिंग हो चुकी है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि उस सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को और अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी, व्यवस्थित व मतदाता केंद्रित बनाया जा रहा है।

महिलाओं को कांग्रेस की नीति से अवगत कराने की अपील

महानगर टाइम्स संवाददाता

नवलगढ़। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा व प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार ग्राम बाय सरपंच व चूरू महिला कांग्रेस प्रभारी तारा पूनिया ने गुरुवार को चूरू महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता कपूरिया की कार्यकारणी व कांग्रेस पार्टी से जुड़ी हुई महिलाओं की मीटिंग ली। बैठक में पूनिया ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी के प्रति सशक्त रूप से कार्य करना है और महिलाओं को कांग्रेस की नीति से अवगत करना है। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ के साथ मतदाता सूची पर ध्यान देना और राहुल गांधी के वोट चोर गद्दी छोड़ के अभियान को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को 14 दिसंबर को राहुल गांधी की रामलीला मैदान में आयोजित रैली में भाग लेना है।

हरिपुरा गांव को पंचायत मुख्यालय बनाने की मांग का मामला

अनशन पर बैठे पांच ग्रामीणों में से दो की बिगड़ी तबीयत

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीमाधोपुर। अजीतगढ़ पंचायत समिति के राजस्व गांव हरिपुरा को पंचायत मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर अनिश्तिकालीन धरने और अनशन के दूसरे दिन पांच में से दो अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ गई। सूचना पर पहुंची चिकित्सकीय टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां दी, लेकिन अनशनकारियों ने कोई भी दवा लेने से साफ इनकार कर दिया। ग्रामीण बबलू सिंह, सेवानिवृत्त प्राचार्य कैलाश शर्मा, मामराज मीणा आदि ने बताया कि हरिपुरा को नई ग्राम पंचायत बनाने की मांग लम्बे समय से की जाती रही है। गांव वालों ने गत दिनों यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को ज्ञापन देकर मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं की गई। हरिपुरा को पंचायत पुनर्गठन में ग्राम पंचायत बनाए जाने के बजाय नवगठित ग्राम पंचायत सुरानी के अधीन कर दिया गया। इससे गुस्साए ग्रामीणों की ओर से अनिश्चितकालीन धरना और अनशन करके पंचायत मुख्यालय बनाने की मांग की जा रही है। धरना-प्रदर्शन व अनशन के दूसरे दिन अनशनकारी मूलचंद जांगिड़ व राकेश शर्मा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। प्रशासन को अवगत करवाने के बाद अजीतगढ़ बीसीएमएचओ डॉ. राजेन्द्र यादव ने चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अजय सामोता के नेतृत्व में चिकित्सा टीम को अनशन स्थल पर भेजा। टीम ने अनशन कर रहे पांचों का मेडिकल चेकअप किया। चिकित्सा टीम ने सभी को दवाइयां दी, लेकिन अनशनकारियों ने दवा लेने से साफ मना कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इसके बाद भी प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी अभी तक अनशन स्थल पर नहीं पंहुचा।

फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में अतिक्रमण बन रहा बाधक

महानगर टाइम्स संवाददाता

नीमकाथाना। सीकर-खेतड़ी रोड स्थित सिरोही नदी बाईपास से माकड़ी रेलवे फाटक तक 11 किमी फोरलेन सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा करने में हो रही देरी से क्षेत्रवासी परेशान हो रहे हैं। कई दिनों पूर्व निर्माण कार्य की डेडलाइन निकालने के बावजूद सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी साइट पर अतिक्रमण अभी तक शिफ्ट नहीं करवा पाए। विभागीय अनदेखी व लापरवाही के चलते सड़क निर्माण कार्य में अनावश्यक देरी हो रही है, जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्रवासियों को धूल-मिट्टी उड़ने सहित कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर पालिका व भूमि राजस्व विभाग के अधिकारियों ने सड़क मार्ग पर अतिक्रमण चिन्हित करने के बाद कई बार मौका निरीक्षण किया गया, लेकिन विरोध की आशंका के चलते विभागीय अधिकारी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से बच रहे हैं। अतिक्रमणों के खिलाफ करवाई कर जमीन खाली करवाने के मामले को लेकर उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह की अध्यक्षता में निर्माण एजेंसी व नगरपालिका अधिकारियों के बैठक भी हुई थी और जमीन खाली करवाकर संवेदक को देने पर सहमति बनी थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी 11 किमी फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य अभी तक सिरोही नदी बाईपास से मात्र 2 किलोमीटर और माकड़ी रेलवे फाटक से शहरी क्षेत्र जोड़ला जोहड़ा तक ही हो पाया है। शहर के इस मुख्य मार्ग पर बिजली पोल, ट्रांसफार्मर व बिजली लाइन हटाने का कार्य भी अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। निर्माण एजेंसी का दावा है कि निर्माण साइट पर अतिक्रमण के चलते कार्य धीमी गति से चल रहा है। संबंधित विभाग अतिक्रमण पर कार्रवाई कर निर्माण साइट जगह को खाली करवाएं तो फोरलेन सड़क निर्माण शीघ्र पूरा किया जा सकता है।

नाबालिग बहनों से रेप और छेड़छाड़ करने वाले को भेजा जेल

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। खुद की बेटी की सहेलियों से रेप और छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को घर पर दबिश देकर पकड़ा और कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थानाधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि इस संबंध में दोनों पीड़िता के पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया था कि उनकी बेटियां सीकर में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। इनमें 17 साल की बड़ी बेटी नीट की तैयारी कर रही है और 15 साल की छोटी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ती है। दोनों सीकर के एक फ्लैट में अपनी सहेली के साथ रहती थी। साथ में रहने वाली सहेली का पिता फ्लैट पर आया और 15 साल की नाबालिग बेटी के साथ डरा धमकाकर रेप किया। आरोपी ने बेटी को जान से मारने की धमकी दी। इसलिए वह डर गई और घटना के बारे में किसी को नहीं बता पाई। इसके बाद आरोपी वापस वहां आया और 17 साल की नाबालिग बेटी को अकेला पाकर उसके साथ भी रेप करने की कोशिश की, लेकिन जैसे-तैसे नाबालिग बेटी ने खुद को बचा लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

महिला हिंसा और बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़े के अंतर्गत पिपराली पंचायत समिति परिसर स्थित अम्बेडकर भवन में जागरूकता रैली व बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेंद्र चौधरी ने की। कार्यक्रम में पंचायत समिति क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं, बालिकाएं व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जागरूकता रैली का शुभारंभ प्रधान प्रतिनिधि मुकेश व ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी दुर्गा देवी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में छात्र-छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं व सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से महिला हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने, बाल विवाह रोकने, बेटियों को शिक्षित करने और नारी सम्मान को बढ़ावा देने का सामूहिक संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बेटी जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपनिदेशक राजेन्द्र चौधरी ने लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नवजात बालिकाओं की माताओं को संकल्प पत्र, बेबी किट व खेस वितरित कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की नींव हैं, उनके संरक्षण, शिक्षा व सम्मान के बिना किसी भी समाज की प्रगति संभव नहीं है। इस अवसर पर विकास अधिकारी जरनैल सिंह सैनी व सहायक विकास अधिकारी बागुराम गुर्जर की भी विशेष उपस्थिति रही। वहीं अध्यापिका सुमित्रा व सरिता ने बालिकाओं के साथ रैली में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समापन अवसर पर बाल विवाह रोकथाम को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें उपस्थित सभी मातृशक्ति, अधिकारियों व अतिथियों ने हस्ताक्षर कर बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता फैलाने और इसे जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया।

इंडियन आर्मी में चयनित एनसीसी कैडेट्स का समारोह पूर्वक किया सम्मान

देशभक्ति पर आधारित नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीमाधोपुर। एसबीएन पीजी महाविद्यालय में गुरुवार को एक ऐतिहासिक व प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें इंडियन आर्मी में चयनित 13 एनसीसी कैडेट्स का भव्य सम्मान किया गया। महाविद्यालय परिसर देशभक्ति व उत्साह के माहौल से सराबोर रहा। यह कार्यक्रम पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण साबित हुआ। सम्मान समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एसके जाट ने करते हुए कहा कि देश की सेवा के लिए सेना में शामिल होना किसी भी युवा के जीवन का महानतम क्षण होता है। महाविद्यालय निदेशक डॉ. मुकेश कुमार बल्डवाल ने सभी चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता मेहनत, अनुशासन व समर्पण का परिणाम है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों की देशभक्ति पर आधारित नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। छात्रों के जोश और ऊर्जा ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। समारोह में इंडियन आर्मी में चयनित एनसीसी कैडेट्स को शॉल, प्रशस्ति-पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले छात्रों में गिरिराज सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह, रमन चौधरी पुत्र श्यामलाल, अजय चाहर पुत्र जगमाल सिंह, पिंटू मंगवा पुत्र प्रकाश मंगवा, लालचंद जाट पुत्र प्रकाश चंद जाट, मनोज कुमार पुत्र कजोड़ मल, दीपक गढ़वाल पुत्र झाबरमल विजयपुरा, रौनक स्वामी पुत्र बलदेव स्वामी, राकेश भादवा पुत्र मुकेश भादवा, दिनेश सामोता पुत्र फूलसिंह, अमन चौधरी पुत्र करण सिंह, रमेश कुमार पुत्र हरबक्स जाट, अर्जुन मीणा पुत्र विनोद मीणा शामिल थे। महाविद्यालय परिवार के सहभागिता कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों व एनसीसी कैडेट्स की उत्साहपूर्ण उपस्थिति देखने लायक थी। एनसीसी प्रभारी अनीता दुसाद ने छात्रों को सेना में अनुशासन व समर्पण की भावना से कार्य करने का संदेश दिया। खेल कोच बनवारी लाल जीतरवाल ने कहा कि इन बच्चों ने कठिन प्रशिक्षण व संघर्ष के बाद यह मुकाम हासिल किया है। अंत में सभी सम्मानित छात्रों ने मंच से अपनी भावनाएं साझा की और कहा कि वे देश की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रवण कुमार महला ने किया।

बर्थ-डे ब्लड डोनेशन ड्राइव अभियान के तहत किया रक्तदान

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। बर्थ-डे ब्लड डोनेशन ड्राईव अभियान के तहत 80 बार रक्तदान कर चुके नियमित रक्तदाता सन्नी शिवसिंहपुरा और 70 बार रक्तदान दान कर चुके महेंद्र जांगिड़ के जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरुवार को कल्याण मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पूर्व आईएएस अधिकारी ईश्वर सिंह राठौड़, ब्लड मोटीवेटर बीएल मील, ब्लड बैंक चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र सैनी, डॉ. सीमा शर्मा, ब्लड बैंक अधीक्षक सत्येंद्र कुड़ी ने शिरकत कर रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। एक शाम शहीदों के नाम के संयोजक चंद्र प्रकाश बिजारणिया ने बताया कि शिविर में युवा साथियों ने उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर भाग लेकर रक्तदान किया। संदीप भादवासी ने 18वीं बार रक्तदान किया। शिविर में ऋषभ शर्मा, संदीप बोयल, सुनील सेवदा, विनोद सर, शीशराम रुलानिया, रामस्वरूप सैनी, नवीन रणवा, सचिन मीणा सहित अनेक गणमान्य लोग व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया।

एबीवीपी के लंबे संघर्ष के बाद कॉलेज प्रशासन ने दी सहमति

फ्रेशर पार्टी की अनुमति देने पर विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। राजकीय कला महाविद्यालय कटराथल में लंबे समय से चली आ रही फ्रेशर पार्टी आयोजन की मांग आखिरकार निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के छात्र नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कई दिनों तक लगातार इस मुद्दे पर आवाज उठाई, ज्ञापन सौंपे और विभिन्न स्तरों पर प्रशासन से संवाद बनाए रखा। आखिरकार गुरुवार को हुई वार्ता में प्राचार्य ने इस पर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को लिखित में आश्वासन दे ही दिया। एबीवीपी के इकाई अध्यक्ष राजवीर सिंह राठौड़ के अनुसार नए विद्यार्थियों का स्वागत एक सकारात्मक व उत्साहपूर्ण वातावरण में होना चाहिए, जिससे उनकी कॉलेज यात्रा का आरंभ आत्मीयता व प्रेरणा के साथ हो सके। इसी उद्देश्य को लेकर फ्रेशर पार्टी आयोजित करने की मांग बार-बार प्रशासन के सामने रखी गई। वहीं दूसरी ओर कॉलेज प्रशासन की ओर से प्रारंभ में व्यवस्थाओं, बजट, सुरक्षा व अनुशासन के मद्देनजर कई बिंदुओं पर चर्चा की आवश्यकता जताई गई थी, लेकिन संगठन द्वारा शांतिपूर्ण व जिम्मेदारी पूर्वक अपनी मांग उठाने के बाद कॉलेज प्रशासन ने अंततः इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया। इकाई मंत्री लोकेश गुर्जर ने बताया कि कॉलेज प्रशासन और एबीवीपी प्रतिनिधियों के बीच कई दौर की बैठकों के बाद फ्रेशर पार्टी के आयोजन पर प्रारंभिक सहमति बन गई है। अब यह सहमति 8 दिसंबर को प्रस्तावित औपचारिक बैठक में अंतिम रूप लेगी। इस बैठक में आयोजन की तिथि, कार्यक्रम का स्वरूप, बजट, सुरक्षा प्रबंधन व अन्य सभी तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत निर्णय होने की संभावना है। दूसरी ओर कॉलेज प्रशासन ने भी यह स्पष्ट किया है कि संस्था छात्र हितों के प्रति संवेदनशील है।

सो रही 15 माह की बच्ची को जेसीबी ने कुचला, मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। धोद थाना क्षेत्र के शाहपुरा गांव में इंडियन ऑयल सब स्टेशन के निर्माण स्थल पर 15 महीने की बच्ची को जेसीबी से कुचल दिया। हादसे में बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची के माता-पिता उसे निर्माण स्थल के पास सुलाकर काम कर रहे थे। इसी दौरान एक जेसीबी ने बच्ची को कुचल दिया। अब शव को लोसल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों ने जेसीबी ड्राइवर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है। धोद थानाधिकारी अमर सिंह ने बताया कि शाहपुरा गांव में इंडियन ऑयल का सब स्टेशन बन रहा है। ऐसे में यहां पर वर्तमान में बिल्डिंग बनाई जा रही है। यहां पर मजदूरी करने के लिए मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले के ग्रामीण इलाके से मजदूर आए हुए हैं, इनमें मजदूर उदयभान भी अपने परिवार के साथ आया हुआ है। धोद थानाधिकारी ने बताया कि उदयभान व उसकी पत्नी दोनों कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे थे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरदीन का पदभार समारोह कल

महानगर टाइम्स संवाददाता

जैसलमेर। जिला कांग्रेस कमेटी के नव मनोनीत जिलाध्यक्ष अमरदीन फकीर का पदभार ग्रहण समारोह शनिवार को कलाकार कॉलोनी स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में भव्य रूप से आयोजित होगा। जिलेभर में इस कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल है और कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में समारोह में पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। पदभार समारोह को जिले के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय बाद इतनी बड़ी संख्या में प्रदेश और संभाग स्तरीय नेतृत्व एक मंच पर एकत्र होने जा रहा है।

कॉलेज छात्राओं ने बाल विवाह रोकथाम की ली शपथ

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। सौ दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस और गायत्री सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीमाधोपुर में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल अधिकारिता विभाग सीकर की सहायक निदेशक डॉ. गार्गी शर्मा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति, उसके गंभीर दुष्परिणाम और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं को बाल विवाह रोकथाम की शपथ भी दिलाई गई, जिससे छात्राएं अपने समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए आगे आएं।

डॉ. गार्गी शर्मा ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सीकर को बाल विवाह मुक्त जिला बनाना है। हमारे निरंतर प्रयासों और जागरूकता कार्यक्रमों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सांवरमल जाट, वरिष्ठ सहायक श्रवण कुमार, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. सुवालाल, डॉ. सुमन, डॉ. प्रेमचंद सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इनके अलावा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस व गायत्री सेवा संस्थान की ओर से जिला समन्वयक नरेश कुमार सैनी, फील्ड कोऑर्डिनेटर अभिषेक बगड़िया, मीना कुमारी व जितेंद्र नाथावतपुरा सक्रिय रूप से शामिल रहे।

पंद्रह सौ श्रद्धालुओं ने खुलवाया राम नाम बैंक में खाता

पूर्णिमा पर उमड़े श्रद्धालुः पंद्रह हजार ने लगाई साढ़े सात लाख परिक्रमा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। गोविंद देवजी मंदिर के पूर्व महंत श्रील गोस्वामीपाद प्रद्युम्न कुमार जीऊ की पुण्य स्मृति में गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग भवन में चल रही साढ़े सत्रह अरब हस्त लिखित राम नाम मंत्र की परिक्रमा के दौरान गुरुवार को पूर्णिमा होने के कारण श्रद्धालु उमड़ पड़े। श्रद्धालुओं ने सुबह पांच से शाम सात बजे तक 11, 21, 51, 108 परिक्रमाएं की। परिक्रमा की गिनती के लिए श्रद्धालुओं ने माला और गैजेट का उपयोग किया। दोपहर 12 से पांच बजे तक भी परिक्रमा चलती रही।

परिक्रमा के दौरान अलग-अलग नजारे नजर आए। कई लोग परिवार सहित परिक्रमा करते नजर आए। झोटवाड़ा से आई शांतिदेवी अपनी पोती सौम्या का हाथ थामे परिक्रमा कर रही थी। बीस परिक्रमा करने के बाद थोड़ा विश्राम कर फिर परिक्रमा की। कई साधक स्तर के लोग गोमुखी लेकर राम नाम का जाप करते हुए परिक्रमा की। ज्यादातर लोगों ने 108 परिक्रमाएं की। सत्संग भवन में परिक्रमा के दौरान नाम संकीर्तन की स्वर लहरियां गूंजायमान रही।

दो हजार राम नाम मंत्र पुस्तिकाएं निशुल्क वितरित

गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि गुरुवार को करीब 15 हजार श्रद्धालुओं ने साढ़े सात लाख परिक्रमाएं की। करीब पंद्रह सौ लोगों ने राम नाम बैंक में अपना खाता खुलवाया। करीब दो हजार राम नाम मंत्र पुस्तिकाएं निशुल्क वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने रामनामआलय भवन और मंत्र पुस्तिकाओं के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहयोग भी दिया।

साढ़े सत्रह अरब मंत्रों के बंडलः रामनाम धन संग्रह बैंक के संस्थापक बाल कृष्ण पुरोहित ने बताया कि परिक्रमा के लिए सत्संग भवन में राम नाम लिखी पुस्तिकाओं के 700 बंडल रखवाए गए हैं। एक बंडल में एक हजार पुस्तिकाएं है। एक पुस्तिका में 25 हजार राम नाम लिखे हुए हैं। राम नाम धन संग्रह बैंक अजमेर में 135 अरब राम नाम संग्रहित है। अभी साढ़े सत्रह अरब राम नाम की परिक्रमा हो रही है।

गुरु कृपा ही मुक्ति का मार्ग : स्वामी गुरुशरणानंद

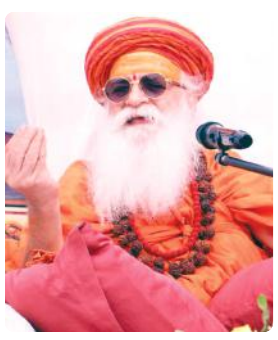

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। बलराम दास महाराज की 115वीं जयंती के उपलक्ष्य में बस्सी स्थित श्री बाबा जी की कुई बलराम आश्रम में चल रही श्री हनुमत कथा में दूसरे दिन गुरुवार को महामंडलेश्वर स्वामी गुरुशरणानंद महाराज सहित अनेक संतों का उन्होंने कहा कि गुरू की कृपा से शिष्य सब कुछ प्राप्त कर जाता है। गुरु कृपा ही मुक्ति का मार्ग है और यही सहज साधन है। गुरु की देह में भगवान ही अवतरित होते हैं। व्यासपीठ से कथावाचक आशीष व्यास ने हनुमान जी की अनेक लीलाओं का वर्णन किया।

ग्रह-गोचर : पद-प्रतिष्ठा और तरक्की के शुभ संकेत

शनि-सूर्य की युति से बनेगा शतांक योग, कई राशियों पर रहेगी मेहरबानी

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। शनि के मार्गी होने के बाद 7 दिसंबर को सूर्य और शनि के बीच 100 डिग्री की दूरी पर शतांक योग बनेगा। यह योग कई राशियों के भाग्य में बड़ा बदलाव ला सकता है। यह सफलता, पद-प्रतिष्ठा और तरक्की के शुभ संकेत दे रहा है। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि न्याय के कारक शनि सबसे धीमी गति से चले वाले ग्रह के रूप में जाने जाते हैं। यही कारण है कि इनका प्रभाव काफी लम्बे समय तक बना रहता है। 28 नवंबर को शनि मीन राशि में मार्गी हो चुके हैं। अब कर्मप्रधान शनि शतांक योग बनाने जा रहे हैं। 7 दिसंबर को सूर्य और शनि एक दूसरे से 100 डिग्री की दूरी पर होंगे जिस वजह से शतांक योग या सेंनटाइल का निर्माण होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य और शनि पिता पुत्र होने के बाद भी शत्रुता का भाव रखते हैं। शनि के 7 दिसंबर को मीन राशि में होने के बाद भी उनका अंश बम 0-6 के बीच में रहेगा, इसके परिणामस्वरूप शनि के प्रभाव हर राशि के जातकों के जीवन पर कुछ कम ही नजर आएगा। वहीं वृश्चिक राशि में विद्यमान सूर्य के साथ बना शतांक योग कई राशियों की किस्मत में बदलाव ला सकता है। इस योग के शुभ प्रभाव से कुछ राशियों को हर क्षेत्र में सफलता, पद-प्रतिष्ठा और तरक्की मिलने की प्रबल संभावना है।

कल बुध करेंगे वृश्चिक राशि में प्रवेश

शनिवार को रात 8ः 52 मिनट पर बुध मंगल की राशि वृश्चिक में प्रवेश करेंगे। इसके बाद वे 29 दिसंबर की सुबह 7ः27 मिनट तक इसी राशि में विराजमान रहेंगे। बुध का यह गोचर कई राशियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा तो कुछ राशियों को संभलकर चलने को मजबूर करेगा। इस दौरान बुद्धि, वाणी, व्यापार और लेन-देन से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी और समझदारी बरतना लाभकारी रहेगा।

इन राशियों पर रहेगी शनि महाराज की कृपा

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के पंचम भाव में शनि और लग्न भाव में सूर्य विराजमान हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को व्यापर, करियर, शिक्षा और आर्थिक क्षेत्र में काफी लाभ मिलने की संभावना नजर आ रही है। इस योग के प्रभाव से आय में वृद्धि देखने को मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ वेतन में वृद्धि के योग भी नजर आ रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र की बात करें तो मेहनत का शुभ परिणाम शीघ्र मिल सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह योग लाभ देने वाला रहेगा।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों की कुंडली के दूसरे भाव में शनि और दशम भाव में सूर्य विराजमान रहेंगे। ऐसे में इस राशि के जातकों को अचानक धन लाभ होने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप बचत करने में भी सफल हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र की बात करें तो अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे और आपकी पदोन्नति का योग भी हो सकता है। शनि आपकी राशि का स्वामी ग्रह है और इस वजह से आपकी वाणी प्रभाव डालने में सफल होगी। लोग आपकी बात से न सिर्फ प्रभावित होंगे बल्कि आपका सम्मान भी करेंगे। बैंक-बैलेंस में भी वृद्धि होने की संभावना है। इसके साथ ही मानसिक तनाव से भी मिल सकती है।

मीन राशि : मीन राशि के जातकों की कुंडली में शनि लग्न भाव में और सूर्य नवम भाव में विराजमान है। मीन राशि के जातकों का भाग्य पूरा साथ देगा। आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपके नेतृत्व गुण से प्रभावित होकर अधिकारी आपकी सराहना करेंगे। साथ ही आपके वेतन में भी वृद्धि हो सकती है। इस दौरान आपका झुकाव अध्यात्म की ओर होगा और साथ ही आप धार्मिक कार्यों में भी पूरे दिल से हिस्सा ले सकते हैं। विदेश में उच्च शिक्षा की चाह रखने वाले छात्रों को भी सफलता मिल सकती है। अपने परिवार और मित्रों का पूरा सहयोग मिलने की संभावना है।

फाल्गुन उत्सव के लिए गणेशजी को निमंत्रण

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। श्री श्याम गोसेवा समिति के फाल्गुन उत्सव के लिए मोती डूंगरी गणेशजी को निमंत्रण दिया गया। समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार टेलर ने बताया कि 25 फरवरी को रींगस भैरु जी मोड़ श्री श्याम होटल के सामने एक दिवसीय रंग रंगीला फाल्गुन उत्सव मनाया जाएगा। समिति के अशोक प्रजापत, संजय कुमार मीणा, हनुमान सहाय लुगरिया, विष्णु शर्मा, सुनील कुमावत, गणेश बैरवा, किशोर लाल बैरवा, अरुण शर्मा, रामफूल बैरवा सहित अन्य ने गणेश जी महाराज से आयोजन निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की। गणेश निमंत्रण के साथ पोस्टर का विमोचन किया।

स्वामी भगत प्रकाश महाराज ने गंगाराम साहिब ट्रस्ट के कैलेंडर का किया विमोचन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। आदर्श नगर के गीता भवन में सन्त गंगाराम साहिब सिरेवाल (सिन्ध) वालों का दो दिवसीय वर्सी 27 व 28 फरवरी को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। उत्सव के उपलक्ष्य में 27 फरवरी को श्री अमरापुर स्थान के संत मोनू राम महाराज एवं संत मंडल द्वारा ध्वजा वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। स्वामी भगत प्रकाश महाराज ने कार्यक्रम के वार्षिक कलैंडर का विमोचन किया। विमोचन के अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य नन्द लाल गंगवानी, हेमनदास रामचन्दानी, भगवान दास, अशोक कुमार, महेंद्र आदि उपस्थित रहे।

नेहरु नगर गुरुद्वारे में सजा कीर्तन दरबार

प्रभ जीउ खसमाना करि पिआरे, बुरे भले हम थारे...

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। नवीं पातशाही श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, भाई मती दास, भाई सती दास, भाई दयाला के 350 साला शहीदी शताब्दी को समर्पित नेहरुनगर स्थित गुरुद्वारा में रहरास साहिब के पाठ के बाद भाई मनदीप सिंह ने कीर्तन किया गया। गुरुद्वारा के प्रधान सरदार हरचरण सिंह ने बताया कि रात को ही एक विशेष कीर्तन दीवान सजाया गया जिसमें भाई जगजीत सिंह बबीहा, दिल्ली वाले ने प्रभ जीउ खसमाना करि पिआरे, बुरे भले हम थारे... मिठ बोलड़ा जी हर सजण सुआमी मोरा..., ऐसी लाग तुझ बिन कौन करे...जैसे शबद और भजन से संगत को निहाल किया।

छठे महान गुरमत समागम की घोषणा

गुरुद्वारा के सचिव सरदार गुरमीत सिंह ने बताया कि 23, 24, 25 जनवरी, 2026 को छठा महान गुरमत समागम का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाई रविन्द्र सिंह, भाई सुरेंद्र सिंह नछत्तर सिंह, भाई निर्भय सिंह एवं भाई हरजीत सिंह, हजुरी रागी श्री दरबार साहिब अमृतसर और अन्य रागी जत्थे, कथावाचक इस समागम में शिरकत करेंगे।

शर्मा प्रेस परिषद के सदस्य मनोनीत

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। भारत सरकार ने भारतीय प्रेस परिषद का पुनर्गठन करते हुए वरिष्ठ पत्रकार बी.एम. शर्मा को तीन वर्ष के लिए भारतीय प्रेस परिषद का सदस्य मनोनीत किया है। शर्मा तीसरी बार प्रेस परिषद के सदस्य मनोनीत हुए हैं। केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन (राजपत्र) में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार बी.एम. शर्मा को छोटे समाचार पत्रों के प्रतिनिधि के बतौर भारतीय प्रेस परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया है। परिषद में बड़े, मध्यम एवं छोटे समाचार पत्रों के छह सदस्यों को तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा नाम निर्देशित तीन सदस्यों को मनोनीत किया गया है।

प्रताप गौरव केंद्र में राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा का शुभारंभ

व्यक्तित्व-चरित्र को उत्कृष्ट बनाता है साहित्य : दत्तात्रेय होसबाले

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। उदयपुर के प्रताप गौरव केंद्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' में को राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने साहित्य की समाज-निर्माण में भूमिका पर विशेष जोर दिया। होसबाले ने कहा कि साहित्य केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि वह माध्यम है जो व्यक्ति को जीवन की सार्थकता का बोध कराता है और समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि देश, धर्म और समाज के प्रति समर्पण की भावना से युक्त साहित्य व्यक्ति के व्यक्तित्व और चरित्र दोनों को उत्कृष्ट बनाता है। प्रताप गौरव केंद्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि केंद्र के भामाशाह विक्रय केंद्र में ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से यह साहित्य दीर्घा स्थापित की गई है। यह दीर्घा अब नियमित रूप से पाठकों के लिए खुली रहेगी और राष्ट्रीय चिंतन को समर्पित साहित्य सहज उपलब्ध कराएगी।

उद्घाटन समारोह में अखिल भारतीय सह-प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, सामाजिक सद्भाव प्रमुख बलिराम, प्रांत संघचालक एडवोकेट जगदीश राणा, सहकार्यवाह नारायण गमेती सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष प्रो. भगवतीप्रकाश शर्मा, महामंत्री पवन शर्मा और कोषाध्यक्ष अशोक पुरोहित भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

किसान जागृति यात्रा का शुभारंभ

देसी गाय घर की डॉक्टर, पेड़-पौधे दवाइयां : शंकर लाल

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। भारतीय किसान संघ के तत्वावधान में किसान जागृति यात्रा का शुभारंभ ग्राम कानोता तहसील सुजानगढ़ से हुआ। संघ के वरिष्ठ प्रचारक शंकर लाल, राष्ट्रीय गौ संवर्धन संरक्षक कानपुरी महाराज, संघ प्रचारक सतीश कुमार, भारतीय किसान संघ के प्रांत महामंत्री सांवरमल सोलेट, प्रांत मंत्री श्रीचंद सिद्ध, प्रांत की महिला प्रमुख मनीता स्वामी, प्रांत संगठन मंत्री नीरज कुमार एवं जिला अध्यक्ष मुकेश रामपुरा ने भगवा झंडी दिखाकर रथ यात्रा को रवाना किया। सर्वप्रथम कानोता गांव में हवन यज्ञ किया गया। भारतीय किसान संघ का झंडा रोहण के साथ रथ में विराजमान भगवान श्री बलराम की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्जवल कर आरती की। मंच पर सभी अतिथियों का सम्मान भारतीय किसान संघ का दुपट्टा एवं साफा बांधकर किया गया मुख्य वक्ता संघ प्रचारक शंकर लाल ने कि उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, नीचे चाकरी के बारे में गोचर भूमि गांव में अतिक्रमण मुक्त हो। विलायती बबूल हटाई जाए, गोचर भूमि तारबंदी करी जाए, गौ आधारित खेती, गोमूत्र एवं गौ उत्पादन का उपयोग किसान ही कर सकता है और करवा सकता है। देसी गाय घर का डॉक्टर होता है और घर में पेड़- पौधे दवाइयां होती हैं।

कानपुरी महाराज ने कहा नदियों को जोड़कर पानी लाने का प्रयास होना चाहिए। सोलर प्लांट के लिए पेड़ काटे जा रहे हैं यह ठीक नहीं है। इस पर सरकार व्यवस्था बनाएं। पेड़ नहीं काटने चाहिए। प्रांत महामंत्री सांवरमल सॉलेट ने दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन परिचय दिया। पृथ्वी सिंह आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजगढ़, रतनगढ़, सरदारशहर, भानीपुरा, चूरू, सिधमुख, तारानगर, सालासर, सुजानगढ़ तहसील के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

औषधीय पौधों के मध्य बैठकर देंगे आहुतियां

मुरलीपुरा की नवदुर्गा वाटिका में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ 7 को

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से मुरलीपुरा की शंकर विहार कॉलोनी स्थित नव दुर्गा वाटिका (पार्क) में रविवार, 7 दिसंबर को मां दुर्गा की नौ प्रतिमाओं और नव दुर्गा से जुड़े नौ औषधीय पौधों के मध्य पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ के पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक परीक्षण भी किया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़, गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा, शंकर विहार कॉलोनी विकास समिति, रामेश्वरधाम कॉलोनी विकास समिति, विकासनगर विकास समिति, देवधारा कॉलोनी विकास समिति सहित अनेक संस्थाओं की ओर से महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर है। गुरुवार को लक्ष्मी नारायण मंदिर और राधा कृष्ण शिव मंदिर में श्रद्धालुओं को आयोजन के पत्रक देकर यज्ञ में शामिल होने का आंमत्रण दिया गया।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ से पूर्व शनिवार को पतजंलि किसान सेवा समिति और उत्थान सेवा समिति की ओर से सुबह सात बजे योग-यज्ञ जन जागरण और नशा मुक्ति रैली निकाली जाएगी। शाम पांच बजे नव दुर्गा की सैकड़ों दीपकों से महाआरती की जाएगी। रविवार सुबह नौ बजे शहीदों के परिजन दीप प्रज्जवलित कर गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ करेंगे। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ संपन्न कराएंगी। यज्ञ के दौरान औषधीय पौधों का पूजन किया जाएगा। यज्ञ निशुल्क है। किसी को कोई सामग्री लाने की आवश्यक्ता नहीं है।

ज्योति कलश यात्रा के सहयोगियों का होगा सम्मान

गायत्री परिवार की संस्थापक भगवती देवी शर्मा की अगले वर्ष मनाए जाने वाली जन्म शताब्दी वर्ष और अखंड दीपक शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मुरलीपुरा में गत वर्ष निकाली गई ज्योति कलश यात्रा में सहयोग करने वाले लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

ये पौधे लगाए हुए हैं

पर्यावरणविद् एवं पर्यावरण समिति के प्रांत संयोजक अशोक कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में मुरलीपुरा के इस पार्क में नवदुर्गा की तर्ज पर नव औषधीय पौधे हरड़, ब्राह्मी, चाद्सुर, पेठा, अलसी मोइया, नागदोन, तुलसी, शतावरी के नौ औषधीय पौधे लगाए गए। लोग इन औषधीय पौधों के चारों ओर घूमकर इसका लाभ उठाते हैं।

सबसे निचले पायदान पर हमारा रुपया!

बिगड़ जाएगा किचन से लेकर एजुकेशन तक का समूचा बजट

3 दिसंबर का दिन भारतीय रुपए के लिए बड़ा अमंगलकारी साबित हुआ है। शुरुआती कारोबार में भारतीय मुद्रा रुपया यूएस डॉलर के मुकाबले 90.14 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। हैरानी की बात है कि यह इतने दिनों में तीसरा रिकॉर्ड निचला स्तर है। रुपए की कमजोरी के चलते शेयर बाजार में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। रुपए में गिरावट सरकार के साथ-साथ आम आदमी के लिए बड़ी चिंता की बात है, क्योंकि रुपए के गिरने से बहुत से नुकसान होते हैं जो आम आदमी के निवेश से लेकर अन्य कामों पर असर डालते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो भारतीय रुपए में कमजोरी या गिरावट विदेशों से आयात होने वाले सामानों की लागत को बढ़ाती है, इससे महंगाई बढ़ती है। इसके अलावा लोन और विदेशी शिक्षा महंगी हो जाती है। इतना ही नहीं रुपए की गिरावट आम आदमी के निवेश और बचत को भी प्रभावित करती है। यहां यह भी ध्यान में रहना चाहिए कि भारत पेट्रोल-डीजल समेत कई जरूरी वस्तुओं का आयात करता है यानी विदेशों से ये सामान मंगाता है। चूंकि, विदेशों से होने वाले व्यापार का भुगतान डॉलर में किया जाता है इसलिए रुपए के कमजोर होने और डॉलर के मजबूत होने से आयातित वस्तुओं के लिए ज्यादा भुगतान करना पड़ता है। ऐसे में वैश्विक बाजारों में इन वस्तुओं को खरीदने के लिए ज्यादा रुपए की जरूरत होती है, और इस अतिरिक्त लागत से इन सामानों की कीमतें बढ़ जाती और आम आदमी को महंगे दामों पर मिलती है। इन प्रमुख सामानों में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस समेत अन्य चीजें शामिल हैं। रुपए में गिरावट के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता वस्तुएं काफी महंगी हो जाती हैं क्योंकि ज्यादातर उपकरण आयातित पुर्जों पर निर्भर करते हैं, जैसे सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले और प्रोसेसर, जिनकी कीमत डॉलर में होती है। यह स्थिति कंपनियों को हर तरह की चीजों की कीमतें बढ़ाने पर मजबूर करती है, जिसका असर प्रीमियम गैजेट्स से लेकर एलईडी बल्ब और रसोई के उपकरणों जैसे बुनियादी उपकरणों तक, हर चीज पर पड़ता है। रुपए की गिरावट शेयर बाजार के लिए मिलीजुली रहती है क्योंकि आईटी और फार्मा कंपनीज, जो ज्यादातर सामान व सर्विसेज निर्यात करती हैं उन्हें लाभ पहुंचता, क्योंकि उन्हें पेमेंट डॉलर में होता है। वहीं, वे उद्योग व इंडस्ट्रीज जिनकी निर्भरता आयात पर होती है उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, रुपए की गिरावट से फरिन में एजुकेशन महंगी हो जाती है। वहीं, कमजोर रुपया आमतौर पर आरबीआई को ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर विचार करने और दरों में कटौती से बचने के लिए प्रेरित करता है, जिससे बैंक लोन सस्ते नहीं बल्कि महंगे हो जाते हैं। पिछले कई दिनों से घरेलू शेयर बाजार में अनिश्चितता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर असमंजस के बीच भारतीय मुद्रा भी कमजोर हो रही है। रुपया बुधवार को पच्चीस पैसे टूट कर 90.21 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया था। पिछले पांच दिनों से यह गिरावट देखी जा रही है। सवाल है कि डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा का मूल्य क्यों गिरता जा रहा है! यह निराशाजनक है कि दुनिया के प्रमुख देशों की मुद्रा की तुलना में रुपया कमजोर होता चला जा रहा है। इसकी बड़ी वजह डॉलर की बढ़ती मांग के साथ विदेशी निवेशकों की शेयर बाजार से मुनाफावसूली भी मानी जा रही है। इसके अलावा इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने का भी रुपए पर प्रतिकूल असर पड़ा है। मगर सवाल है कि भारतीय रिजर्व बैंक रुपए को संभालने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम क्यों नहीं उठा पा रहा है! इसमें कोई दोराय नहीं है कि अमेरिकी शुल्क की घोषणा के बाद से विदेशी निवेश का प्रवाह कम हुआ है और इसका असर घरेलू शेयर बाजार भी पड़ा है। मगर ऐसा लगता है कि सरकार इस स्थिति को शायद गंभीरता से नहीं ले रही है। दूसरी ओर, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन का मानना है कि भारतीय मुद्रा में गिरावट चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि इसका महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। उन्होंने अगले वर्ष की शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपए में सुधार की उम्मीद जताई है। मगर अभी जिस हिसाब से भारतीय मुद्रा में गिरावट का सिलसिला जारी है, उसमें कितना और कैसे सुधार होगा, फिलहाल इसकी कोई साफ तस्वीर नजर नहीं आ रही है। इस सबके बीच सबसे गंभीर सवाल यह है कि बाजार में नरमी के बीच निवेशकों की जो आशंकाएं है, उन्हें कौन दूर करेगा! जाहिर है कि इस सूरत में रिजर्व बैंक को रुपए के समर्थन में मजबूती से हस्तक्षेप करना होगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होने के बाद भी रुपए में गिरावट थमेगी या नहीं, यह कहना अभी मुश्किल है। रुपया और कमजोर न हो, इसके लिए अब सभी स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है। चिंता की वजह स्पष्ट है क्योंकि भारतीय रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 28 पैसे टूटकर अब तक के रिकॉर्ड निचले स्तर 90.43 पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली, आयातकों की डॉलर मांग और रिजर्व बैंक के सीमित हस्तक्षेप ने घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ाया है। बाजार की घटत-बढ़त पर गौर करें तो इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.36 पर खुला। कुछ ही देर में यह 90.43 प्रति डॉलर पर गिर गया – जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले बुधवार को पहली बार रुपया 90 के पार गया था और 90.15 पर बंद हुआ था। फॉरेक्स ट्रेडर्स के अनुसार, आरबीआई ने एमपीसी बैठक से पहले बाजार में बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप नहीं किया है, जिसके कारण दबाव और बढ़ा। वैश्विक संकेतों को देखा जाए तो डॉलर इंडेक्स 0.14फीसदी बढ़कर 98.99 पर। ब्रेंट क्रूड 0.49फीसदी बढ़कर 62.98 डॉलर प्रति बैरल। अंतरराष्ट्रीय व्यापार तनाव ने भी बाजारों में सतर्कता बढ़ाई है। फिनरेक्स ट्रेजरी के अनिल कुमार भंसाली का कहना है कि व्यापार समझौता होने तक रुपया 91 के स्तर की ओर भी बढ़ सकता है। क्रॉस-करेंसी उतार-चढ़ाव के बीच अब 5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर बाजार की नजरें हैं।

रुपए में गिरावट सरकार के साथ-साथ आम आदमी के लिए बड़ी चिंता की बात है, क्योंकि रुपए के गिरने से बहुत से नुकसान होते हैं जो आम आदमी के निवेश से लेकर अन्य कामों पर असर डालते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो भारतीय रुपए में कमजोरी या गिरावट विदेशों से आयात होने वाले सामानों की लागत को बढ़ाती है, इससे महंगाई बढ़ती है। इसके अलावा लोन और विदेशी शिक्षा महंगी हो जाती है। इतना ही नहीं रुपए की गिरावट आम आदमी के निवेश और बचत को भी प्रभावित करती है। चिंता की वजह स्पष्ट है क्योंकि भारतीय रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 28 पैसे टूटकर अब तक के रिकॉर्ड निचले स्तर 90.43 पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष

जागरण से परिवर्तन

विजय कुमार, वरिष्ठ प्रचारक, रा.स्व.संघ

भारत धर्मप्राण देश है। विदेशी और विधर्मियों के हमले से विश्व की अधिकांश सभ्यताएं नष्ट हो गईं, पर हमें धर्म ने बचा लिया। यद्यपि कई जगह थोथे कर्मकांड, छुआछूत और ऊंच-नीच का दुष्परिणाम कन्वर्जन और देश-विभाजन में हुआ। अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने धर्म जागरण के व्यावहारिक काम हाथ में लिए। इससे कन्वर्जन की बजाए परावर्तन और घरवापसी होने लगी। इसमें विश्व हिंदू परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम, सेवा भारती, विद्या भारती आदि का विशेष योगदान है।

सेवा और शिक्षण केंद्र

आजादी के बाद बनी सरकार की सोच में धर्म गौण था। अतः मिशनरियों ने सेवा के नाम पर हजारों गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) बनाकर ईसाईकरण की गति बढ़ा दी। पैसे की वहां कोई कमी नहीं थी। इससे पूर्वोत्तर भारत विशेष प्रभावित हुआ। अतः संघ-प्रेरित संस्थाओं ने वहां चिकित्सालय, छात्रावास, विद्यालय आदि शुरू किए। देश के सभी राज्यों में वहां के छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास बनाए गए। इससे नई पीढ़ी में देशप्रेम जाग्रत हुआ और वातावरण बदला।

अंग्रेजों ने स्थानीय जनजातियों को कहा, 'वे प्रकृति-पूजक हैं, हिंदू नहीं, क्योंकि हिंदू से अलग होने पर उनका कन्वर्जन सरल हो जाता था।' विश्व हिंदू परिषद ने रानी मां गाइदिन्ल्यू, एन.सी.जेलियांग, हिप्सन राय, एच.अंडरसन मावरी, तालुम रुकबो, गेगांग अपांग, नीलवीर शास्त्री, कुंभकुमार होजाई, रामकुई वांगदे नेउमे, अविनाश ब्रह्म आदि को हिंदू सम्मेलनों में बुलाया। वहां विराट हिंदू शक्ति के दर्शन से उनकी सोच बदली। उनके नेतृत्व में ही फिर हजारों सेवा और शिक्षण केंद्र शुरू हुए।

यद्यपि यह सरल नहीं था। कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई; पर बाकी डटे रहे। इसका सुफल शीघ्र सामने आया। मिशन वाले जनजातियों की भाषा, बोली, परंपरा, पूजा-पद्धति आदि मिटाकर उन्हें अंग्रेजी भाषा, रोमन लिपि और बाइबिल थमा देते हैं, जबकि संघ उन्हें सुदृढ़ करता है। इससे प्रभावित होकर कई जगह उग्रवादियों और ईसाई नेताओं ने भी अपने बच्चों को इन विद्यालयों में डाला है। मिशन वाले चाहते थे कि जो दलित हिंदू ईसाई होकर चर्च से सुविधा ले रहे हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ भी पूर्ववत मिले। ऐसा होने से लाखों हिंदू ईसाई बन जाते; पर संघ ने यह षड्यंत्र विफल कर दिया। संघ-प्रेरित संस्थाओं के प्रयास से कई जगह चर्च या बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा कब्जाई गई जमीन खाली हुई तथा वहां मंदिर, श्मशान, मकान, बाजार आदि बने। कई जगह मुकदमे और झगड़े भी हुए। धार्मिक कार्यक्रमों से आई जागृति के चलते कई विदेशी मिशनरियों को देश छोड़ना पड़ा।

घटीं दूरियां

इधर पेट्रो डॉलर के बल पर मुस्लिम गतिविधियां भी बढ़ रही थीं। छिटपुट कन्वर्जन तो होते ही थे; पर अब सामूहिक कन्चर्जन से भय पैदा किया गया। पहला प्रयोग 19 फरवरी, 1981 को तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम् में हुआ। इससे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी चिंतित हुईं। उनके संकेत पर संघ के साथ डॉ. कर्णसिंह सक्रिय हुए और दिल्ली में 'विराट हिंदू समाज' नामक कार्यक्रम हुआ। इसके बाद तो हर राज्य और जिले में ऐसे आयोजन हुए। इनमें बड़े संतों के साथ हर जिले, नगर, वर्ग और क्षेत्र में प्रभावी संत भी आए। इन आयोजनों से हिंदुओं की जातीय दूरियां घटीं। पंजाब में खालिस्तानी आंदोलन के दौर में हुए सम्मेलनों से वहां की सांझी विरासत मजबूत हुई। इसी दौरान स्वयंसेवकों के भी महाशिविर तथा सम्मेलन हुए। इनमें बेंगलूरु, पुणे, मंगलुरू, हैदराबाद, करनाल, लखनऊ, आगरा, मेरठ, लुधियाना आदि के कार्यक्रम विशेष रहे।

शासन प्रायः मिशनरी तथा मजहब परस्त मौलवियों के देशविरोधी कामों पर ध्यान नहीं देता; पर अब कई राज्यों में कानून द्वारा कन्वर्जन, चंगाई सभा तथा मजहबी सम्मेलनों पर रोक लगी है। सेवा भारती के प्रकल्पों से भी हिंदू जागरण की गति बढ़ी है। जहां जैसी जरूरत, वैसे काम उन्होंने शुरू किए हैं। दिल्ली में मुले जाटों तथा गाड़िया लुहारों के बीच काम हो रहा है। कश्मीर से विस्थापित हिंदुओं के साथ ही वहां आतंक से पीड़ित मुस्लिम बच्चों के लिए भी छात्रावास चलाए जा रहे हैं। महिलाओं के सैकड़ों 'स्व सहायता समूह' संचालित हो रहे हैं। 1997 में ओडिशा के ब्रह्मबराठ में विशाल इस्लामिक सम्मेलन हुआ। क्योंकि मांस भोज से पर्यावरण को हानि होती है, अतः हिंदुओं के विरोध पर वहां शाकाहारी भोजन ही बना।

सुखद परिवर्तन

पूर्वोत्तर के चाय बागानों में काम के लिए अंग्रेज विभिन्न राज्यों से हजारों जनजातीय श्रमिकों को लाए। उनकी बस्तियों में चर्च तो बने, पर मंदिर नहीं। अतः हिंदू रीति से विवाह के बिना ही स्त्री और पुरुष एक साथ रहने लगे। कई पीढ़ियां ऐसे ही बीतने से अनेक समस्याएं पैदा हुईं। उनके बच्चों को कानूनी मान्यता नहीं मिलती थी। अतः सेवा भारती ने सामूहिक विवाह कराये। तीन-तीन पीढ़ियों के विवाह एक साथ हुए। ऐसे हजारों विवाह अब तक हो चुके हैं। देश की कई धार्मिक संस्थाएं इसमें सहयोग करती हैं।

परिवार समाज की महत्वपूर्ण इकाई है; पर बढ़ते आर्थिक दबाव तथा आधुनिकता से इसे चोट पहुंची है। 'परिवार प्रबोधन' कार्यक्रमों से इनमें संतुलन के प्रयास हो रहे हैं। घर में प्रतिदिन सामूहिक भोजन तथा साप्ताहिक पूजा से माहौल में सुखद परिवर्तन होते हैं। संयुक्त परिवारों का सम्मान तथा नवयुगल को कुछ दिन उनके साथ रहने जैसे प्रयोग भी किए गए हैं।

विदेश में प्रभाव

धर्म जागरण का प्रभाव विदेशों में भी है। रोजगार हेतु गए स्वयंसेवकों ने वहां भी शाखाएं खोली हैं। केन्या में 'भारतीय स्वयंसेवक संघ' तथा 'हिंदू काउंसिल आफ केन्या' ने संकट में हिंदुओं की रक्षा की। अब वहां विद्यालयों में हिंदू ग्रंथों को स्थान मिला है तथा दीपावली की सरकारी छुट्टी होती है। 1971 में युगांडा से जब तानाशाह शासक ईदी अमीन ने एशिया वालों को निकाला, तो केन्या के हिंदुओं ने ही उन्हें सहारा दिया।

मॉरीशस में हिंदू स्वयंसेवक संघ के प्रयास से 'गंगा तालाब' तीर्थ बन गया है। त्रिनिदाद के मंदिरों में धार्मिक संस्कार होने लगे हैं। इससे कन्वर्जन रुका है। जुलाई, 1996 में गुयाना, सूरीनाम और जमैका में 'केरेबियन हिंदू परिषद' बनी। म्यांमार में एक प्रचारक द्वारा भगवान बुद्ध पर बनाई प्रदर्शिनी से सरकार प्रभावित हुई और 'सनातन धर्म स्वयंसेवक संघ' का गठन हुआ। मुस्लिम देश मलेशिया में 'हिंदू सेवई संगम' युवा शिविर लगाता है। नेपाल में 'मातृभूमि स्वयंसेवक संघ' तथा इंग्लैंड और अमेरिका में 'हिंदू स्वयंसेवक संघ' है। इंग्लैंड में 'हिंदू मैराथन' से भारत के सेवा कार्यों के लिए धन जुटाते हैं। कई देशों में संस्कृत और वैदिक गणित की कक्षाएं भी लगती हैं।

संवेदनशील होने के कारण स्वयंसेवक हर संकट में सहयोग करते हैं। अतः स्थानीय शासन भी उनका सम्मान करता है। वहां के शिविर, प्रशिक्षण वर्ग तथा हिंदू सम्मेलनों में भारत से संघ, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्र सेविका समिति, सेवा इंटरनेशनल, फ्रैंड्स आफ इंडिया सोसायटी इंटरनेशनल आदि के कार्यकर्ता जाते हैं। मीडिया उनके साक्षात्कार प्रचारित करता है। अब तो विदेश से भी कई प्रचारक तथा पूर्णकालिक कार्यकर्ता बने हैं। कई जगह 'हिंदू छात्र परिषद' भी बनी है। इंडोनेशिया, डेनमार्क, जर्मनी, कनाडा, हालैंड, फिजी आदि में भी काम है। संघ का 'विश्व विभाग' इनमें समन्वय करता है। हर पांचवें साल भारत में होने वाले 'विश्व संघ शिविर' में सैकड़ों स्वयंसेवक सपरिवार आते हैं। अभी तक विदेशों में हिंदू जाति, भाषा और राज्य के आधार पर संगठित थे; पर अब वे हिंदू के नाते भी साथ आने लगे हैं। यह संघ की बड़ी उपलब्धि है।

लोकतांत्रिक दायरे में ही हो नागरिकों की निगरानी

राहुल मथान, साइबर विशेषज्ञ

साल 2011 में अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो ने टिमोथी कारपेंटर को मिशिगन व ओहायो में हुई कई हथियारबंद डकैतियों का सरगना बताया। सुबूत इकट्ठा करने के लिए किसी सर्च वारंट के बजाए ब्यूरो ने अदालत से एक ऐसा ऑर्डर लिया, जिससे कारपेंटर के मोबाइल ऑपरेटर को सेल-साइट लोकेशन डाटा देने को बाध्य किया जा सके। इस डाटा को पाने के बाद ब्यूरो ने कारपेंटर के डिजिटल इतिहास को खंगाला, जिससे करीब 12,898 अलग-अलग लोकेशन प्वॉइंट का पता चला और इस तरह गुजरे चार महीने की उसकी हरकतों के तमाम तार जुड़ गए।

जाहिर है, हमारे द्वारा छोड़े गए डिजिटल निशान ने कानूनी जांच एजेंसियों को अपराधों की जांच के नए तरीके मुहैया कराए हैं। स्थान की जानकारी (जैसा कारपेंटर मामले में दिखा) के अलावा, जांच-पड़ताल करने वाली एजेंसियां मोबाइल संदेशों और डिजिटल भुगतान जैसे अन्य डाटा स्रोतों तक भी पहुंच सकती हैं, जिससे उन आपराधिक गतिविधियों का भी पता लगाया जा सकता है, जो अन्यथा पकड़ में नहीं आ सकतीं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने 'इन्वेस्टिगेटरी पावर्स ऐक्ट' के तहत हाल ही में मोबाइल फोन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया है कि अनुरोध करने पर वे उपयोगकर्ता के डाटा को 'डिस्क्रिप्ट' करेंगी। इसके कारण निर्माताओं को ब्रिटेन में बेचे जाने वाले फोन में एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन को कमजोर करना पड़ा। फ्रांस की सीनेट ने भी अपने जस्टिल बिल में संशोधन किया है, जिसके तहत मैसेज सुविधा देने वाले मंचों को तकनीकी रूप से ऐसा एक दरवाजा बनाना होगा, ताकि जांच-प्रक्रिया के दौरान पुलिस एन्क्रिप्टेड मैसेज पढ़ सके।

हालांकि, तकनीक का हर मुमकिन लाभ उठाने के इन प्रयासों को अदालतों में कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जब कारपेंटर का मामला अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, तो प्रधान न्यायाधीश रॉबर्ट्स ने बिना वारंट जब्ती को असांविधानिक बताया। ब्रिटेन और फ्रांस की हालिया पहल पर अदालतों का फैसला आना अभी बाकी है। वैसे,

यूरोपीय न्यायालय ने पहले ही उन कानूनों को अमान्य करार दे दिया है, जिनमें दूरसंचार कंपनियों के लिए अपने सभी उपयोगकर्ताओं का मेटाडाटा रखना जरूरी बनाया गया था। भारत भी अपवाद नहीं है। पश्चिम जैसी सांविधानिक चिंताएं यहां भी उभरकर सामने आ रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) के नियमों में संशोधन को अदालत में इस आधार पर चुनौती दी गई है कि इसका पालन करने के लिए मैसेजिंग कंपनियों को एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन खत्म करना होगा। इस संशोधन में अनुरोध किए जाने पर सोशल मीडिया के मंचों द्वारा 'सूचना के प्रथम स्रोत की पहचान जाहिर करने' को कहा गया है। इसी तरह, भारतीय कर अधिकारियों ने भुगतान एग्रीगेटर्स को नोटिस जारी करके उनको गैर-पंजीकृत व्यापारियों और संभावित कर चूककर्ताओं की पहचान करने के लिए यूपीआई लेन-देन का डाटा बताने का निर्देश दिया है।

इन दोनों प्रयासों को पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ मामले में आए फैसले के संदर्भ में देखा जाएगा। इसमें निजता को गरिमा, स्वतंत्रता और समानता से जुड़ा एक मौलिक अधिकार माना गया था। बेशक, कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए फोरेंसिक जांच के नए तरीके अपनाना संभव हो गया है, लेकिन इसे पूरी आबादी पर एक साथ लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि ज्यादातर लोकतंत्र अपने नागरिकों को निजता का अधिकार देते हैं। इसीलिए, अपराधी भले नई तकनीकी का फायदा उठाकर अपराध कर रहे हों, मगर कानूनी एजेंसियां ऐसे उपाय नहीं कर सकतीं, जो सांविधानिक गारंटियों को कमजोर करते हों।

इसके बजाए, उन्हें डिजिटल जमाने के हिसाब से फोरेंसिक उपकरण तैयार करने चाहिए। डिफरेंशियल प्राइवेसी, सिक्योर मल्टी-पार्टी कंप्यूटेशन व एनोमली-डिटेक्शन एल्गोरिदम जैसी तकनीक लोगों की पहचान उजागर किए बिना एकत्रित डाटा में पैटर्न का खुलासा कर सकती है। अगर इसमें किसी गड़बड़ी का शक हो, तभी एजेंसियों को निजी जानकारी मांगने की इजाजत मिलनी चाहिए। ये तरीके निस्संदेह पारंपरिक व्यवस्था से अलग हैं, पर ये सांविधानिक गारंटियों के अधिक करीब हैं।

राशिफल

आज दिनांक 5 दिसम्बर, 2025, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2082, पौष माह कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, रोहिणी नक्षत्र, बालव करण, सिद्ध योग, राहुकालः सुबह 10:57 से 12:17 बजे, सूर्योदय सुबह 6:58 बजे, सूर्यास्त सायं 5:36 बजे, चंद्रोदय सायं 5:57 बजे, चंद्रास्त सुबह 8:21 बजे, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:56 बजे से 12:38 बजे, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:22 से 6:10 बजे तक, चंद्रमा वृषभ राशि में संचार करेगा।

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा।

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नए आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

दांपत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा।

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा।

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है।

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं, जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिए जाते हैं।

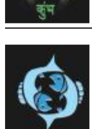

व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिए एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

लुटेरों से भेंट

प्रेरक प्रसंग

एक दिन जब सुदूर वन में त्रित अपनी गायों के साथ विचरण कर रहे थे, उन्हें सालावृकी नामक दैत्य के लुटेरे पुत्रों ने घेर लिया और कहा, 'ये गायें हमारी हैं। हम इन्हें ले जाएंगे।' इस प्रकार की घटना के लिए त्रित तैयार नहीं थे उन्होंने विनयपूर्वक कहा 'ऐसा मत कहो। ये गायें मेरी हैं, ये मेरे प्राणों के समान प्रिय हैं। इन्हें मुझसे दूर मत करो। मेरे प्राण निकल जाएंगे।' उनके मुंह से असहाय के समान निकलती बातों को सुनकर सालावृकी के लुटेरे पुत्र हंस पड़े। उन्हें आशा नहीं थी कि त्रित इस तरह असहाय होकर गिड़गिड़ाने लगेंगे, उनमें विरोध करने की क्षमता नहीं रहेगी।

वास्तव में डर तो उन लुटेरों के मन में था कि त्रित के तेज और पराक्रम से उन्हें लोहा लेना पड़ेगा, लेकिन आसक्ति और मोह के कारण जब त्रित आत्म-बल से रहित और बड़े कमजोर दिखे तो उन्हें और दुखी करने के लिए उनमें से एक ने गायों को निर्दयता से पीटना शुरू किया।

गायें रुदन करती हुई भागने लगीं। उन्हें घेर कर रखने के लिए दूसरों ने भी प्रहार किए। त्रित मर्माहत हो उठे। वह दीन-हीन की भांति बार-बार उन लुटेरों के आगे विनय करते रहे और उनकी दशा देखकर लुटेरे और अधिक उत्साहित होते गए।

अंत में लुटेरों ने त्रित को भी पकड़ लिया और उन्हें पास के एक कुएं में ढकेल दिया। त्रित का गोधन छिन चुका था और वे एक ऐसे कुएं में पड़े हुए थे जिसमें पानी नहीं था, उसमें चारों ओर अंधकार छाया हुआ था। उस कुएं की दीवार पर घासें, लताएं और पौधे उपजे होने के कारण उसमें सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंच पाता था। कुआं बहुत गहरा था। उसमें दुर्गंध भी फैली हुई थी।

सुडोकु 2112

		8				9	7	
		7		3				2
		3		8	4			
6			2					
			4				2	
	3				9	6		5
1			8					
	7			9				4
		5						9

संकेत: आड़े, खड़े व 3 गुणा 3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सुडोकु 2111 का हल

1	5	3	2	9	7	8	6	4
6	2	9	8	1	4	5	3	7
8	4	7	6	3	5	9	1	2
2	6	8	7	4	9	3	5	1
3	7	4	1	5	6	2	8	9
5	9	1	3	8	2	7	4	6
4	8	2	5	7	1	6	9	3
9	3	6	4	2	8	1	7	5
7	1	5	9	6	3	4	2	8

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पैनल अधिवक्ताओं व अधिकार मित्रों की सेमिनार का आयोजन

दिव्यांगों को अधिकारों और विधिक सलाह के प्रति किया जागरूक

महानगर टाइम्स संवाददाता

सवाई माधोपुर। अन्तरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम की ओर से जिला मुख्यालय के पैनल अधिवक्ताओं व अधिकार मित्रों के साथ सरस्वती विद्या आश्रम महाविद्यालय में एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने दिव्यांग व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों और मानसिक रूप से बीमार व बौद्धिक रूप से असक्षम व्यक्तियों के लिए विधिक सेवा (नालसा) योजना के तहत प्राप्त निशुल्क विधिक सलाह व सहायता की जानकारी दी गई।

इसके अलावा न्याय आपके द्वार लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ व त्वरित समाधान अभियान के माध्यम से जनउपयोगी सेवाओं जैसे बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता, स्वास्थ्य, बैंक, बीमा, वित्तीय सेवाओं, परिवहन सेवाओं से संबंधित शिकायतों के निवारण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली व क्रियाकलापों के संबंध में, पैनल अधिवक्ता तपेश जैन ने लोक अदालत व पीड़ित प्रतिकर योजना के संबंध में, पैनल अधिवक्ता नंदकिशोर बैरवा ने दिव्यांग बच्चों के अधिकारों, भेदभाव व गलत व्यवहार पर सजा के प्रावधान, नाबालिगों अपराध से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी।

इसी प्रकार डिप्टी एलएडीसी वीरेन्द्र सिंह राजावत व असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय सिंह राजावत ने विशेष रूप से असक्षम व्यक्तियों के लिए संचालित योजनाओं, दिव्यांग व्यक्तियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उन चुनौतियों को दूर करने के उपायों, नालसा हेल्पलाईन नंबर के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस दौरान महाविद्यालय स्टाफ ने महाविद्यालय के परिचय व क्रियाकलापों के संबंध में जानकारी दी और दिव्यांग बच्चों के कानूनी अधिकारों की प्रोजेक्टर पर वीडियो क्लिप का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने कविता वाचन, नुक्कड़ नाटक व मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन किया । इस दौरान दिव्यांग बच्चों ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

सवाई माधोपुर में सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र हुए ऑनलाइन

महानगर टाइम्स संवाददाता

सवाई माधोपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता गणना प्रपत्रों को डिजिटाइज करने का काम गुरुवार को पूरा हो गया है। जिले में कुल 10 लाख 54 हजार 322 गणना पत्र डिजिटाइज किए गए हैं। ऑनलाइन किए गए अधिकतर प्रपत्रों की वर्ष 2002 की पुरानी मतदाता सूचियों के साथ मिलान (मैपिंग) का कार्य भी पूरा हो चुका है। इस प्रकार एसआईआर के कार्य में सवाई माधोपुर प्रदेश के अग्रणी जिलों में है। जिला निर्वाचन अधिकारी कानाराम ने बताया कि इस कार्य में सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, सहायक अधिकारियों व कार्मिकों ने उत्साह व लगन के साथ भागीदारी की और मतदाताओं के ईएफ को ऑनलाइन और पुराने रिकॉर्ड से मिलान का कार्य पूरा कर लिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गंगापुर सिटी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 75 हजार 713 मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटाइज करने का काम पूरा हो गया। इस क्रम में गुरुवार तक शेष तीन विधानसभा क्षेत्रों बामनवास में 2 लाख 52 हजार 254, सवाई माधोपुर में 2 लाख 66 हजार 555 और खण्डार विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 59 हजार 800 मतदाता प्रपत्र ऑनलाइन किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी कानाराम ने एसआईआर के तहत कार्य का महत्वपूर्ण पहला चरण पूरा करने पर जिले के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, सहायक अधिकारियों सहित अधिकारियों-कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने चारों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी काम पूरा होने की उपलब्धि पर बधाई दी है।

रेलवे बीसीटी इंस्टीट्यूट के चुनाव के लिए भरा नामांकन

महानगर टाइम्स संवाददाता

अजमेर। रेलवे बीसीटी इंस्टीट्यूट की कार्यकारिणी समिति के चुनाव के लिए नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन और ऑल इंडिया एससी-एसटी एम्प्लॉइज एसोसिएशन के संयुक्त पैनल का नामांकन किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय में ढोल धमाकों के साथ नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन के मोहन चेलानी, राजीव शर्मा, जगदीश सिंह, विपुल सक्सेना, गजानंद मावर, कमलेश शर्मा, पुष्पेंद्र कुमार और ऑल इंडिया एससी-एसटी एम्प्लॉइज एसोसिएशन के विनोद चौहान, सीता राम मीना, रामजीलाल मीणा, हंसराज मीना सहित सैकड़ों रेल कर्मचारियों की उपस्थिति में बीसीटी रेलवे इंस्टीट्यूट की कार्यकारिणी समिति के पैनल में उपाध्यक्ष अनिल गौड़, सचिव कमल कुमार, कोषाध्यक्ष विजेन्द्र चित्तौड़िया, सहसचिव मुकेश कन्नौजिया ने नामांकन दाखिल किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मोहन चेलानी, विनोद चौहान, जगदीश सिंह, सीताराम मीणा, श्वेता हैरिस ने कहा कि वर्तमान कमेटी ने सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट की साख को गिराने का काम किया, इससे रेल कर्मचारियों के परिवारजनों की भागीदारी कम हुई है। इस चुनाव में यूनियन और एसोसिएशन के पैनल ने सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट व बीसीटी इंस्टीट्यूट में स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने का वादा किया। कार्यक्रम में अजमेर मण्डल और कारखाना के यूनियन व एसोसिएशन समर्थित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

परकोटे में रियासतकालीन बुर्जों को संरक्षण की दरकार

देखरेख के अभाव में बदहाल, कब्जा कर की जा रही व्यावसायिक गतिविधियां

महानगर टाइम्स संवाददाता

जैसलमेर। रियासतकाल में जैसलमेर की स्थापना के साथ ही शहर की बसावट को दुश्मनों से सुरक्षा के लिहाज से तय की गई थी। यहां पांच किलोमीटर क्षेत्र में परकोटा और पच्चीस बुर्ज रियासतकाल में शहर की सुरक्षा की दृष्टि से बनाये गए थे। प्राचीन जैसलमेर शहर की आबादी इस परकोटे के भीतर निवास करती थी। परकोटे की दीवार के साथ-साथ दुश्मनों से जनता की सुरक्षा के लिए शहर के चारों तरफ पच्चीस पीले पत्थरों से कलात्मक बुर्ज बनाए गए थे, जो जैसलमेर की शान कहलाते थे।

इन बुर्जों में रियासतकालीन सिपाही सुरक्षा के लिए तैनात रहते थे, मगर समय की मार इन बुर्जों पर भी पड़ी। देखरेख व संरक्षण के आभाव में कई बुर्ज क्षतिग्रस्त हो गए और जो सही थे उन पर कब्जे कर लिए गए। पिछले सालों में कलाकार कॉलोनी स्थित दशहरा बुर्ज का नगर परिषद द्वारा जीर्णोद्वार करकार इसे पुनः कलात्मक रूप देकर तैयार कराया गया। पार्षद देवी सिंह चौहान के प्रयासों से यह दशहरा बुर्ज आज अपनी आभा बिखेर रहा है और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। शहर में ऐसे चौबीस बुर्ज और हैं।

गड़ीसर परकोटे पर स्थित बुर्ज पर भूमाफियों ने कब्जा कर इसमें रेस्टो रेंट खोल दिया, जबकि यह ऐतिहासिक बुर्ज नगर परिषद् की सम्पत्ति है। ऐतिहासिक बुर्ज पर अतिक्रमण के बावजूद नगर परिषद् ने अतिक्रमियों के खिलाफ कार्रवाई में कोई रूचि नहीं दिखाई, ऐसे में नगर परिषद पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर नगर परिषद की सम्पत्ति को अतिक्रमियों के चंगुल से मुक्त क्यों नहीं करवाया गया। कुछ बुर्जों के नगर परिषद द्वारा अवैध रूप से पट्टे जारी कर दिए गए, जबकि इन बुर्जों के पट्टे जारी हो नहीं सकते। नगर परिषद के भ्रष्टाचार के खेल के शिकार ऐतिहासिक बुर्ज भी हो गए। नगर परिषद ने बीपी टैंक के पास स्थित एक बुर्ज के पास चारदीवारी बनाकर किए अतिक्रमण को भी ध्वस्त किया गया।

शहर में ऐसे अन्य बुर्जों पर भी माफियों ने कब्जे कर अन्य व्यापारिक गतिविधियों में इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन नगर परिषद इन बुर्जों के सरंक्षण और जीर्णोद्वार को लेकर कोई प्रयास नहीं कर रहा है। जबकि ये ऐतिहासिक बुर्ज पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र हो सकते है। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत और नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा जैसलमेर शहर को हेरिटेज रूप देने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। शहर में हेरिटेज विकास की 9 बड़ी योजनाएं नगर परिषद धरातल पर उतार चुकी हैं, ऐसे में जिला कलेक्टर प्रताप सिंह को शहर के इन पच्चीस ऐतिहासिक बुर्जों का नगर परिषद से व्यापक सर्वे करवाकर इनका जीर्णोद्वार करने की योजना बनानी चाहिए, ताकि जैसलमेर में पर्यटक इन बुर्जों का लुत्फ उठा सकें। जैसलमेर किले के परकोटे में 99 बुर्ज है, जो सोनार किले की शान को बढ़ा रहे हैं। शहर की खूबसूरती में इस बुर्जों का अहम योगदान रहा है। अब नगर परिषद को चाहिए कि इन बुर्जों की वास्तविक स्थिति का आंकलन कर इन्हें कार्ययोजना में शामिल कर पर्यटकों के लिए उपलब्ध कराएं। सरकारी विभागों, नगर पालिका और पुरातत्व विभाग के बीच समन्वय की कमी एक समस्या है, जो इनके रखरखाव को प्रभावित करती है। हालांकि जैसलमेर शहर अब परकोटे से बाहर तक बस चुका है, लेकिन ऐतिहासिक बुर्ज आज भी शहर का हिस्सा हैं, जिनको सरंक्षण की दरकार है।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
आम सूचना
क्रमांकः F-JDA/Zone 12/2025/D-17
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 226813 दिनांक 12/06/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of (Lease/Free Hold (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	INDU DEVI W/O AMAR CHAND TIWARI	श्री अशोक पुत्र श्री रामनारायण	B-234	76.00 SQ. YARD	Cooperative	SHREE GoVIND NAGAR-11 B Sector/ Blok-	Issue of (Lease/ Free Hold) Deed(E-Patta)	समिति द्वारा जारी आवंटन पत्र व विक्रय पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of (Lease/Free Hold) Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
आम सूचना
क्रमांकः F-JDA/Zone 01/2025/D-9
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 252959 दिनांक 19/09/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of (Lease/Free Hold)Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेत प्रस्तुत दस्तावेज
1	Sudhir Kasliwal S/o Laxmi Kumar Kasliwal	मेजर दुर्गादास पुत्र श्री ठाकुर देवी सिंह	15	77.50 SQ. METER	JDA	C SCHEME Sector/ Block-	Issue of (Lease/ Free Hold) Deed(E-Patta)	पंजीकृत विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, मुख्त्याआम पंजीकृत हकत्याग इत्यादि

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of (Lease/Free Hold) Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection Module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग खण्ड प्रथम,जयपुर
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज), फोनः 0141-2229737
क्रमांकः 1955 दिनांकः27/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्याः 57/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिले में रू.24.00 लाख के 2 सिविल कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्यूरमेंट निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org www.sppp.raj.nic.in http://Cproc.rajasthan.gov व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya. nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN
1. NRH2526WSOBO1700
2. NRH 2526 WSOBO1701
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
खण्ड प्रथम, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in phone No. 0141-2782772
क्रमांकः-DHC-II/1552 दिनांकः- 04/12/25
जाहिर आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा **आवास संख्या 64/268,** मानसरोवर जयपुर क्षैत्रफल 30.750 वर्ग मीटर/वर्ग का आवंटन **श्री कैलाश चन्द्र बंसल पुत्र श्री मेवाराम बंसल** को किया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8567 दिनांक 20.021986 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 28.03.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3144 दिनांक 09.03.2004 के द्वारा **श्री मुकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन** के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रप्त्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 28.03.2004 को करवाया गया। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1918 दिनांक 20.09.2023 के द्वारा **श्रीमती सुशीला देवी जैन पत्नी स्वं.श्री महावीर प्रसाद जैन** के नाम मृत्यु पश्चात हस्तान्तरण कर दिया गया। **श्रीमती सुशीला देवी जैन** के द्वारा उक्त आवास का उपहार पत्र के **श्रीमती नीलम देवी पत्नी श्री सुरेश जैन** को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के उपहार प्रप्त्रों का निष्पादन कार्यालया उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 30.04.2024 को करवाया गया। **श्रीमती नीलम देवी** के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिय विक्रय पत्र के **श्री सनोरंजन प्रसाद पुत्र श्री महेन्द्र प्रसाद** को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रप्त्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 14.08.2025 को करवाया गया। **श्री सनोरंजन प्रसाद पुत्र श्री महेन्द्र प्रसाद** के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास की लीजडीड अपने पक्ष में हस्तान्तरण करवाने हेतु आवेदन पत्र के साथ वैधानिक/वांछित दस्तावेज प्रस्तुत किये है।
अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के **7 दिवस** में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदन श्री सनोरंजन प्रसाद **पुत्र श्री महेन्द्र प्रसाद** के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

स्पोर्ट्स

हार्दिक पांड्या का भारी क्रेज, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का बदला वेन्यू

महानगर टाइम्स संवाददाता

हैदराबाद। मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान एक अभूतपूर्व फैसले में बड़ौदा बनाम गुजरात का मुकाबला भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था की बढ़ती जरूरत के चलते राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। यह फैसला हार्दिक पांड्या के प्रति उमड़ रही असाधारण फैन-फॉलोइंग के चलते लिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर असामान्य रूप से बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ देखी गई जो सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कई गुना अधिक थी। आयोजकों का मानना है कि यह भीड़ पूरी तरह हार्दिक पांड्या को देखने की दीवानगी के कारण उमड़ी। एक वरिष्ठ आयोजक ने बताया कि हार्दिक पांड्या के प्रति उत्साह अविश्वसनीय है। सुरक्षित और सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईपीएल मुकाबलों की मेजबानी के लिए जाना जाता है, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण इस अप्रत्याशित भीड़ को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया। हैदराबाद में पिछले दो दिनों में आईपीएल जैसी हलचल देखी गई प्रशंसक अभ्यास सत्रों के बाहर इकट्ठा हो रहे हैं, पोस्टर-बैनर लेकर घूम रहे हैं, टिकट के लिए लाइनें लगा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह जता रहे हैं।

विराट को खारिज करना बड़ी भूल

हरभजन सिंह का आलोचकों पर तीखा हमला, गायकवाड़ की जमकर तारीफ

महानगर टाइम्स संवाददाता

रायपुर। विराट कोहली के 53वें वनडे शतक पर हरभजन सिंह ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे फिट खिलाड़ियों को नई पीढ़ी के बहाने दरकिनार नहीं किया जा सकता। रायपुर में रुतुराज गायकवाड़ के साथ उनकी 195 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नया कीर्तिमान रचा, जो उनकी अहमियत साबित करता है।

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली के आलोचकों की आलोचना की है, जब इस दिग्गज बल्लेबाज ने रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे मैच में अपना 53वां वनडे शतक जड़ा। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। कोहली ने रांची में खेले गए पहले वनडे में 135 रनों की पारी खेली, जिसे भारत ने 17 रनों से जीता। 37 वर्षीय कोहली ने रायपुर में दूसरे वनडे में अपनी क्लास का प्रदर्शन करते हुए 93 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिससे मेन इन ब्लू ने 50 ओवरों में 358/5 का स्कोर बनाया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट से यादगार जीत दर्ज की और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए, पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन ने कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें बदलाव के कारण दरकिनार नहीं किया जा सकता। लोग उन्हें खारिज कर रहे हैं, कह रहे हैं कि यह नई पीढ़ी है, नए खिलाड़ियों को आना चाहिए। आपके नए खिलाड़ियों में भी ऐसा कोई फिट खिलाड़ी नहीं है। है कोई अगर आप विराट कोहली पर उंगली उठाकर कह सकते हैं कि उनके लिए कोई जगह नहीं है, तो भाई, आप क्या कर रहे हैं?'

हरभजन ने रायपुर वनडे में अपना पहला वनडे शतक लगाने वाले रुतुराज गायकवाड़ की जमकर तारीफ की। चौथे नंबर पर खेल रहे गायकवाड़ ने 83 गेंदों पर 105 रनों की शानदार पारी खेली। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कोहली के साथ भारत के लिए तीसरे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की।

कोहली और गायकवाड़ की 195 रनों की साझेदारी पुरुषों के वनडे मैचों में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की ओर से किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जो 2010 में ग्वालियर में सचिन तेंदुलकर और दिनेश कार्तिक के बीच दूसरे विकेट के लिए बनी 194 रनों की साझेदारी से आगे है। पूर्व गेंदबाज ने कहा कि रुतुराज शानदार खिलाड़ी। वह मैदान पर थोड़ा देर से आए, उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले, और अब जब उनके पास मौका है, तो वह इसे जाने नहीं दे रहे हैं। जब रुतुराज और विराट साथ में बल्लेबाजी कर रहे थे, तो जिस तरह से रुतुराज ने पचास रन बनाने के बाद गियर बदला, उन्होंने लगभग 75 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने साथ में जो बल्लेबाजी दिखाई, वह बेहतरीन थी।

आम सूचना
सूचित किया जाता है कि प्लाट नम्बर 166, योजना नम्बर 10, शंकर नगर, कागदीवाडा, आमेर रोड, ब्रह्मपुरी, जयपुर, राजस्थान, कुल क्षेत्रफल 217.00 वर्गगज के स्वामित्वाधिकार श्री फतेह सिंह राठौड एवं उनकी पत्नी श्रीमती इन्द्र कँवर के स्वर्गवास के पश्चात् उनके पुत्रान् कुलदीप सिंह राठौड, जसवन्त सिंह राठौड, पुष्पेन्द्र सिंह राठौड, राम सिंह राठौड एवं महेन्द्र सिंह राठौड विधिक उत्तराधिकारी एवं वारिसान् हुये। स्वर्गीय श्री फतेह सिंह राठौड एवं स्वर्गीय श्रीमती इन्द्र कँवर का कुलदीप सिंह राठौड, जसवन्त सिंह राठौड, पुष्पेन्द्र सिंह राठौड, राम सिंह राठौड एवं महेन्द्र सिंह राठौड के अलावा अन्य कोई विधिक उत्तराधिकारी एवं वारिस नहीं है। महेन्द्र सिंह राठौड एवं उनकी पत्नी श्रीमती मोना कँवर उर्फ मोनी कँवर के स्वर्गवास के पश्चात् उनके केवल एकमात्र पुत्र आनन्द सिंह राठौड को उक्त सम्पत्ति में उनके अविभाजित 1/5 हिस्से के स्वामित्वाधकार प्राप्त हुये। कुलदीप सिंह राठौड, जसवन्त सिंह राठौड, पुष्पेन्द्र सिंह राठौड, राम सिंह राठौड एवं आनन्द सिंह राठौड ने उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनाँक 20.06.2024 के द्वारा श्री प्रीतम दास लालवानी को विक्रय कर दिया। श्री प्रीतम दास लालवानी ने उक्त सम्पत्ति को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनाँक 19.03.2025 के द्वारा श्री पुरूषोत्तम उमरनानी, श्री हीरालाल लखवानी एवं श्री राजेन्द्र कर को विक्रय कर दिया। श्री पुरूषोत्तम उमरनानी, श्री हीरालाल लखवानी एवं श्री राजेन्द्र कर से उक्त प्लाट नम्बर 166 में से दक्षिणी भाग, क्षेत्रफल 108.33 वर्गगज को श्रीमती दीपमाला सोनी क्रय कर रही हैं तथा उक्त क्रय बाबत् मेरी अभिभाष्या ऋणदात्री संस्था L&T Finance Ltd. से ऋण प्राप्त कर रही है। उक्त सम्पत्ति स्वामित्व एवं य व ऋण बाबत् किसी भी व्यक्ति/संस्था/बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी।
पुलकित गर्ग एडवोकेट, मो. 09828084002
MZ-4, अलंकार टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर- 302016

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग जवाहर सर्किल के पास , जयपुर-0141-4901853
क्रमांक: 4797 आम जाहिर सूचना दिनांक: 04.12.2025
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा व्यावसायिक भूखण्ड संख्या-2/SC/3/27 योजना-इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 6.25 वर्ग मीटर का आवंटन श्री लाल चन्द मूलचन्दानी पुत्र श्री हजारी लाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 83 दिनांक 04.04.2014 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर, अष्टम् में दिनांक 27.06.2014 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री लाल चन्द मूलचन्दानी पुत्र श्री हजारी लाल के द्वारा व्यावसायिक भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती ममता टिक्कीवाल पत्नी श्री हरीश टिक्कीवाल को कर विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम् में दिनांक 27.06.2014 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती ममता टिक्कीवाल पत्नी श्री हरीश टिक्कीवाल के द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद को कर विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम् में दिनांक 09.04.2014 को करवाया गया। श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क छाया प्रति, अण्डरटेकिंग एवं विक्रय पत्रों की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त व्यावसायिक भूखण्ड का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेती का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया हैं। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्ति गत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता **श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद** का नाम मण्डल रिकाई में दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबंधक, वृत्त तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में आज होगी भारत की असली परीक्षा

महानगर टाइम्स संवाददाता

चेन्नई। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी। चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा। यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एडोई एक्का, अंकित पाल और इंग्लेबा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी।

खोया पाया
पत्र क्रमांक जविप्रा/उपा./सेज/2005-6/डी-780 Date 08.03.2007 (आरक्षण पत्र) व पत्र क्रमांक जविप्रा/उपा./जोन 11/सेज /2009 डी -8162 date 3-11-2009 (आवंटन पत्र) ये मेरे मूल दस्तावेज खो गए है। मिलने सम्पर्क करें। मो.9327749635

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कैरिज अजमेर द्वारा खुली **ई-निविदा संख्याः कैरिज-38-2025 दिनांक 03.12.2025** को आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेंडर स्वीकार नहीं किया जायेगा और यदि कोई मैन्युअल टेंडर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **कार्य का नाम एवं स्थान:** "कैरिज वर्कशॉप में पेंट बूथ का पूरा AMC और ऑपरेशन"। **अनुमानित लागत:** रु 2,43,09,734.40. **टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट:** रु.00/-. **बयाना राशी:** रु.2,71,600/-. **ई-टेंडर फॉर्म जमा करने का समय व तारीख:** दिनांक 26.12.2025 समय 15:00 बजे तक। **वेब साइट का विवरण: www.ireps.gov.in पात्रता मानदंड:**लागु। **नोट:** टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट एवं बयाना राशी केवल की वेबसाइट पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे सुविधा द्वारा ऑनलाइन जमा किये जाने IREPS है। **1561-AR/25**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

वंदे मातरम के जयकारों के बीच निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। अग्रसेन पब्लिक स्कूल और सरस्वती सीनियर स्कूल शास्त्री नगर की ओर से 'वंदे मातरम राष्ट्रभक्ति उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थी बड़े जोश और अनुशासन के साथ वंदे मातरम के जयकारों के बीच भव्य तिरंगा यात्रा निकालते हुए आगे बढ़े, जिसने सभी के भीतर राष्ट्रप्रेम की नई ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा महामंत्री मिथिलेश गौतम एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता जीतेन्द्र श्रीमाली थे। समारोह की अध्यक्षता कांता गुप्ता ने की। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. डेजी शर्मा ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रखे गए कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया। मिथिलेश गौतम ने छात्रों को संदेश दिया कि हमें किसी भी बहकावे में नहीं आना चाहिए और तन, मन और आत्मा से भारत माता की सेवा करनी चाहिए। जितेन्द्र श्रीमाली ने कहा कि सड़कों पर गंदगी न फेंकने जैसे छोटे-छोटे कार्य करके हम देश के सच्चे सैनिक बन सकते हैं। जय जननी संस्थान की संस्थापक डॉ. अनु गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन कम ऑन यू कैन डू इट ग्रुप की संस्थापक शिवानी बैस ने किया।

सप्त शक्ति कमान में मनाया 75वां नौसेना दिवस

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। दक्षिण पश्चिमी कमान मुख्यालय में गुरुवार को 75वां नौसेना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल माधवेंद्र सिंह, भारतीय नौसेना के वरिष्ठ पूर्व सैनिक तथा कमान के अधिकारी उपस्थित रहे।

नौसेना दिवस हर वर्ष 4 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान 3 और 4 दिसंबर की मध्यरात्रि को भारतीय नौसेना द्वारा कराची बंदरगाह पर किए गए साहसिक मिसाइल हमलों (ऑपरेशन ट्राइडेंट) की स्मृति में मनाया जाता है। इस अवसर पर आर्मी कमांडर ने भारतीय नौसेना के अधिकारियों, नाविकों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी वीरता, निष्ठा एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए बधाई दी। साथ ही समुद्री सीमाओं की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में दक्षिण पश्चिमी कमान के सभी रैंक के बीच आपसी तालमेल, संयुक्त कार्य संस्कृति तथा राष्ट्र की सुरक्षा के लिए मिलकर कार्य करने की भावना को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

'हिन्दी भाषा: लेखन और उच्चारण शुद्धता' विषय पर व्याख्यान आयोजित

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से गुरुवार को 'हिन्दी भाषा : लेखन और उच्चारण शुद्धता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता साहित्यकार एवं संपादक डॉ. जयश्री शर्मा ने छात्राओं को हिन्दी में शुद्ध लेखन और सही उच्चारण के महत्व को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। डॉ. शर्मा ने समान ध्वनि वाले शब्दों को लिखवाकर मात्राओं, नुक्ते और सूक्ष्म भेदों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को शब्द और वाक्य शुद्धि का अभ्यास करवाया। दैनिक भाषा-प्रयोग में उच्चारण की सतर्कता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा कि भाषा की शुद्धता छात्रों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है और युवाओं के लिए इसे सीखना अत्यंत आवश्यक है। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शीताभ शर्मा ने विषय विशेषज्ञ का धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक आचार्य डॉ. धर्मा यादव ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में 60 छात्राओं ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तेजस्वी सहारिया ने किया।

वाटरशेड महोत्सव के ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जमवारामगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत टोडा मीणा में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में गुरुवार को वाटरशेड महोत्सव का ब्लॉक स्तरीय पर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग जयपुर दिनेश कुमार थे। उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और उपस्थित ग्रामीणों से फार्म पॉन्ड बनवाने और जल बचाने के लिए जागरूक रहने की अपील की।

अधिशासी अभियंता संजय सुनारिया ने भी जल ग्रहण परियोजना क्षेत्र में स्वीकृत कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के सह प्रधानाचार्य गोकुल गुर्जर, अध्यापक ओमप्रकाश मीना ने किया।

प्रधानाचार्या अनुपमा मीणा ने जल संरक्षण कार्यों की जानकारी दी। इससे पूर्व विद्यालय के बच्चों से प्रभात फेरी निकालकर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। सार्वजनिक तालाब पर कर्मचारियों अधिकारियों एवं ग्राम वासियों ने पौधारोपण एवं श्रमदान किया। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य ममता मीना, ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि, कनिष्ठ अभियंता नईता कुमारी, टोडा मीणा ग्राम विकास अधिकारी लोकेश मीणा, रामकेश मीणा, नरेश मीणा,ग्राम पंचायत ताला के जल ग्रहण सचिव अल्ताफ खान, लोकेश मीणा, जयराम मीणा आदि मौजूद रहे।

सिविल लाइंस में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन, बच्चों ने दिखाया दमखम

आज का जोश कल ओलंपिक में सोना दिलाएगा : गोपाल शर्मा

- **सिविल लाइंस विधायक ने मैदान में खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह**

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। गणपति नगर के रेलवे खेल मैदान पर गुरुवार को सांसद खेल महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। मैदान में सुबह से ही तालियों की गूंज और 'भारत माता की जय' के नारे गूंजते रहे। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा मैदान में पहुंचे, खिलाड़ियों की पीठ थपथपाई और पूरे माहौल को जोश से भर दिया।

खो-खो, रस्साकसी और क्रिकेट के मुकाबलों में स्कूली बच्चों ने ऐसा प्रदर्शन किया कि दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। विधायक शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलो इंडिया और सांसद खेल महोत्सव जैसे कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस सपने को सच कर रहे हैं, जिसमें हर गली-मोहल्ले का बच्चा विश्व स्तरीय खिलाड़ी बने। आज जो जोश यहां दिख रहा है, यही कल भारत को ओलंपिक में सोने के तमगे दिलाएगा। शर्मा ने जयपुर में खेलों के लगातार सफल आयोजनों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा का विशेष रूप से आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और सांसद के नेतृत्व में शहर अब सचमुच खेल नगरी बन रहा है। आयोजन को सफल बनाने में भाजपा शांति नगर मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, बनीपार्क मंडल अध्यक्ष निखिल वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश गुर्जर, विधानसभा संयोजक भंवर लाल सैनी, निवर्तमान पार्षद चेयरमैन राजेश कुमावत, महेश सैनी, प्रशांत राजौरिया, धीरज धानका, प्रथम कुमावत, सौरभ कटारिया सहित सभी कार्यकर्ताओं ने मेहनत की। मैदान की व्यवस्था संभालने में प्रेमचंद सैनी, नीलू राठौड़ और विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों की टीम ने शानदार काम किया।

खानधारक और सरकार दोनों होंगे लाभान्वित

खनिज उत्पादन और रायल्टी ट्रेंड का होगा नियमित विश्लेषण

माइनिंग सेक्टर को मिलेगी नई गति : रविकांत

- **एसएमई प्रतिमाह चार से पांच खानों के उत्पादन ट्रेंड का करेंगे विश्लेषण**

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। माइंस विभाग द्वारा अब खानों में खनन उत्पादन और रायल्टी ट्रेंड का भी विश्लेषण किया जाएगा, ताकि खनिज उत्पादन के उतार-चढ़ाव पर निगरानी रखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर की विकास दर को अधिक गति दी जा सके। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत ने बताया कि यह जिम्मेदारी वृत्त स्तर पर विभाग के अधीक्षण खनि अभियंताओं को दी गई है। वृत्त अधीक्षण खनि अभियंता प्रतिमाह चार से पांच खानों में उत्पादन के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण करेंगे और आवश्यकता होने पर ड्रोन सर्वे के माध्यम से सत्यापन करवाया जा सकेगा। प्रमुख सचिव माइंस रविकान्त ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में ये निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आरसीसी-ईआरसीसी रायल्टी वसूली के आंकड़ों का भी अधीक्षण खनि अभियंताओं द्वारा विश्लेषण किया जाएगा, ताकि रायल्टी वसूली की प्रभावी मॉनिटरिंग संभव हो सके। नियमित विश्लेषण से खानधारकों और सरकार दोनों को खनिज उत्पादन में कमी-ज्यादा के कारणों, मांग और आपूर्ति और भविष्य की संभावनाओं को समझने में आसानी होगी। इससे खानधारकों और सरकार दोनों को ही माइनिंग सेक्टर की भविष्य की संभावनाओं का संकेत मिल सकेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान को माइनिंग सेक्टर में अग्रणी और नवाचारी प्रदेश बनाना चाहते हैं, इसलिए माइनिंग सेक्टर में बहुआयामी दिशाओं में कार्य करते हुए नित नए आयाम भी स्थापित होने लगे हैं।

'वैध खनन को मिलेगा बढ़ावा, अवैध पर लगेगी रोक'

टी. रविकांत ने कहा कि हमारी टिप्स में होना चाहिए कि यदि खनन उत्पादन किसी माह विशेष में कम हो रहा है तो इसके कारण क्या हैं या फिर खनन की तुलना में रायल्टी में कमी-बेशी के कारण क्या हैं। एक तरह से यह रिसर्च ओरियंटेड कार्य होने के साथ ही माइनिंग सेक्टर को और अधिक गतिशील बनाने में सहायक होगी। इसके साथ ही फील्ड पर अधिकारियों की सक्रियता से वैध खनन को बढ़ावा और अवैध खनन पर रोक भी संभव हो पाएगी।

अधिकारियों को अधिक सक्रियता से कार्य करने के निर्देश

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि फील्ड अधिकारियों को अधिक सक्रियता से कार्य करने के निर्देश देने के साथ ही विभागीय मॉनिटरिंग व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। वर्चुअल बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, योगेन्द्र सिंह सहवाल, वित्तीय सलाहकार सुरेश जैन, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील वर्मा, एसएमई में एनएस शक्तावत, देवेंद्र गौड़, एसपी शर्मा, ओपी काबरा, अविनाश कुलदीप, सुनील शर्मा, एनके बैरवा सहित एमई, एएमई स्तर के फील्ड अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पर्यावरणीय स्वीकृति तंत्र पर विशेष कार्यशाला आयोजित

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (सिया) एवं राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (सिएक) की ओर से पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) तंत्र में आ रही समस्याओं के जल्द निस्तारण के उद्देश्य से विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन गुरुवार को राजस्थान फॉरेस्ट्री एंड वाइल्डलाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों की ओर से शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के मान्यता प्राप्त कंसल्टेंट्स को जानकारी दी गई। सिया के अध्यक्ष मुनिश कुमार गर्ग ने कहा कि सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए ईसी तंत्र को मजबूत और प्रभावी बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसमें आ रही समस्याओं के जल्द निस्तारण के उद्देश्य से इस क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया ताकि परियोजनाएं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संचालित हो सके। इस दौरान केस स्टडी जैसे सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला में शासन सचिव, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं पदेन सदस्य सचिव, सिया विजय एन, सिया के सदस्य मनफूल सिंह, सिएक प्रथम के अध्यक्ष अजय गुप्ता सहित सिया एवं सिएक के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मां अन्नपूर्णा से की अन्न-धन के भंडार भरे रहने की कामना

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर शिव योग, रवि योग और सिद्ध योग में मां अन्नपूर्णा जयंती मनाई गई। अन्नपूर्णा माता के मंदिरों में मातारानी का अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराकर सोलह श्रृंगार किया गया। खोले के हनुमानजी परिसर स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां अन्नपूर्णा से वर्षभर अन्न-धन एवं समृद्धि की कामना की।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

महानगर टाइम्स संवाददाता

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'बैंकेबिलिटीज-दिव्यांगजन की क्षमताओं पर विश्वास' थीम के तहत अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक बीना वाहिद और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्टाफ कर्मचारियों ने एक जागरूकता नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सुष्मिता बी. बुबना, सीईओ, एसेंट नेटवर्क्स और संस्थापक मीडिया एंटरप्राइजेस-फैयदा तथा प्रेरणा ढोने, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, व्हीलचेयर बास्केटबॉल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बैंड 'बांसुरी ब्लिस' द्वारा एक मनमोहक प्रस्तुति दी गई और सेल्फ एस्टीम फाउंडेशन फॉर द डिसेबल्ड के दिव्यांग कलाकारों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई।

वाहिद ने कर्मचारियों और ग्राहकों दोनों के लिए एक्सेस और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। अब बैंक की 6,979 शाखाओं में रैंप सुविधाएं उपलब्ध हैं, डोरस्टेप बैंकिंग, टॉकिंग एटीएम, इनसाइट ब्रेल डेबिट कार्ड और आसान एक्सेस के लिए, उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

जैतपुरा में बिजली चोरी के 3 मामले पकड़े
2 लाख 65 हजार का लगाया जुर्माना

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को जैतपुरा क्षेत्र में 3 स्थानों पर विद्युत चोरी के मामले पकड़े। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि ग्राम अनंतपुरा व डाबड़ी में सतर्कता जांच की गई, जिसमें 3 घरेलू उपभोक्ताओं को एलटी पोल से पीवीसी केबिल लगाकर विद्युत का अनधिकृत उपभोग करते पाया गया। इस पर उनकी वीसीआर भरी गई और करीब 2 लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। टीम ने कनेक्शनों को काटकर अवैध केबिल जब्त कर ली।

पीएएआर ने सांगानेर ओपन प्रिजन में बच्चों को वितरित की आवश्यक सामग्री

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रिजन एड + एक्शन रिसर्च (पीएएआर) ने गुरुवार को जयपुर में सांगानेर ओपन प्रिजन के नाम से मशहूर संपूर्णानंद खुल्ला बंदी शिविर में वार्षिक शीतकालीन सामग्री वितरण अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान पीएएआर की ओर से बच्चों को सर्दियों को देखते हुए फॉर्मल शूज तथा दैनिक उपयोग के लिए स्नीकर्स व स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में राजस्थान प्रिजन (कारागार) डिपार्टमेंट के डायरेक्टर जनरल अशोक कुमार राठौड़ ने बच्चों को स्वयं गुडीज भेंट किए। राठौड़ पूर्व में एडिश्नल डायरेक्टर जनरल, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप व एटीएस के प्रमुख, कमिश्नर ऑफ जोधपुर पुलिस तथा एडिश्नल डायरेक्टर जनरल (विजिलेंस) के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी उपस्थिति उनके सामाजिक उत्तरदायित्व और जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पीएएआर की संस्थापक, स्मिता चक्रवर्ती के साथ राठौड़ ने पूरे जेल परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया और यहां मौजूद सुधारात्मक एवं पुनर्वास ढांचे को देखा। यह वार्षिक अभियान जेल परिसर के स्कूल और आंगनबाड़ी में अध्ययनरत बच्चों के साथ-साथ उन बच्चों को भी लाभान्वित करता है जो यहां अपने परिवारों के साथ रहते हैं।

नरुका ने दाखिल किया नामांकन

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया जारी है। इन चुनावों में कार्यकारिणी सदस्य के लिए दुष्यंत सिंह नरुका ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन दाखिल करने के दौरान नरुका के साथ बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि वे अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के साथ ही सुविधाओं के विस्तार पर काम करेंगे।

एसकेआईटी को मिली स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2025 की मेजबानी

ग्रैंड फिनाले में 11 राज्यों से जुटेंगी टीमें, 36 घंटे होगा इनोवेशन मैराथन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसकेआईटी) को देश के प्रतिष्ठित इनोवेशन फेस्ट स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2025 (एसआईएच-2025) के सॉफ्टवेयर एडिशन के ग्रैंड फिनाले की मेजबानी करने के लिए भारत सरकार ने चयनित किया है। आगामी आठ और नौ दिसंबर को होने वाले इस ग्रैंड फिनाले की तैयारियों की जानकारी देने के लिए गुरुवार को कॉलेज की ओर से आयोजित एक प्रेसवार्ता में निदेशक जयपाल मील ने यह जानकारी दी। मील ने बताया कि केंद्र सरकार ने राजस्थान में मात्र तीन नोडल सेंटर बनाए हैं, जिनमें एसकेआइटी एक है। यहां सॉफ्टवेयर एडिशन के ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। प्रेसवार्ता में जयपाल मील के साथ कॉलेज प्रिंसीपल रमेश कुमार पचार, डायरेक्टर एकेडमिक्स एसएल सुराणा, एआईसीटीई के मीडिया सलाहकार पुनीत शर्मा एवं कॉलेज की एसपीओसी एसआईएच नीलम चौधरी ने भी संबोधित किया।

निदेशक मील ने कहा कि इस बार स्पेस टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, स्मार्ट एजुकेशन, एग्रीटेक समेत अन्य विषयों पर हेकेथॉन के प्रोब्लम स्टेटमेंट हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान ने आयोजन में हिस्सा ले रहे बच्चों के लिए आवास, पौष्टिक भोजन, चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तमाम व्यवस्थाएं कर ली है। प्रोफेसर एस.एल. सुराणा ने कहा कि ऐसी पहल पारंपरिक शिक्षा से परे कौशल विकसित करती हैं। 'स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन जैसे कार्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक समस्या-समाधान क्षमताओं एवं वास्तविक दुनिया के अनुभव से लैस करते है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में 60 नोडल सेंटर बनाए गए हैं, जिसमें 42 सॉफ्टवेयर एडिशन और 18 हार्डवेयर एडिशन के केंद्र शामिल हैं, इसमें विजेता टीमों को प्रत्येक प्रॉब्लम स्टेटमेंट के लिए एक लाख मिलेंगे।

रुपए में गिरावट : मोबाइल, टीवी, एसी, फ्रिज, मेकअप और गाड़ियों के बढ़ेंगे दाम

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आजकल रुपया जिस रफ्तार से गिर रहा है, उससे आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ने ही वाला है। असर सीधा उन चीजों पर पड़ने वाला है, जिन्हें आप और हम रोजमर्रा में इस्तेमाल करते हैं, जैसे मोबाइल फोन, टीवी, लैपटॉप, एसी, फ्रिज, मेकअप और यहां तक कि गाड़ियां भी।

हाल ही में सरकार ने जीएसटी कम किया था, जिससे ग्राहकों को थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन रुपए की यह गिरावट से वह भी कम होती दिख रही है। इन कंपनियों को दिक्कत दे रही है, जो अपने प्रोडक्ट्स के पुर्जे या पूरा प्रोडक्ट विदेश से मंगाती हैं। पिछले कुछ महीनों से कच्चे माल की लागत बढ़ रही थी, फिर भी कंपनियां दाम बढ़ाने से हिचक रही थीं, क्योंकि जीएसटी घटने के बाद सरकार का रुख सख्त था। लेकिन अब जब डॉलर मजबूत और रुपया कमजोर हो गया है, तो कंपनियां इस नुकसान को और ज्यादा झेल नहीं पा रही हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और बड़े घरेलू उपकरण बनाने वाली कंपनियों ने साफ कर दिया है कि दिसंबर से जनवरी के बीच वे कीमतों में 3 से 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेंगी। इसका कारण मेमोरी चिप, कॉपर और दूसरे जरूरी हिस्सों के दाम काफी बढ़ जाना बताया जा रहा है। कई चीजों की लागत का 30 से 70 प्रतिशत तक हिस्सा विदेशों पर निर्भर है, इसलिए रुपये की कमजोरी सीधे लागत को बढ़ा देती है।

रुपया डॉलर के सामने पहली बार 90.42 के पार

भारतीय रुपया विदेशी मुद्रा बाजार में लगातार दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले नई निचली सीमा पर पहुंच गया। रुपया 90.42 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद हुआ, जो इस साल का अब तक का सबसे कमजोर स्तर है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपया कमजोरी का कारण कमजोर ट्रेड और पोर्टफोलियो फ्लो के साथ-साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता है। ये सभी कारक मुद्रा पर लगातार दबाव बनाए रख रहे हैं। रुपए की तेजी से गिरावट ने घरेलू शेयर बाजार पर भी दबाव डाला। निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे चला गया, जिससे निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया।

सेंसेक्स शुरुआती ट्रेड में लगभग 200 अंक लुढ़क गया। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार का मनोबल मंदा रहा क्योंकि निवेशक रुपया स्थिर होने और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के स्पष्ट होने के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं।

विश्लेषकों ने कहा कि रुपया का अवमूल्यन तभी रुक पाएगा और उलटा प्रभाव तब होगा जब भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लागू होगा। यह संभावना इस महीने है, लेकिन इसमें लगाए जाने वाले टैरिफ की डिटेल्स पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगा।

विधायक अग्निमित्रा पाल का अवैध रेत खनन पर छापा, ओवरलोड ट्रकों की चाबियां की जब्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

आसनसोल। आसनसोल दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पाल ने गुरुवार सुबह डामरा के पास दामोदर नदी के बालूघाट पर अचानक छापा मारा। लंबे समय से चल रहे अवैध रेत खनन और तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्होंने मौके पर कई ओवरलोड ट्रक और हाइवा की चाबियां जब्त कर लीं और ड्राइवरों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि केवल वैध चालान वालों को ही रेत ले जाने की अनुमति होगी और तय मात्रा से एक दाना भी ज्यादा पाए जाने पर कार्रवाई होगी। विधायक ने पुलिस की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाते हुए चेतावनी दी कि अवैध बालू कारोबार नहीं रुका तो वे खुद सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगी।

अचानक हुई इस कार्रवाई से बालूघाट क्षेत्र में खलबली मच गई। स्थानीय लोगों ने पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे रेत माफिया में डर पैदा हुआ है। अब नजर प्रशासन पर है कि अवैध खनन पर रोक के लिए वह कितनी तेजी से कदम उठाता है।

टीएमसी का बड़ा एक्शन : भरतपुर विधायक हुमायूं कबीर निलंबित

बाबरी मस्जिद शिलान्यास पर बयान बना कारण

महानगर टाइम्स संवाददाता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने आखिरकार कड़ा कदम उठाते हुए अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया है। दल-विरोधी बयानबाजी और विवाद को हवा देने का आरोप लंबे समय से उनके सिर पर था, लेकिन 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद निर्माण के शिलान्यास की घोषणा ने पार्टी नेतृत्व का धैर्य पूरी तरह तोड़ दिया। सवाल इसलिए भी उठा क्योंकि 6 दिसंबर वही तारीख है, जब बाबरी मस्जिद विध्वंस हुआ था और राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस दिन को चुनकर बयान देने को टीएमसी ने 'जानबूझकर उकसाने की कोशिश' बताया है। कोलकाता के मेयर और टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने बताया कि हुमायूं कबीर को उनके बयानों के लिए पहले चेतावनी भी दी गई थी। इसके बावजूद वो अपने जिद पर अड़े रहें। जिसके बाद पार्टी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। कोलकाता के मेयर और राज्य मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि मुर्शिदाबाद से हमारे एक एमएलए ने अचानक ऐलान किया कि वह बाबरी मस्जिद बनवाएंगे। अचानक बाबरी मस्जिद क्यों? हमने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी। पार्टी के फैसले के मुताबिक हम उन्हें सस्पेंड करते हैं। टीएमसी से सस्पेंड होने के बाद हुमायूं कबीर ने कहा, 'मैं कल टीएमसी से इस्तीफा दे दूंगा। अगर जरूरत पड़ी, तो मैं 22 दिसंबर को नई पार्टी का ऐलान करूंगा। टीएमसी की इस कार्रवाई के बाद कबीर ने अपने तेवर और तीखे कर लिए।

महेश जोशी ने ईडी कोर्ट में पेश होकर पासपोर्ट किया सरेंडर

महानगर संवाददाता

जयपुर। जल जीवन मिशन से जुड़े 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद पूर्व मंत्री महेश जोशी ईडी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगाई शर्त की पालना में ईडी कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर किया। वहीं अदालत ने प्रकरण में 16 दिसंबर को सुनवाई रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए महेश जोशी को सशर्त जमानत देते हुए कहा था कि वे ईडी कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर करें और बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाएं।

डमी अभ्यर्थी बैठाकर बना था ग्राम सेवक

10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, 9 साल से था फरार

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को अरेस्ट किया है। डमी अभ्यर्थी बैठाकर आरोपी ने एग्जाम पास कर ग्राम सेवक की नौकरी हासिल की थी। एसओजी पूर्व में डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने वाले टीचर को अरेस्ट कर जेल भेज चुकी है। एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा-2016 के अत्यंत संवेदनशील मामले में डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी हासिल करने वाले मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई पुत्र सोनाराम निवासी धोरीमन्ना बाड़मेर को अरेस्ट किया है। एसओजी की ओर से उस पर 10 हजार रुपए का इनाम रखा हुआ है।

2016 में हुआ था घोटाला

एसओजी के पास एक परिवाद मिला। आरोप था कि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा-2016 में अभ्यर्थी लाडूराम विश्नोई ने स्वयं परीक्षा नहीं दी, बल्कि अपनी जगह एक डमी अभ्यर्थी बैठाकर सरकारी नौकरी हथिया ली। जांच में ये तथ्य सही पाए जाने पर एसओजी ने तुरंत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि लाडूराम ने गोपाल विश्नोई नामक व्यक्ति को हायर किया था। डमी अभ्यर्थी गोपाल विश्नोई पुत्र जगदीश विश्नोई निवासी बाड़मेर खुद द्वितीय ग्रेड शिक्षक के रूप में जोधपुर में नियुक्त था। जिसे एसओजी ने इस मामले में 19 दिसम्बर 2024 को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई फरार था। एसओजी ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया।

फिच ने बढ़ाया भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

भारत की विकास दर बढ़ाकर 7.4 फीसदी की, रेपो रेट में कटौती की उम्मीद

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान को 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया। मुख्य रूप से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी सुधारों के साथ बेहतर धारणा के कारण वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दरों में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत पर लाने गुंजाइश देती है। आरबीआई इस साल अब तक मुख्य नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। उसने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछली अप्रेल-जून तिमाही के 7.8 प्रतिशत थी।

रेटिंग एजेंसी ने दिसंबर के लिए अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के अंत तक) की शेष अवधि में वृद्धि धीमी रहेगी, लेकिन हमने पूरे वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान को सितंबर के 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। इस वर्ष वृद्धि को मुख्य रूप से निजी उपभोक्ता खर्च गति दे रहा है। इसका कारण मजबूत वास्तविक आय गतिशीलता, उपभोक्ता धारणा में सुधार और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का प्रभाव है। क्या है डिटेल जीएसटी दरों को युतिसंगत बनाये जाने के तहत लगभग 375 वस्तुओं पर कर की दरें कम की गई है। इससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। जीएसटी में संशोधित दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं। फिच को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर धीमी होकर 6.4 प्रतिशत रहेगी। इसने अनुमान लगाया है कि वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष (2026-27) की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आएगी। खाने-पीने की चीजों की कम कीमतों के कारण अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.3 प्रतिशत के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई। फिच ने कहा कि हमें उम्मीद है कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में नीतिगत दर में एक और कटौती करके इसे 5.25 प्रतिशत करने की गुंजाइश देगी...। आरबीआई शुक्रवार को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। फिच के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति में सुधार और गतिविधियों के मजबूत बने रहने के अनुमान के साथ आरबीआई नीतिगत दर में कटौती के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है और अगले दो साल तक नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

एफवाई27 की दूसरी छमाही में बढ़ेगा निवेश

फिच को उम्मीद है कि फाइनैंशल कंडीशन में नरमी आने से एफवाई27 की दूसरी छमाही में निजी निवेश बढ़ना शुरू होगा। वहीं, अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर घटकर 0.3 फीसदी, जो अब तक का रिकॉर्ड निचला स्तर है। इसकी मुख्य वजह खाद्य और पेय पदार्थों की कीमतों में कमी रही। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति से आरबीआई दिसंबर में एक और दर कटौती कर सकता है। साथ ही, नकद आरक्षित अनुपात को 4 फीसदी से 3 फीसदी करने का भी चरणबद्ध प्रभाव होगा।

वित्त मंत्री ने संसद में दी जानकारी

जीएसटी का बेस ईयर 27 फरवरी से बदल जाएगा : निर्मला सीतारमण

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सरकार नेशनल अकाउंट्स की गणना के लिए बेस ईयर बदलने जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में बताया कि नया बेस ईयर 2022-23 होगा। यह बदलाव 27 फरवरी से लागू होगा। यह बदलाव मौजूदा डेटा को अर्थव्यवस्था के अनुसार और सटीक बनाने के लिए किया जा रहा है। अभी तक बेस ईयर के तौर पर 2011-12 का इस्तेमाल हो रहा है। यह एक दशक से भी ज्यादा पुराना हो चुका है। वित्त मंत्री ने कहा कि बेस ईयर अपडेट करने से नैशनल अकाउंट्स देश की मौजूदा आर्थिक गतिविधियों को ज्यादा सही तरीके से दिखाएगा। वित्त मंत्री का यह बयान आईएमएफ की एक रिपोर्ट में भारत के नैशनल अकाउंट्स डेटा को मिले सी ग्रेड के बाद आया है। उन्होंने साफ किया कि यह ग्रेड डेटा की गुणवत्ता पर नहीं बल्कि पुराने बेस ईयर की वजह से दिया गया था।

जीडीपी के आंकड़े

अब सरकार बेस ईयर को 2022-23 कर रही है। यह मुद्दा तब और चर्चा में आया जब राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जुलाई से सितंबर की तिमाही के ताजा जीडीपी आंकड़े जारी किए। देश की रियल जीडीपी 8.2 फीसदी बढ़ी, जो उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। बजट बनाने के लिए 7 जनवरी को जो शुरुआती अनुमान जारी होंगे वे अभी पुराने आंकड़ों पर ही आधारित होंगे। फरवरी में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय खुदरा महंगाई के नए आंकड़े भी जारी करेगा। ये 2023-24 की कीमतों पर आधारित होंगे और जनवरी की महंगाई को मापेंगे।

यह बदलाव मौजूदा डेटा में कुछ खास कमियों को भी दूर करेगा। मसलन अभी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के तहत मिलने वाले अनाज पर कोई खर्च नहीं दिखाया जाता क्योंकि लोगों को इसके लिए सीधे पैसे नहीं देने पड़ते। मंत्रालय अभी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में भी सुधार कर रहा है। इसका मकसद है कि वस्तुओं के वजन को अपडेट किया जाए, कंजम्पशन बास्केट को बदला जाए और इंडेक्स को और मजबूत बनाने के लिए तरीकों में सुधार किया जाए।

क्रिप्टो निवेशकों की बल्ले-बल्ले! बिटकॉइन ने फिर पकड़ी रफ्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। क्रिप्टो मार्केट में एक बार फिर जबरदस्त कमबैक देखने मिल रहा है। पिछले कुछ समय से लगातार गिरावट ने निवेशकों को डरा दिया था लेकिन अब बाजार तेज उछाल के साथ रिकवरी कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 1.45 फीसदी उछलकर 94,038.24 पर पहुंच गई है। कुल क्रिप्टो मार्केट कैप भी बढ़कर 2.95 ट्रिलियन हो गया है।

हालांकि निवेशक अभी भी सावधान हैं, क्योंकि इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की रेट-कट से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला आने वाला है, जिसका क्रिप्टो मार्केट पर बड़ा असर पड़ सकता है।

नए व्यवसायों की संख्या बढ़ने से सेवा क्षेत्र में तेजी

बिक्री शुल्क में मामूली वृद्धि

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नए व्यवसायों की संख्या में तेजी से वृद्धि और कीमतों में कमी से नवंबर में सेवा क्षेत्र की वृद्धि में तेजी आई है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स बढ़कर 59.8 हो गया। अक्तूबर में यह गिरकर 58.9 पर आ गया था। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का मतलब मजबूती और इससे नीचे का मतलब कमजोरी माना जाता है।

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए व्यवसायों के आने से सेवा क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि को बढ़ावा मिला है। एशिया, यूरोप व मध्य पूर्व में कंपनियों के लाभ दर्ज करने के साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री में सुधार जारी रहा। हालांकि, विस्तार की दर आठ माह के निचले स्तर पर आ गई। कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा व अन्य जगहों पर सस्ती सेवाओं की आपूर्ति ने विकास को बाधित किया। भंडारी ने कहा, विदेशी सेवाओं में प्रतिस्पर्धा के कारण अंतरराष्ट्रीय बिक्री आठ महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति लगभग साढ़े पांच साल के निचले स्तर पर आ गई।

हुई। हालांकि नवंबर में भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में और नौकरियां जुड़ीं, लेकिन विस्तार की दर मध्यम मोटे तौर पर पिछले दो महीनों के समान ही रही। अधिकतर कंपनियों ने इस दौरान पेरोल संख्या में कोई बदलाव नहीं बताया। एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अक्टूबर के 60.4 से गिरकर नवंबर में 59.7 पर आ गया। यह मई के बाद से सबसे धीमी वृद्धि दर दर्शाता है। यह तीसरी वित्तीय तिमाही के मध्य तक विकास में नरमी और मुद्रास्फीति के कम दबाव के बीच हुआ।

फतेहपुर का रात का पारा पहुंचा 2.2, शेखावाटी में शीतलहर का अलर्ट

उत्तरी हवाओं से जमने लगा शेखावाटी, 6 शहरों का पारा 5 डिग्री से नीचे

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। उत्तरी हवाओं से प्रदेश के पारे में गिरावट आने लगी है। सबसे ज्यादा असर शेखावाटी और उसके आसपास के इलाकों पर नजर आ रहा है। प्रदेश के 6 शहरों का रात का पारा 5 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 2.2 डिग्री के साथ फतेहपुर की रात सबसे सर्द रही। आगामी दिनों में पारे में और गिरावट आने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 15 शहरों का रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। फतेहपुर के अलावा लूणकरणसर का न्यूनतम तापमान 2.9, सीकर का 3.8, चूरू का 4.7, दौसा का 4.8, अलवर का 5, पिलानी का 5.4, झुंझुनूं का 6.1, करौली का 6.3, श्रीगंगानगर का 7.5, वनस्थली का 7.8, बीकानेर 8.2, सिरोही का 8.7 और जैसलमेर 9.6 डिग्री दर्ज किया गया। बाड़मेर प्रदेश में सबसे गर्म रहा, यहां का अधिकतम तापमान 29.6 और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा। आगामी 2-3 दिन राज्य के शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं न्यूनतम तापमान 3-5 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं शीतलहर की संभावना है। शेष अधिकांश भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है।

जयपुर में सर्दी में इजाफा, 3 डिग्री गिरा रात का पारा

जयपुर में सर्दी में इजाफा देखने को मिला। हालांकि दिन में तीखी धूप देखने को मिली। जयपुर के दिन के पारे में 0.6 और रात के पारे में 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 24.9 और न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर में हल्की हवाएं भी चलीं।

जोधपुर में सुपरसोनिक बूम की आशंका से दहशत!

महानगर टाइम्स संवाददाता

जोधपुर। जोधपुर शहर में बुधवार देर रात अचानक तेज धमाके जैसी आवाज गूंजने से लोग सहम गए। विवेक विहार और बासनी थाना क्षेत्र में यह आवाज इतनी जोरदार थी कि कई घरों की खिड़कियां हिल गईं और लोग डर के मारे बाहर निकल आए। धमाके के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। कई लोगों ने इसे भूकंप या किसी बड़े विस्फोट का भ्रम बताया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक यह आवाज किसी विमान द्वारा उत्पन्न सुपरसोनिक बूम की हो सकती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब कोई विमान ध्वनि की गति (लगभग 1238 किमी प्रति घंटा) से अधिक स्पीड पर उड़ता है, तो उसके आगे बनने वाली शक्तिशाली शॉक वेव जमीन पर पहुंचकर धमाके जैसी आवाज पैदा करती है। कई बार यह आवाज बम विस्फोट या बादलों की तेज गर्जना जैसी लगती है। कम ऊंचाई पर उड़ान भरने पर खिड़कियां तक हिल सकती हैं।

मीशो आईपीओ में दूसरे दिन भी रिकॉर्ड सब्सक्रिप्शन

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो के आईपीओ को लेकर निवेशकों में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। यह आईपीओ गुरुवार को खुला था और शुक्रवार को बंद होगा। 10 दिसंबर को इसकी लिस्टिंग होगी। अपने दूसरे दिन यह आईपीओ 12.28 बजे तक 3.81 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। वहीं ग्रे मार्केट में भी इसका प्रीमियम हाई बना हुआ है। इस पब्लिक इश्यू के जरिए कंपनी 5,421.20 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखती है, जिसके लिए 105-111 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया गया है।

ओवरआल सब्सक्रिप्शन : 3.81 गुना
रिटेल हिस्सा : 6.92 गुना
एनआईआई हिस्सा : 3.11 गुना
क्यूआईबी हिस्सा : 2.19 गुना

इस आईपीओ में फ्रेश इक्विटी और ऑफर फॉर सेल दोनों शामिल हैं। कंपनी 4,250 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी, जबकि 1,171.20 करोड़ रुपए के शेयर मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बेचे जाएंगे। आईपीओ के बाद शेयर बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

8 लाख में खरीदा था एसआई भर्ती का पेपर, गिरफ्तार

एग्जाम से पहले पढ़ा पेपर, संयुक्त मेरिट में आया था 474वां स्थान, सलेक्शन नहीं हुआ

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में एक अभ्यर्थी को अरेस्ट किया है। आरोपी ने 8 लाख रुपए में एग्जाम से पहले पेपर खरीदकर पढ़ा था। संयुक्त मेरिट में 474वां स्थान आने के बाद भी इंटरव्यू में उसका सलेक्शन नहीं हुआ था। एसओजी गिरफ्तार अभ्यर्थी से फिलहाल पूछताछ कर रही है। वहीं एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार होने वाले आरोपियों की कुल संख्या 133 पहुंच गई है।एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के अभ्यर्थियों की जांच के बाद अभ्यर्थी महेंद्र कुमार चौधरी (34) निवासी नाडा की ढाणी सामोद जयपुर ग्रामीण को अरेस्ट किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी महेंद्र कुमार चौधरी ने पेपर लीक के सरगना विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेबाड़ से 8 लाख रुपए में सौदा किया। इस सौदे के तहत उसने 14 सितंबर 2021 को परीक्षा से पहले दोनों पारियों के हल किए पेपर पढ़े थे। लीक पेपर पढ़ने के आधार पर ही आरोपी महेंद्र कुमार चौधरी ने लिखित परीक्षा में चौंकाने वाले अंक प्राप्त किए। उसने हिंदी सब्जेक्ट में 200 में से 137.21 अंक और सामान्य ज्ञान विषय में 200 में से 158.59 अंक हासिल किए। हालांकि संयुक्त मेरिट में 474वां स्थान आने के बावजूद ओबीसी कैटेगरी में उसका अंतिम चयन नहीं हो पाया था।

अन्य परीक्षाओं के लीक में भी था सक्रिय

एसओजी ने आरोपी महेंद्र कुमार चौधरी को 2 दिसंबर को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर 8 दिसंबर तक एसओजी रिमांड पर सौंपा गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि महेंद्र कुमार चौधरी केवल एसआई भर्ती परीक्षा के पेपर लीक तक सीमित नहीं था। वह मुख्य सरगना विनोद कुमार जाट के साथ मिलकर अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक प्रकरणों में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

facebook YouTube
देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

आम सूचना यह कि, आवासीय भूखण्ड संख्या 07, तिरुपति नगर, रोड न. 14, मिलन सिनेमा के सामने, N.H.-08, जयपुर क्षे. 150.10 वर्ग गज सर्व प्रथम विजयपुरा ग्रह नि. स. स. लि द्वारा श्री सज्जन कुमार पुत्र श्री चौथमल जांगिड को जरिये आवंटन पत्र दि. 27.04.1997 द्वारा आवंटित किया गया। तत्पश्चात श्री उमेश कुमार शर्मा व राजेश कुमार शर्मा पुत्रान श्री जयनारायण शर्मा ने उक्त का क्रय जरिये विक्रय पत्र दि. 29.05.2013 द्वारा कर लिया जिसका पंजियन उप-पंजीयक जयपुर-5 के समक्ष हुआ। तत्पश्चात् श्री उमेश कुमार शर्मा व राजेश कुमार शर्मा ने अपनी संस्थान JNS Engineers के साथ उक्त सम्पति को बंधक रख कर ELECTRONICA FINANCE LTD शाखा जयपुर से ऋण प्राप्त किया जिसका खाता स. GLBCUST000000086688 है। तत्पश्चात ELECTRONICA FINANCE LTD से उक्त सम्पति के दस्तावेज गुम हो जाने पर गुमशुदगी थाना साईबर क्राइम के समक्ष दि 21.11.2025 को दर्ज करवाई गई। वर्तमान में उक्त सम्पति के स्वामी श्री उमेश कुमार शर्मा व राजेश कुमार शर्मा है तथा इनके द्वारा ELECTRONICA FINANCE LTD से अनापत्ति प्रमाण प्राप्त कर उक्त सम्पति को विक्रय अथवा अन्य वित्तीय संस्थान के समक्ष बंधक रखने के सम्बंध में किसी को कोई आपति हो तो मय दस्तावेज सात दिन में पेश करें। बाद मियाद ELECTRONICA FINANCE LTD(EFL) द्वारा उक्त के सम्बंध में अग्रिम कार्यवाही कर ऋण समापति पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर विक्रय करने के लिए अनुमति प्रदान कर दी जावेगी तथा आपत्ति अमान्य होगी।
वास्ते, सत्यनारायण शर्मा, एडवोकेट, 9660333985

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: F-JDA/Zone 09/2025/D-89 **आम सूचना**

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266638 दिनांक 13/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Mewali Devi W/o Lakha Ram Meena	श्रीमती मेवली देवी पत्नी स्व.श्री लाखाराम मीणा	232	200 Sq.yard	Private	Shiv Sagar Sector/ Block-	Name Transfer	निजी खातेदारी योजना शिव सागर के भूखण्ड

232 क्षेत्रफल 200 व.ग. की लीज डीड दिनांक 20.05.2009 को श्री लाखाराम मीणा पुत्र श्री छोटूलाल मीणा के पक्ष में जारी किया गया है। श्री लाखाराम मीणा पुत्र श्री छोटूलाल की मृत्यु दिनांक 20.05.2020 को हो जाने के पश्चात रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 11.08.2025 को श्रीमती प्रेम देवी पुत्री स्व. श्री लाखाराम मीणा, श्रीमती रूकमा देवी पुत्री श्री लाखाराम मीणा, श्रीमती नैना मीणा पुत्री श्री लाखाराम मीणा, श्री समीर मीणा पुत्र स्व. श्री लाखाराम मीणा,श्री राम लाल मीना पुत्र स्व. श्री लाखाराम मीणा द्वारा श्रीमती मेवली देवी पत्नी स्व. श्री लाखाराम मीणा के पक्ष में निष्पादित किया गया है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति होतो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772

क्रमांक DHC-II/ 1536 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 02/12/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 120/219, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 198.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री बी.आर. डालमीया पुत्र श्री चिमन लाल डालमीया को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8265 दिनांक 31.03.1993 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 13.08.1993 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 4803 दिनांक 28.03.1997 के द्वारा श्री बी. आर. डालमीया पुत्र श्री चिमन लाल डालमीया के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 29.03.1997 को करवा लिया गया। श्री बी.आर. डालमीया के द्वारा उक्त आवास का 1 / 2 अविभाजित हिस्से का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमती सोनिया विनोद पत्नी श्री विनोद शर्मा को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 21.06.1991 को करवाया गया। श्री बी. आर. डालमीया के द्वारा उक्त आवास का 1 / 2 अविभाजित हिस्से का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्री विनोद शर्मा पुत्र श्री गंगासहाय शर्मा को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 09.06.1999 को करवाया गया। श्रीमती सोनिया विनोद एवं श्री विनोद शर्मा के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास की लीजडीड अपने पक्ष में हस्तान्तरण करवाने हेतु आवेदन पत्र के साथ वैधानिक / वांछित दस्तावेज प्रस्तुत किये हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक श्रीमती सोनिया विनोद एवं श्री विनोद शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई- निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए **दिनांक 22.12.2025 को 12:00 बजे तक** खुली ई - निविदा आमंत्रित करते है। **ई-निविदा सूचना संख्या: 224-25-26, दिनांक 03.12.2025. कार्य का नाम व स्थान**: सहायक मंडल इंजीनियर, हनुमानगढ़ - । के अधीन बठिण्डा - सूरतगढ़ खण्ड पर स्थित आरयूबी नं. 39ए व 41ए में पानी के प्रवेश को रोकने के लिए आरयूबी कवरिंग का प्रावधान करना एवं अन्य विविध कार्य करना। **अनुमानित लागत मूल्य**: रु. 1,29,27,349.76. **धरोहर राशि**: रु. 2,14,600/-. **नोट**: अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **1563-AR/25**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राजस्थान आवासन मण्डल

वृत-तृतीय, जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल, जयपुर
क्रमांक 4525 दिनांक 21/11/2025

-: आम जाहिर सूचना :-

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 5/MA/36 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर क्षेत्रफल 96.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री मूल चन्द पुत्र श्री रामकिशन को किया गया था। मूल पट्टा अपंजीबद्ध है।
तत्पश्चात श्री मूल चन्द पुत्र श्री रामकिशन के द्वारा उक्त अपंजीबद्ध पट्टे का मुख्त्यारनामाआम श्री कांती लाल सेठ पुत्र श्री माणक चन्द सेठ को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम अपंजीबद्ध है।
तत्पश्चात मुख्त्यारनामा आम धारक श्री कान्ती लाल सेठ के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल पत्नी श्री कैलाश चन्द अग्रवाल को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 25/06/2008 को पंजीबद्ध है।
तत्पश्चात श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल पत्नी श्री कैलाश चन्द अग्रवाल ने उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री राम भरोसी मीना को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 25/06/2008 को पंजीबद्ध है। श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री राम भरोसी मीना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करवाने हेतु आवेदन किया गया है। जिसके क्रम में आवेदक के द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों में मुख्त्यारनामाआम की छाया प्रति प्रस्तुत की गयी है। उक्त हस्तान्तरण अथवा मुख्त्यारनामा आम के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री रामभरोसी मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 01/2025/D-10
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 252994 दिनांक 19/09/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of [Lease/Free Hold] (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Sudhir Kasliwal S/o Laxmi Kumar Kasliwal	मेजर दुर्गादास पुत्र श्री ठाकुर देवी सिंह	16	775.50 SQ. Meter	JDA	C-Scheme Sector/ Block-	Issue of [Lease/Free Hold] (E-Patta)	पंजीकृत विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, मुख्त्यारआम पंजीकृत हकत्याग इत्यादि

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of [Lease/Free Hold] (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नंबर 82/2025

चूंकि **श्री बनवारी शर्मा ने पंजीकृत प्रन्यास निरापषा आर्थराइटिस एण्ड इम्यूनोलोजी फाउण्डेशन जयपुर**, प्लॉट नं. 4 सिरसी रोड, के 5 स्कीम जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 475 जयपुर 2014 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के **प्रन्यासी श्री कीर्ति कुमार शर्मा** का स्वर्गवास हो जाने के कारण उनका नाम प्रन्यास रिकार्ड से जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपित्तयां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी-07.01.2026
6692/04.12.25
मुहर

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त संबंधित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नंबर: DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/947

चूंकि प्रार्थी श्री ANIRUDH SINGH, 5TH FLOOR, TRANSCORP TOWER, MOTI DOONGRI ROAD, JAIPUR-302005 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास ARPAN FOUNDATION, D32A, SUBHASH MARG, C-SCHEME, JAIPUR-302001 के संबंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपित्तयां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी-05.02.2026
मुहर

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

सार्वजनिक सूचना

सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती साबिया खान पत्नी श्री मोहम्मद लतीफ, निवासी प्लाट संख्या 30-31, सैनिक मार्ग, 10-ए स्कीम, रघुनाथपुरी, झोटवाड़ा, जयपुर की निजी स्वामित्व वाली भूमि प्लाट संख्या 76, रघुनाथपुरी, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर स्थित है। यह भूमि पूर्णतः मेरी अभिभाष्या की स्वयं की निजी संपत्ति है। उक्त संपत्ति न तो विक्रय हेतु उपलब्ध है और न ही किसी बैंक वित्तीय संस्था से ऋण भारित है। उक्त संपत्ति (प्लाट संख्या 76) के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद किसी न्यायालय में विचाराधीन नहीं है। यह भी सूचित किया जाता है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा प्लाट संख्या 76-ए, रघुनाथपुरी के नाम से भ्रामक प्रचार किया जाकर तथा फर्जी संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर इण्डियन बैंक ब्रांच मानसरोवर 84/56, मध्यम मार्ग मार्ग मानसरोवर जयपुर से ऋण प्राप्त किया गया है, जिसके संबंध में बैंक द्वारा माननीय न्यायालय ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर में प्रकरण संख्या OA/100/2021, वाद दायर किया गया है जो विचाराधीन है न्यायालय के द्वारा दिनांक 11.09.2025 को अप्रार्थी की तामील करवाने हेतु कमिश्नर नियुक्त कर आदेश दिये जाने पर बैंक कर्मी व कमीश्नर के द्वारा मेरी अभिभाष्या के भूखण्ड संख्या 76, रघुनाथपुरी झोटवाड़ा पर मेरी अभिभाष्या की गैर उपस्थिती में विधि विरूद्ध गलत तामिल चस्पा कर चले गये है इस संबंध में मेरी अभिभाष्या श्रीमती साबिया खान का तथा भी प्रकार का कोई भी संबंध नहीं है। ना ही मेरी अभिभाष्या उक्त प्रकरण में अप्रार्थी के रूप में संयोजित है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था दलाल बैंक मेरी अभिभाष्या का भूखण्ड संख्या 76 को 76-ए बताकर या समझकर इस प्रकार का लेन-देन करता है या दावा करता है, भ्रामक प्रचार, विज्ञापन, या अपनी संपति बताकर लेन-देन करता, या कोई फर्जकारी कर बैंक या अन्य वित्तिय सस्था से ऋण ले लिया जाता है, या किसी बैंक द्वारा ऋण दिया जाता है तो कानूनी रूप से अवैध होगा। तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उसी की होगी। यदि कोई इस प्रकार का कार्य करता है, तो वह अपनी जिम्मेदारी पर करेगा और इसके लिए मेरी अभिभाष्या साबिया खान उत्तरदायी नहीं होंगी। मेरी अभिभाष्या या उसके भूखण्ड संख्या 76 रघुनाथपुरी का इससे कोई संबंध नहीं होगा। जिसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। अतः सार्वजनिक हित में सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन करने से पूर्व स्वामित्व दस्तावेज एवं विधिक स्थिति की सुनिश्चित जांच स्वयं कर लें। अन्यथा होने वाले विवाद एवं नुकसान के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं उत्तरदायीहोगा।

दिनांक: 10.11.2025 — **मजीद खान (एडवोकेट)**, मो. नं. 9414607320

सार्वजनिक विज्ञप्ति जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांकः - जविप्रा / उपा./ जोन-11 / 2025 / डी- दिनांकः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार सुशीला दुलेत पत्नी श्री किशन दुलेत, जाति मीणा निवासी प्लाट नं. ए-27, चकवाड़ा हाऊस, गंगा विहार बगरू, अजमेर रोड, हाल निवास प्लाट नम्बर डी-44, फ्लेट नं. 301, सुभाष मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर द्वारा ग्राम रामजीपुरा वास नेवटा तहसील सांगानेर के खसरा 154, 155, 385/157 कुल किता 03 रकबा 1.9750 हैक्ट. भूमि पर आवासीय योजन प्रयोजनार्थ धारा 90ए की कार्यवाही करने बाबत आवेदन किया गया है।आवेदित भूमि को निजी खातेदारी की भूमि में से 12 मीटर चौड़ी भूमि का सड़क हेतु निशुल्क समर्पणनामा प्रस्तुत कर पहुंच मार्ग प्रस्तावित किया गया है। उक्तानुसार रास्ते हेतु प्रस्तावित भूमि व आवेदित भूमि के मध्य जविप्रा स्वामित्व के खसरा नं. 153 रकबा 0.0100 हैक्ट. किस्म गै.मु.चाह व खसरा नं. 154/318 रकबा 0.0200 हैक्ट. किस्म बारानी ए की भूमि आ रही है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि को जविप्रा स्वामित्व की भूमि में से 12 मीटर चौड़ा पहुंच मार्ग अनुमत किये जाने का निवेदन किया गया, जिसके क्रम में बीपीसी एलपी समिति की 404वीं बैठक दिनांक 22.07.2025 में आवेदित भूमि को जविप्रा स्वामित्व की भूमि में से 12 मीटर पहुंच मार्ग अनुज्ञेय किये जाने का सशर्त निर्णय लिया गया तत्पश्चात प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पति निस्तारण समिति की 216वीं बैठक दिनांक 20.11.2025 के अन्तर्गत आवेदित भूमि को जविप्रा स्वामित्व के खसरा नं. 153 रकबा 0.0100 हैक्टे. किस्म गै. मु. चाह व खसरा नं. 154 / 318 रकबा 0.0200 हैक्ट. किस्म बारानी ए में से गै.मु चाह के क्षेत्रफल को छोड़ते हुए 12 मीटर चौड़ा पहुँच मार्ग आवासीय आरक्षित दर / डीएलसी दर, जो भी अधिक हो, की दर पर नगरीय विकास विभाग के आदेश दिनांक 27.02.2021 की पालना में सशर्त अनुमत किया गया। समिति के निर्णय की शर्त अनुसार कम से कम 15 दिवस की आपत्ति / सुझाव आमंत्रित की जाने की विज्ञप्ति जारी की जानी होगी, उक्त भूमि केवल रास्ता उपयोग हेतु अनुमत होगी, सड़क मार्ग मार्गाधिकार पर प्राधिकरण के स्वामित्व यथावत रहेगा व विकासकर्ता को उक्त भूमि का भविष्य में कोई मुआवजा देय नहीं होगा।अतः प्रकरण में प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पति विस्तारण समिति की 216वीं बैठक दिनांक 20.11. 2025 में लिये गये निर्णय के क्रम में आवेदित भूमि को जविप्रा स्वामित्व के खसरा नं. 153 रकबा 0.0100 हैक्टे. किस्म गै. मु. चाह व खसरा नं. 154 / 318 रकबा 0.0200 हैक्ट. किस्म बारानी ए में से गै. मु चाह के क्षेत्रफल को छोड़ते हुए 12 मीटर चौड़ा पहुँच मार्ग अनुमत किया जाना प्रस्तावित है।यदि उक्त प्रस्तावित के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय जोन-11 में अपने दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त कलावधि में आपति / सुझाव प्राप्त नहीं होने पर आगामी कार्यवाही अमल लाई जायेगी। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज.....को जारी की गयी।

उपायुक्त जोन-11 जविप्रा जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-0141-2782772

क्रमांकः DHC-II/1547 **जाहिर आम सूचना** दिनांकः 04.12.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 118/256, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 190.80 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्रीमती प्रेमा माथुर पत्नी श्री शीतल प्रसाद माथुर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1639 दिनांक 30.04.1993 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 08.03.1994 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2230 दिनांक 29.08.2004 के द्वारा श्री भूर चन्द जैन पुत्र स्व श्री कन्हैया लाल जैन एवं श्रीमती प्रभा जैन पत्नी श्री भूर चन्द जैन के नाम नियमितिकरण प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 03.09.2004 को करवा लिया गया। तत्पश्चात श्री भूर चन्द जैन की मृत्यु दिनांक 15.08.2012 हो जाने के कारण एवं श्रीमती प्रभा जैन पत्नी स्व. श्री नूर चन्द जैन के द्वारा उक्त आवास का उपहारनामा श्री देवेंद्र कुमार जैन पुत्र स्व. श्री भूर चन्द जैन को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के उपहारनामा प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 12.04.2023 को करवाया गया। श्री देवेंद्र कुमार जैन पुत्र स्व. श्री भूर चन्द जैन के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त सम्पूर्ण आवास की लीजडीड अपने पक्ष में हस्तान्तरण करवाने हेतु आवेदन पत्र के साथ वैधानिक/वांछित दस्तावेज प्रस्तुत किये है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के **07 दिवस** में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक **श्री देवेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व. श्री भूर चंद जैन** के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबंधक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 04/2025/D-15
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266469 दिनांक 12/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Rajesh Kumar Agarwal S/o Mahesh Chandra	श्री महेश चंद पुत्र स्व. श्री गंगा सहाय	533	355.55 Sq. Yard	Cooperative	Mahaveer Nagar Sector/ Block-	Name Transfer	मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत वसीयत, सजरा शपथ पत्र के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: F-JDA/Zone 06/2025/D-63 **आम सूचना**
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266639 दिनांक 13/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Kanta Devi W/o Vinod Kumar	श्री महेश कुमार यादव पुत्र श्री नाथूराम यादव	11	97.28 Sq.yard	Co-operative	Shankar Vihar (Shri Ganpati GNSS) Sector/ Block-	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta)	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: F-JDA / PRN-South-2/2025/D-37 **आम सूचना**
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 254160 दिनांक 24/09/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Pushp Lata W/o Hemant Gupta	श्री राकेश कुमार टेलर पुत्र श्री दुर्गादत्त टेलर	67	185.11 Sq.yard	Cooperative	Model Town Scheme No. 8 PRN Sector/ Block-	Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta)	आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान एवं इकरारनामा, गुमशुदगी की आईजीआर एफ. आई.आर.

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: F-JDA/Zone 14/2025/D-119
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 260577 दिनांक 09/10/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. /निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Giraj Yadav S/o Chhitar Lal Yadav	श्री गोपाल लाल जाट पुत्र श्री म्होरूलाल जाट एवं श्री हनुमान सहाय, जगदीश नारायण एवं कानाराम पुत्रान्	14/IB /60	1250.00 SQ METER	JDA	RING ROAD PROJECT (ZONE-14) Sector/ Block-IB	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta)	आवंटन, बयान पत्र, वाद विवाद शपथ पत्र, मान्यीय न्यायालय के निर्णय की सत्य प्रतिलिपि, जारी लीजडीड की प्रति आदि

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue Free Hold E-Patta in lieu of already Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आम सूचना: सूचित किया जाता है कि भूखंड पट्टा नं. 88, रावनगेट नागोरियान चौमूं जिला जयपुर, राज. क्षेत्रफल 154.00 वर्ग गज नजर मोहम्मद खान की पट्टाशुदा संपत्ति है। उक्त सम्पत्ति के स्वामीत्वाधिकार नजर मोहम्मद खान के स्वर्गवास दिनांक 18.10.2007 के पश्चात उनके मात्र विधिक वारिसान जैबुन निशा, बहिदा, फिरोज बेगम, ताहिरा द्वारा निष्पादित पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 19.01.2008 के माध्यम से शेर मोहम्मद को प्राप्त हुए। शेर मोहम्मद खान द्वारा निष्पादित पंजीकृत उपहार पत्र दिनांक 25.11.2025 के माध्यम से उक्त सम्पत्ति स्वामित्वाधिकार रिजवाना खान को प्राप्त हुए। उक्त सम्पत्ति को मेरी अभिभाष्या ऋणदात्री संस्था Cholamandalam Investment and Finance Co. Ltd से वर्तमान स्वामी श्री रिजवाना खान बंधक रख कर ऋण प्राप्त कर रही है, उक्त सम्पत्ति स्वामित्व एवं Cholamandalam Investment and Finance Co. Ltd से लिया जा रहे ऋण बाबत् किसी भी व्यक्ति/ संस्था/ बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप है तो निम्न अद्योहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें, अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जायेगी।

दि. 05.12.2025 **(विनोद प्रधान, एडवोकेट)**
AD/5-B प्रथम तल, देवी मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 7891181515

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: F-JDA/Zone 13/2025/D-34 **आम सूचना**
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 267885 दिनांक 20/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Transport Nagar E-Pataa Service जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	M/s Vinayak Batteries Jariye Proprietor Shailendra Kumar Sharma S/o Jagdish Narayan Sharma	मैसर्स विनायक बैट्रीज जगदीश नारायण शर्मा पुत्र श्री भौरीलाल शर्मा	196	40 Sq.meter	JDA	Transport Nagar Yojana Sector/ Block-B2	Transport Nagar E-Pataa Service	आवंटन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, हकत्याग पत्र एवं फर्म से सम्बन्धित दस्तावेज केआधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Transport Nagar E- Pataa Service जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: F-JDA/PRN-North-2/2025/D-10 **आम सूचना**
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 264257 दिनांक 31/10/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Suresh Kumar Bari S/o Banna Ram	श्री राम देव पत्नी श्री देवी लाल	54	100 Sq.yard	Cooperative	Bhuneshwar Vatika D-PRN Sector/ Block-	Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta)	समिति द्वारा आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान एवं पंजीकृत दस्तावेजो के आधार पर।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आम सूचना: सूचित किया जाता है कि प्लाट नं. 389 गुरूनानकपुरा आदर्श नगर जयपुर, राजस्थान क्षेत्रफल 206 वर्ग गज के स्वामित्वाधिकार श्री कृष्ण लाल परनामी के स्वर्गवास दिनांक 12.07.2012 के पश्चात उनके मात्र जीवित वारिसान श्रीमती लाजवंती देवी (पत्नी) द्वारा निष्पादित पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 01.12.2016 के माध्यम से एवं पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.12.2004 के माध्यम से श्री लोकेश मदान एवं श्रीमती रितिका मदान को प्राप्त हुए है। उक्त सम्पत्ति में फर्स्ट फ्लोर फ्लैट नं. 102 एवं थर्ड फ्लोर फ्लैट नं. 301 को मेरी अभिभाष्या ऋणदात्री संस्था Cholamandalam Investment and Finance Co. Ltd से वर्तमान स्वामी श्री लोकेश मदान, श्रीमती रितिका मदान बंधक रख कर ऋण प्राप्त कर रहे है, उक्त सम्पत्ति स्वामित्व एवं Cholamandalam Investment and Finance Co. Ltd से लिया जा रहे ऋण बाबत् किसी भी व्यक्ति/ संस्था/ बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप है तो निम्न अद्योहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें, अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जायेगी।

दि. 05.12.2025 **(विनोद प्रधान, एडवोकेट)**
AD/5-B प्रथम तल, देवी मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 7891181515

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. ऊपर बताए गए याचिकाकर्ता ने केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के सामने याचिका – 1 : राजस्थान आरईज़ेड फेज़ – 4 (पार्ट–1) (बीकानेर कॉम्प्लेक्स)– पार्ट–ई से बिजली निकालने के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम) के लिए 2024–29 प्रशुल्क ब्लॉक के लिए पारेषण प्रशुल्क निर्धारित करने के लिए एक याचिका दायर की है।
2. ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं : (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ङ) हरियाणा पावर परचेज़ सेंटर (च) जम्मू एण्ड कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ज) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ट) चंडीगढ़ इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट (ठ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ड) नॉर्थ सेंट्रल रेलवे (ढ) नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (ण) हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (प) सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (फ) एचवीपीएनएल

विवरण	परिसम्पत्ति–1
परियोजना की अनुमादित पूंजी लागत (एफआर)	10693.60 लाख रु.
इस समय की याचिका में शामिल परिसम्पत्ति की अनुमानित पूर्णता लागत	10599.64 लाख रु.
वाणिज्यिक प्रचालन की वास्तविक तिथि	01.09.2025

3. वर्ष 2024–29 ब्लॉक के लिए प्रशुल्क के विवरण :

(लाख रुपए में)

परिसम्पत्ति	2024–25	2025–26	2026–27	2027–28	2028–29
परिसम्पत्ति–1	..	1078.02	1992.28	2061.38	2074.74

4. पारेषण प्रशुल्क के निर्धारण के लिए याचिका की एक प्रति वेबसाइट **www.powergrid.in** पर पोस्ट की गई है।
5. याचिका में निहित प्रशुल्क निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, तो लाभार्थी सहित किसी भी व्यक्ति द्वारा आयोग के ई–फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से दायर की जा सकती हैं, जिसकी एक प्रति इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर याचिकाकर्ता को भी भेजी जाएगी।

स्थान : गुड़गांव — **ज़फरुल हसन**
दिनांक : 05.12.2025 — **महा प्रबंधक (वाणिज्यिक)**

PG/CC/Notice-67/Advt-82/2025-26/CRAYONS

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

पंजीकृत कार्यालय : बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016
निगमित कार्यालय : "सौदामिनी" प्लॉट सं. 2, सैक्टर–29, गुरुग्राम, हरियाणा–122001, फोन : 0124–2571700–719
वेबसाइटः www.powergrid.in, सीआईएनः L40101DL1989GOI038121

एक महारत्न पीएसयू

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.rajasthan.gov.in

F-JDA/Zone 09/2025/D-92 **आम सूचना** दिनांक: 03.12.2025

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266005 दिनांक 10/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी / लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. /निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Kalpana W/o VINOD KUMAR ASIWAL एवं PRIYANSHI ASIWAL JARIYE SANRAKASH KALPANA W/o Vinod kumar asiwal एवं TUSHAR ASIWAL KUMAR JARIYE SANRAKASH KALPANA W/o Vinod kumar asiwal एवं YUVIKA ASIWAL JARIYE SANRAKASH KALPANA W/o Vinod kumar asiwal	श्री शिव कुमार गुप्ता पुत्र श्री चिरंजी लाल गुप्ता	169	101.11 SQ. YARD	Private	RFC ENCLAVE Sector/ Block-B	Name Transfer	भूखण्ड संख्या बी-169 क्षेत्रफल 95.73 व.ग. योजना आर.एफ.सी. एनक्लेव (निजी खातेदारी) की लीज डीड दिनांक 28.03.2011 को श्री शिव कुमार गुप्ता पुत्र श्री चिरंजी लाल गुप्ता के पक्ष मे जारी की गई। तत्पश्चात श्री विनोद कुमार आसीवाल पुत्र स्व. श्री नागराज आसीवाल के पक्ष में नाम हस्तान्तरण पत्र दिनांक 01.02.2018 को जारी किया गया है। आवेदिका द्वारा अपलोड दस्तावेज अनुसार विनोद कुमार आसीवाल पुत्र स्व. श्री नागराज आसीवाल की मृत्यु दिनांक 31.10.2021 को हो चुकी है अपलोड शपथ पत्र अनुसार श्रीमती कल्पना पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार आसीवाल, तुषार कुमार आसीवाल, प्रियासी आसीवाल पुत्री (नाबालिक), युविका आसीवाल जरिये संरक्षिका माता श्रीमती कल्पना वारिसान बताये गये है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं. पी आर वाई जे-सिग-214-2025-26 — दिनांक : 02.12.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार/इंजीनियर/समन्वय/प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को **12:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.: पी आर वाई जे-सिग-214-2025-26, **कार्य का विवरण**: प्रयागराज मण्डल के सीनियर डी.एस.टी. ई. कानपुर के सरसौल-भदान खण्ड में सिगनल पोल एवं प्वाइंट मशीन बदलने का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,46,80,459.70/- | **बिड सिक्योरिटी (₹)**: ₹ 2,23,400/-

कार्य समापन की अवधि : 12 माह | **निविदा खुलने की तिथि** : 29.12.2025

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थानः निविदा पूर्व निर्धारित तिथि **12:30** बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **2339/25 (MG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: 2025-नवम्बर-05 — **दिनांकः** 02.12.2025

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये 'खुली निविदा' ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.: 1 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-01 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 43028914.69
कार्य का विवरण : मानसिंह का पुरा - इटावा खंड में सेस के मरम्मत का कार्य।

क्र.सं.: 2 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-02 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 61620161.43
कार्य का विवरण : फतेहाबाद - बाह खंड में सेस के मरम्मत का कार्य।

क्र.सं.: 3 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-03 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 43254095.01
कार्य का विवरण : बाह - मानसिंह का पुरा खंड में सेस के मरम्मत का कार्य।

क्र.सं.: 4 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-04 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 6210860.07
कार्य का विवरण : भांडई - इटावा ट्रैक मशीन स्टैबलिंग साइडिंग का प्रावधान (बाह, फतेहाबाद तथा उदी मोड स्टेशन) शेष कार्य

क्र.सं.: 5 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-05 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 6269874.25
कार्य का विवरण : सहायक मण्डल इंजी. (लाइन) के अधीन ईदगाह - बांदीकुई खंड के विभिन्न यार्डों मे सुधार का कार्य। (14 यार्डस)

क्र.सं.: 6 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-06 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 26071308.66
कार्य का विवरण : सहायक मण्डल इंजी0 (प्रथम) मथुरा के अधीन वरि. खंड इंजीनियर कोसीकलाँ के खंड में तीसरी और चौथी लाइन की मरम्मत का कार्य।

क्र.सं.: 7 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-07 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 7513238.21
कार्य का विवरण : (अ) आगरा छावनी स्टेशन एरिया, मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर, मं.रे.प्र. बंगला, अधिकारी कॉलोनी बंगला, यमुना-सृजन अधिकारी विश्राम गृह, मंडल रेलवे अस्पताल और गोवर्धन स्टेडियम में लॉन, हेज, पेड़, झाड़ियों और फूलों आदि का (24 महीने के लिये) रख-रखाव कार्य। **(ब)** आगरा कैन्ट स्टेशन के परिसंचारी क्षेत्र में पानी के फब्बारे और सेल्फी पॉइंट का 2 वर्षों के लिये रख-रखाव और सफाई का कार्य।

क्र.सं.: 8 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-08 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 13458796.44
कार्य का विवरण : सहायक मंडल इंजीनियर प्रथम मथुरा के अधीन वरि. खंड इंजीनियर रेलपथ कोसीकलाँ के खंड मे अप एवं डाउन लाइन के लिये विविध रेलपथ कार्य।

क्र.सं.: 9 | **निविदा सं.**: 2025-नवम्बर-05-09 | **अनुमानित लागत (रू.)**: ₹ 11439189.57
कार्य का विवरण : सहायक मण्डल इंजी0 (प्रथम) मथुरा के अधीन वरि. खंड इंजीनियर पलवल के होडल- पलवल खंड में तीसरी लाइन की मरम्मत का कार्य।

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। निविदायें केवल बेव पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से **दिनांक 24.12.2025 को 15:00 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2330/25 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड प्रथम, जयपुर

सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.), फोन- 0141-2229737

क्रमांक :1955 — दिनांक : 27/11/2025

ई-निविदा सूचना संख्या: 57/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिले में रू. 24.00 लाख के 2 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।

UBN:- 1. NRH2526WSOB01700 2. NRH2526WSOB01701

डीआईपीआर/सी/17794/2025 — **अधिशाषी अभियन्ता**

कार्यालय ग्राम पंचायत दुर्जनियावास, पंचायत समिति झोटवाडा जयपुर

क्रमांक: ग्रा.पं.दुर्जनियावास/निर्माण/निविदा/2024-25/327 — दिनांक: 04.12.2025

ई-निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 326 दिनांक 04.12.2025 द्वारा ग्राम पंचायत **दुर्जनियावास** में निर्माण कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं 2013 के नियम 16 के तहत एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों 181 के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी डी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में रजिस्ट्रेशन संवेदकों से खुली निविदा के माध्यम से (डिफेक्ट लाइबिलिटि पिरीयड दो वर्ष) मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिनके NIB Code- PFG2526A0049 and UBN is PFG2526WSRC00140 है। निविदा सूचना की शर्तें वेब पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है

प्रशासक — **ग्राम विकास अधिकारी**
ग्राम पंचायत दुर्जनियावास — **ग्राम पंचायत दुर्जनियावास**
पं.स. झोटवाडा, जयपुर — **पं.स. झोटवाडा, जयपुर**

''जल ही जीवन है''

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड मालपुरा
पता- व्यास सर्किल के पास, सदरपुरा रोड जलदाय विभाग केम्पस, मालपुरा जिला टोंक
Mobile No. 8279108410E-Mail ID: eemal.ton.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक: अ.अ./ जन स्वा./माल./2025-26/6622-32 — दिनांक: 27/11/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 182/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की औऱ से जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड मालपुरा के अधीन विभिन्न क्षेत्रो ने कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में जन स्वा. अभि. विभाग में पजीकृत सर्वेदको एवं राज्य सरकार केन्द्र सरकार के अधिकृत सगठनो केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग/डाक एवं दूर सचर्चार विभाग रेलवे इत्यादि से पजीकृत सर्वेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेट प्रक्रिया के तहत ऑन लाइन निविदाएँ आमत्रितं की जाती है।
निविदा फार्म आनें लाइन वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से निम्न विवरण में अकिंत अनुसार अवधि से निविदा प्रपत्र प्राप्त कर जमा कराये जा सकते है। निर्धारित तिथि को यदि किसी कारणवश अवकाश रहता है। तो उसके अगले कार्यदिवस में उसी समय पर तकनीकी बिठ खोली जाएगी। निम्न हस्ताक्षरकर्ता को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा भाग को निरस्त करने का अधिकार होगा। निविदा की लागत कम व अधिक की जा सकती है।
विस्तृत विवरण आनें लाइन वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp,sppp.rajasthan.gov.in http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक सवेदको को अपने digital Signature certificate (DSC) के माध्यम से वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक उक्त निविदाओ का वेबसाइट sppp.rajasthan.gov.in पर युनिक बिड नं. निम्नानुसार है।

निविदा डाउनलोड करने की अतिम तिथि	27.11.2025 से 08.12.2025 दोपहर 01.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की अतिंम तिथि	27.11.2025 से 08.12.2025 दोपहर 01.00 बजे तक
निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि व समय	09.12.2025 को सायं 03.00 बजे

S.No.	Nit No.	NIB Code	UBN No.
1	182/2025-26	PHE2526A4464	PHE2526WSOB09144

डीआईपीआर/सी/17702/2025 — **अधिशाषी अभियंता**

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय, जयपुर

क्रमांक-3409 — दिनांक: 01-12-25

ई- निविदा सूचना संख्या: 48/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों :-

क्र.	कार्य का नाम	संवेदक की श्रेणी	डिफेक्ट लाईब्लिटी अवधि	UBN No.
1.	ONE TIME RENOVATION OF ADMINISTRA -TION BUILDING AT ROHS UNIVERSITY UNDER PWD SUB DN-Ist SMS HOSPITAL JAIPUR (Painting work)	"P- I" (PAINTING)	अनुबंधानुसार	PWD2526WSOB 18077
2.	ONE TIME RENOVATION OF ADMINISTRA -TION BUILDING AT ROHS UNIVERSITY UNDER PWD SUB DN-Ist SMS HOSPITAL JAIPUR (Civil work)	"C" (Civil)	अनुबंधानुसार	PWD2526WSOB 18078
3.	ONE TIME RENOVATION OF ADMINISTRA -TION BUILDING AT ROHS UNIVERSITY UNDER PWD SUB DN-Ist SMS HOSPITAL JAIPUR (SANITARY work)	"S- I" (SANITARY)	अनुबंधानुसार	PWD2526WSOB 18079

हेतु सम्मुख अंकित दोष निवारण एवं सभी सुधार डिफेक्ट लाइबिलिटी पीडीयद) सहित आ.नि.वि. में उपयुक्त श्रेणी (नियमानुसार) में पंजीकृत संवेदक एवं संवेदक जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, आवक एवम् दूर संचार रेल्वे या अन्य राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के एए' अथवा ए श्रेणी के संवेदकी के समक्स हो, से निधर्धारित परिपत्र में ई-टेन्वारिंग प्रि या द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बनिशा विस्तृत विवरण वेबसाइट www.dipronline.org. www.epros.rajasthan.gov.in, http://www.pwd.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.cajasthan, gov.in पर देखा जा सकता है।

डीआईपीआर/सी/17923/2025 — **अधिशाषी अभियंता**

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/PRN-North-2/2025/D-12
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266234 दिनांक 11/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Vijay Kachhawa S/o Durga Lal	श्रीमती भंवर देवी पत्नी श्री दुर्गालाल	24	198.75 SQ Meter	Cooperative	Lohiya Colony-PRN Sector/Block-	Name Transfer	जविप्रा द्वारा लीजडीउ एवं पंजीकृत दस्तावेजों के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.rajasthan.gov.in

F-JDA/Zone 09/2025/D-90 **आम सूचना** दिनांक: 02.12.2025

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266051 दिनांक 10/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी / लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. /निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Kalpana W/o VINOD KUMAR ASIWAL एवं PRIYANSHI ASIWAL JARIYE SANRAKASH KALPANA W/o Vinod kumar asiwal एवं TUSHAR KUMAR ASIWAL JARIYE SANRAKASH KALPANA W/o Vinod kumar asiwal एवं YUVIKA ASIWAL JARIYE SANRAKASH KALPANA W/o Vinod kumar asiwal	श्री नागराज आसीवाल पुत्र श्री नारायण	29	128.00 SQ. METER	JDA	RAM NAGARIYA Sector/ Block-A	Name Transfer	भूखण्ड संख्या ए-29 क्षेत्रफल 128 वर्गमीटर रामनगरिया की लीज डीड दिनांक 18.10.2000 श्री नागराज आसीवाल पुत्र श्री नारायण के पक्ष में जारी की गई। तत्पश्चात श्री विनोद कुमार आसीवाल पुत्र स्व. श्री नागराज आसीवाल के पक्ष में नाम हस्तान्तरण पत्र दिनांक 18.10.2000 को जारी किया गया है। आवेदिका द्वारा अपलोड दस्तावेज अनुसार श्री विनोद कुमार आसीवाल पुत्र स्व. श्री नागराज आसीवाल की मृत्यु दिनांक 31.10.2021 को हो चुकी है अपलोड शपथ पत्र अनुसार श्रीमती कल्पना पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार आसीवाल, तुषार कुमार आसीवाल, प्रियासी आसीवाल पुत्री (नाबालिक), युविका आसीवाल जरिये संरक्षिका माता श्रीमती कल्पना वारिसान बताये गये है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

(Government of Rajasthan)

Office of The Deputy Director Horticulture, Centre of Excellence Flower, Sawai Madhopur

No.F()tender/2025-26/1471 — **NOTICE INVITING e-TENDER** — Date: 26-11-2025

Centre of Excellence Flower, Sawai Madhopur on behalf of Government of Rajasthan invites e-tender of reputed firms/manufacturer, who meet the minimum eligibility criteria as specified in this Tender document for **"Supply and installation of Automated Polyhouse 1008 Square meter along with micro irrigation system and other required facilities"** for running of these facilities at Centre of Excellence, Flower, Sawai Madhopur.

Name of work	Estimated Cost (Lakh)	Earnest Mony (Rupees) 2%	Tender Fee (Rupees)	MD RISL Fees Jaipur (Rupees)	Period to Complete the work	Tender Publishing date and Tender bid Submission end date/time & Techincal bid opening date/time
"Supply and installa -tion of Automated Polyhouse 1008 Square meter along with micro irrigation system and other required facilities	17.14	34280	1000	500	3 Month from work order	Tender Publishing date and time 27.11. 2025 11:00 AM Tender bid submission end date/time 10.12.2025 on 6:00 PM Technical bid opening date/time 11.12.2025 11:00 AM

Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.
UBN- HOR2526GLOB00156

DIPR/C/17804/2025 — **Deputy Director Horticulture (Research)**
entre of Excellence Flower, Sawai Madhopur

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति प्लॉट नम्बर 149/150-151/152-सी, योजना जगदीशपुरी, हीरापुरा, अजमेर रोड, जयपुर, राज. का दक्षिणी भाग कुल क्षेत्रफल 114.56 वर्गगज है। सर्वप्रथम उक्त सम्पत्ति में मूल प्लॉट नं. 149/150 कुल क्षेत्रफल 400 वर्गगज सम्पूर्ण कृष्ण कुमार यादव को शंकर भवन निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा जरिये आवंटन पत्र दिनांक 24.02.1995 द्वारा आवंटित हुआ। कृष्ण कुमार यादव ने उक्त प्लॉट नं. 149/150 व अपने स्वामित्व की अन्य सम्पत्ति प्लॉट नं. 151/152 की संयुक्त भूमि को विभाजित कर, जिसका मध्य भाग, जो प्लॉट नम्बर 149/150-151/152-सी कुल क्षेत्रफल 191.58 वर्गमीटर है, को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 31.03.2005 द्वारा मालीराम को विक्रय कर दिया। तत्पश्चात मालीराम ने उक्त प्लॉट नम्बर 149/150-151/152-सी का दक्षिणी भाग, कुल क्षेत्रफल 114.56 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 22.02.2011 द्वारा मदन सिंह राठौड़ को विक्रय कर दिया। इस प्रकार मदन सिंह राठौड़ उक्त सम्पत्ति के एकमात्र रूप से मालिक, स्वामी, अधिकारी काबिज हुए। अब मदन सिंह राठौड़ उक्त सम्पत्ति पर मेरी अभिभाष्य वित्तिय संस्था Hinduja Housing Finance Limited से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के संबंध में विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो पांच दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

PERFECT LEGAL COUNSEL
Add-216, 2ND Floor, Jaipur Tower, M I Road, Jaipur, Raj-302001 Mob.-8302042443 R/1341/03

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांक :न.प.दौ / निर्माण / 2025 / 5031 — दिनांक 02.12.2025

ई-निविदा सूचना /2025

नगर परिषद, दौसा द्वारा नगर परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर परिषद दौसा एवं इस कार्यालय से सम्बन्धित विभाग (अभियान्त्रिकी, स्वायत्त शासन विभाग) में पंजीकृत संवेदकों के अलावा अन्य विभाग के संवेदकों ए व एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से (पंजीकरण नियम Appendix XVI Rule 334 के सेक्शन II के अनुसार) निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट **http://www.sppp.rajasthan.nic.in/** से **Download/Upload** की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यों की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
01	02.12.2025	11.12.2025 को 6.00 पीएम तक	12.12.2025 11.00 एएम तक	12.12.2025 दोपहर 2.00 बजे पश्चात्।	DLB2526WSOB25914

राज.संवाद / सी / 25 / 15155 — **आयुक्त, नगर परिषद, दौसा**

हरियाणा-दिल्ली में छापा मार दो आरोपियों को दबोचा, ताश के खेल में सामने वाले के पत्ते बता देता है आरोपी

एयरपोर्ट पर मिले संदिग्ध डिवाइस से जुए में होता है घालमेल

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक कार्गो में संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिलने के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बुकिंग में दिए गए नाम-पते पर संपर्क करने पर आरोपी के गायब होने का पता चला। फिर जयपुर पुलिस ने हरियाणा-दिल्ली में छापेमारी

कर आरोपियों को दबोच लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि बैटरीनुमा डिवाइस का उपयोग जुए में चीटिंग करने के लिए किया जाता है।

गैंबलिंग में चीटिंग का पूरा गिरोह होने की संभावना

पूछताछ में सामने आया है कि नोटों के बीच छुपाकर भेजा गया डिवाइस स्पेशल इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजैक्शन सिस्टम है। ये इंस्ट्रूमेंट स्कैनिंग के काम आता है। जुआ खेलने के दौरान ये सामने वाले की ताश-पत्ती के बारे में बता देता है। प्रथम दृष्टया पुलिस जांच में सामने आया है कि गैंबलिंग में चीटिंग का एक पूरा गिरोह बना हुआ है, जो इस बिजनेस को डील करता है। इसमें एक आरोपी ग्रुप ताश पत्ती की गड्डियां खरीदवाने का काम करता है तो दूसरा बदमाश इन ताश पत्तियों के लिए इंस्ट्रूमेंट बनाता है। इसके बाद इनका ही ग्रुप ताश पत्ती से जुआ खिलवाता है। गैंबलिंग में चीटिंग कर रुपए ऐंठने का काम किया जाता है।

जांच में सामने आया कि दिल्ली के पास रहने वाले व्यक्ति ने जयपुर आकर डोमेस्टिक कार्गो में डिवाइस को बुक करवाया था। नोटों के बीच छुपाकर बैटरीनुमा डिवाइस को हैदराबाद भेजा जा रहा था। मामले में पुलिस जल्द बड़े रैकेट का खुलासा करेगी। एडिशनल डीसीपी ईस्ट आलोक सिंघल ने बताया कि जयपुर एयरपोर्ट पर हाल ही मंगलवार को डोमेस्टिक कार्गो में संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिला था। सीआईएसएफ की सुरक्षा टीम ने स्कैनिंग के दौरान बैटरीनुमा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण देखते ही अलर्ट जारी कर कमिश्नरेट पुलिस और एटीएस को सूचना दी। आलोक सिंघल ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हरियाणा-दिल्ली में छापेमारी कर 2 युवकों को दबोचा है। पकड़े गए दोनों युवक गैंबलिंग का काम करते हैं और इसके लिए ताश भी स्पेशल डिजाइन की रहती है। एयरपोर्ट थाने में इस संबंध में केस दर्ज किया गया है, जिसकी जांच एसएचओ सांगानेर लिखमाराम कर रहे हैं। मामले में जल्द ही बड़ा खुलासा होने की संभावना है।

घूसकांड मामले में दर्ज एफआईआर में बिल्डर्स-सीए के नाम भी शामिल

न्यायिक फैसले प्रभावित करने के लिए रिश्वत का चला रहा रैकेट

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) घूसकांड मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में 12 से अधिक लोगों के नाम हैं, इनमें बिल्डर्स और सीए भी शामिल हैं। लिस्ट में शामिल बिल्डर्स-सीए की सीबीआई तलाश कर रही है। आरोप है कि ये सभी मिलकर आईटीएटी में फैसलों को प्रभावित करने के लिए एक रिश्वत रैकेट चला रहे हैं। मामले में आरोपी वकील राजेंद्र सिसोदिया, ज्यूडिशियल मेंबर डॉ. एस. सीता लक्ष्मी, पक्षकार मुजम्मिल और अकाउंटेंट कमलेश राठौड़ को गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों के मुताबिक जांच में सामने आया कि आईटीएटी में फैसलों को प्रभावित करने के लिए पैसों का लेन-देन होता था। पूछताछ में जज डॉ. एस. सीतालक्ष्मी, एडवोकेट राजेंद्र सिंह सिसोदिया व अकाउंटेंट मेंबर कमलेश राठौड़ के बीच हुए कथित लेन-देन से जुड़े अहम सबूत मिले। आरोपियों से जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक और डॉक्युमेंट सबूतों से इनकी पुष्टि हुई। सीबाआई की ओर से रिश्वतकांड में आईटीएटी असिस्टेंट रजिस्ट्रार केसी मीना को अरेस्ट किया गया। कोर्ट में पेश करने पर आरोपी मीना को 5 दिसम्बर तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया गया। सीबीआई पिछले दो दिन से आरोपी मीना से लगातार पूछताछ कर रही थी।

एफआईआर में शामिल लोगों की तलाश में सीबीआई

आईटीएटी जयपुर के राजेन्द्र सिसोदिया, असिस्टेंट रजिस्ट्रार केसी मीना, सीए गौरव जैन, मनीष शर्मा, सुहानी महारावल और यश अक्षय बिल्डर्स एंड डवलपर्स के डायरेक्टर अलौकिक जैन व शोभित काला, डायरेक्टर मनीष धारीवाल, कोटा के मुजम्मिल व भिवाड़ी के प्रवीण लांबा के साथ अन्य पब्लिक-प्राइवेट व्यक्तियों के नाम एफआईआर में शामिल किए गए हैं। आईटीएटी में न्यायिक फैसले करवाने में गिरोह और मेंबर्स का पिछले काफी समय से बड़ा खेल चल रहा था। हवाला के जरिए आईटीएटी मेंबर घूस की काली कमाई लेते थे। एफआईआर में आरोपी बनाए गए सीए-बिल्डर्स की सीबीआई तलाश कर रही है। मामले में अभी कई गिरफ्तारी होना बाकी है।

एनआरआई की शादी के 5 दिन बाद हुए हादसे में पत्नी व माता-पिता सहित पांच घायल

ओवरटेक करते समय ट्रेलर से भिड़ी कार, चचेरे भाइयों की मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

नागौर। डीडवाना-कुचामन के लाडनूं थाना क्षेत्र में निम्बी जोधा पुलिया के पास गुरुवार सुबह कार और ट्रेलर की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में एनआरआई दूल्हे और उसके चचेरे भाई की मौत हो गई। एनआरआई युवक की 5 दिन पहले शादी हुई थी। इसके लिए कुछ दिन पहले ही परिवार इटली से आया था। हादसे में एनआरआई युवक की पत्नी, माता-पिता समेत 5 लोग घायल हो गए। ट्रेलर से हुई भिड़ंत में कार के परखच्चे उड़ गए। थाना अधिकारी सिद्धार्थ प्रजापत ने बताया कि नागौर निवासी मुकेश प्रजापत पुत्र रामलाल प्रजापत के बेटे रोहित प्रजापत की शादी पांच दिन पहले लक्ष्मणगढ़ सीकर निवासी नेहा से हुई थी। इसके लिए कुछ दिन पहले ही परिवार इटली से आया था।

पूरा परिवार गुरुवार को शादी के बाद की एक रस्म करने रोहित के ननिहाल सुजानगढ़ चूरू जा रहा था। इस दौरान लाडनूं में निम्बी जोधा पुलिया के पास उनकी कार किसी गाड़ी को ओवरटेक कर रही थी, तभी सामने से आए ट्रेलर से भिड़ंत हो गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर शुरू किया ट्रैफिक

हादसे के बाद मौके पर ट्रैफिक बाधित हो गया और भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से साइड में करवाया और ट्रैफिक शुरू करवाया। मुकेश प्रजापत नागौर शहर में किले के पीछे रहते हैं। इनका परिवार पिछले 15 सालों से इटली में रहता है। मुकेश प्रजापत वहां पर डेयरी फार्म में जॉब करते हैं, जबकि रोहित ई-सिगरेट बनाने वाली फैक्ट्री में नौकरी करता था। रोहित की शादी के लिए कुछ दिन पहले परिवार नागौर आया था। रोहित का भाई गुरुवार सुबह इटली के लिए रवाना हुआ था, जबकि अन्य लोग शादी के बाद मीठा मायरा की रस्म करने जा रहे थे। दरअसल, दूल्हे-दुल्हन के मामा शादी में मायरा भरने आते हैं। शादी के बाद दूल्हे-दुल्हन की मां अपने पीहर में मिठाई पहुंचाने जाती है, जिसे मीठा मायरा कहते हैं।

कार में बैठे ड्राइवर रोमिल पवार पुत्र संजय पवार निवासी सुजानगढ़, मुकेश प्रजापत, उनकी पत्नी पिंकी प्रजापत, बेटा रोहित प्रजापत, रोहित की पत्नी नेहा, रोहित की बुआ का लड़का मनमीत प्रजापत, पूजा पत्नी रविकांत प्रजापत निवासी जसवंतगढ़ घायल हो गए। सूचना मिलने पर लाडनूं डीएसपी जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को लाडनूं हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद रोहित और मनमीत को मृत घोषित कर दिया। रोहित की मां पिंकी प्रजापत की हालत गंभीर होने पर जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल रैफर किया गया है। वहीं अन्य घायलों का लाडनूं हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

आरोपियों के कब्जे से पिस्टल, कट्टा कारतूस, मैग्जीन व ब्लैक कार जब्त

वर्चस्व की जंग में गैंगवार से पहले धरे हथियारों से लैस 6 बदमाश

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने गैंगवार होने से पहले ही कार्रवाई कर 6 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 देसी पिस्टल, 1 देसी कट्टा, 29 जिंदा कारतूस, 2 खाली मैगजीन और एक ब्लैक कार जब्त की है। गिरफ्तार बदमाश वर्चस्व की जंग में बदला लेने के लिए इकट्ठा हुए थे। पुलिस की ओर से गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त डीसीपी ईस्ट आलोक सिंघल ने बताया कि अवैध हथियारों के साथ बदमाश खालिद खान निवासी मनोहरपुर कच्ची बस्ती जगतपुरा, महेन्द्र सिंह गुर्जर उर्फ माही गुर्जर निवासी बामनवास सवाई माधोपुर, गिरधारी मिरोटा निवासी लालसोट दौसा, रवि गुर्जर निवासी शिश्यावास रामनगरिया, हनीफ मेव निवासी नंहू हरियाणा हाल सीतापुरा सांगानेर सदर और नितिन घीया निवासी माडल टाउन कॉलोनी जामडोली को गिरफ्तार किया है। बदमाश महेन्द्र सिंह उर्फ माही गुर्जर दौसा के लालसोट से किडनैपिंग के मामले में वांछित है। पूछताछ में सामने आया है कि बदमाश रवि गुर्जर वीआईटी सीतापुरा में क्रिकेट ग्राउंड चलाता है, जिसकी रामनगरिया के मेंदला निवासी बाली मीणा से वर्चस्व व इलाकों को लेकर काफी समय से लड़ाई चल रही है। रामनगरिया, प्रताप नगर, खोह नागोरियान, कानोता, बस्सी व शिवदासपुरा इलाके को लेकर आपसी वर्चस्व को लेकर बाली मीणा गैंग से झगड़ा चल रहा है। दो दिन पहले बाली मीणा ने अपने साथियों के साथ मिलकर रवि के दोस्त सोनू मीणा के साथ मारपीट की थी।

आइसक्रीम फैक्ट्री में आग से हड़कंप फटने से बचाए तीन सिलेंडर

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। बाईस गोदाम इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार सुबह 5 बजे आइसक्रीम की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची करीब 10 दमकल की गाड़ियों की मदद से करीब 7 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया गया है। आग लगने के दौरान फैक्ट्री में रखे एलपीजी गैस के तीन सिलेंडरों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने से फैक्ट्री में लाखों रुपए का नुकसान होने का अंदेशा जताया गया है। सीएफओ गौतम लाल ने बताया कि बाइस गोदाम इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक आईसक्रीम की फैक्ट्री में गुरुवार सुबह करीब 5 बजे आग लग गई थी। बंद फैक्ट्री से अचानक धुएं का गुबार उठने लगा। देखते ही देखते आग की लपटें उठती हुई

नजर आई। फैक्ट्री के बाहर मौजूद वर्कर ने आग लगने की सूचना बाइस गोदाम फायर स्टेशन को दी। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को तुरंत रवाना किया गया। इस दौरान फायर ब्रिगेड अधिकारी-कर्मचारी भी आग बुझाने मौके पर पहुंचे। दो मंजिला आईसक्रीम फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड कर्मचारी जुट गए। फैक्ट्री में रखे एलपीजी गैस के तीन सिलेंडरों को भी तुरंत बाहर निकाला गया। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने कई फेरे लगाकर करीब 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से फैक्ट्री में रखी मशीनरी सहित लाखों रुपए का माल जलकर खाक हो गया।

रोड किनारे खड़े ऑटोरिक्शा में युवक की लाश मिलने से सनसनी

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में देर रात एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। रोड किनारे खड़े ऑटोरिक्शा से उसकी लाश बाहर लटकी हुई थी। युवक पिछली सीट पर निढाल हालत में पड़ा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को एसएमएस हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। एसएचओ जयसिंहपुरा राजेश शर्मा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर के रोहित नगर निवासी मुकेश बावरिया की लाश मिली है। वह सवारी ऑटोरिक्शा चलाने का काम करता था। वह ऑटोरिक्शा लेकर सुबह अपने घर से निकला था। इसके बाद देर रात तक वापस घर नहीं लौटा। राहगीरों ने रोहित नगर में रोड किनारे खड़े ऑटोरिक्शा की पिछली सीट पर निढाल हालत में युवक को पड़ा देखा। बेहोशी की हालत में वह ऑटोरिक्शा से बाहर लटक रहा था। राहगीरों की सूचना पर रामनगरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो वह मृत पड़ा मिला। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर सबूत जुटाए। इसके बाद शव को एसएमएस हॉस्पिटल की मोर्चरी भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

बेकाबू कार नदी में गिरी, दो महिलाओं की मौत, 5 घायल

शादी के बाद मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे परिवार के सदस्य

महानगर टाइम्स संवाददाता

टोंक। पीपलू थाना क्षेत्र में ग्राम ढूंढिया के पास स्थित क्षतिग्रस्त रपट पर मंदिर से दर्शन कर लौट रहे परिवार की बेकाबू कार नदी में गिर गई। हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं, 5 लोग घायल हो गए। गाड़ी में फंसे लोगों को शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार सभी लोग अजमेर जिले के रहने वाले हैं। ये लोग सवाईमाधोपुर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। पीपलू थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि स्कॉर्पियो में सात लोग सवार थे। नई पुलिया उतारते ही आगे बैरिकेड्स नहीं थे, ऐसे में कार सीधा नदी में उतर गई और पानी में आधी डूब गई। ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर कार सवारों को बाहर निकाला। घायलों को सआदत हॉस्पिटल ले जाया गया। इलाज के दौरान देर रात करीब 9 बजे दो महिलाओं सुप्यार पत्नी सुखराम और मंजू पत्नी जीवनराम की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार परिवार में 25 नवंबर को शादी थी। समारोह के बाद वे रणथंभौर गणेशजी के दर्शन करने गए थे। वापस लौटते समय देर रात यह हादसा हो गया। हादसे में जीवनराम पुत्र छोटूराम जाट, सुशील पुत्र जीवनराम, सीता पुत्री जीवनराम, सुमन पत्नी सुशील, सुखराम पुत्र नाथूराम घायल हो गए। सभी का इलाज किया जा रहा है।

पत्नी और ससुराल वालों की मारपीट से परेशान युवक नदी में कूदा

महानगर टाइम्स संवाददाता

अजमेर। सावर थाना क्षेत्र के देवली में पत्नी समेत ससुराल के तीन लोगों पर परेशान करने का आरोप लगाकर एक युवक बनास नदी में कूद गया। सूचना पर भीलवाड़ा जिले की हनुमान नगर और अजमेर की सावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सावर थाना प्रभारी राधेश्याम चौधरी ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवक देवली के पास अजमेर-कोटा हाईवे पर स्थित बनास पुलिया से युवक नदी में कूद गया है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर बाइक, डॉक्यूमेंट व सुसाइड नोट मिला। युवक की पहचान रामलाल रैगर निवासी भीमपुरा जहाजपुर भीलवाड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रात होने के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कत आई। इस पर अजमेर एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई। एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर युवक की बाइक के पास एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें युवक रामलाल ने पत्नी समेत ससुराल के तीन लोगों पर परेशान करने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी राधेश्याम चौधरी ने बताया कि सूचना पर युवक के रिश्तेदार मौके पर पहुंचे हैं। सुसाइड में मृतक ने लिखा कि 6 साल पहले पत्नी और उसके घरवाले आए-दिन मुझसे मारपीट करते हैं। इससे परेशान होकर बच्चे सहित गांव अमरगढ़ में रहने लग गया। वहां भी पत्नी सोनिया और उसका परिवार आकर परेशान करता। पत्नी 6 साल से पीहर रह रही थी। सोनिया, फौरी देवी और रामप्रसाद रैगर ने मिलकर मेरे खिलाफ साजिश रची। फोरी देवी ने मुझसे प्लॉट लिया था। जब प्लॉट और किराए के पैसे मांगे तो उन्होंने रेप का केस लगवा दिया। इसमें पत्नी सोनिया भी शामिल है। इन तीनों से परेशान होकर खुदखुशी कर रहा हूं।

शादी में गए बिजनेसमैन के घर से 50 लाख के गहने-कैश चोरी

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में चोरों ने बिजनेसमैन के सूने मकान को निशाना बनाया और 50 लाख रुपए के गहने व कैश चोरी कर ले गए। परिवार के मेंबर एक शादी में शामिल होने गए थे। पीछे से बदमाश मैन गेट का लॉक तोड़कर लाखों रुपए कीमत

के गहने-कैश चोरी कर ले गए। इस पर पीड़ित बिजनेसमैन ने करणी विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। घर में लगे सीसीटीवी फुटेजों में कैद हुए बदमाश की पुलिस तलाश कर रही है। एसआई निरमा ने बताया कि करणी विहार के वैशाली स्टेट एक्सटेंशन गांधीपथ निवासी हनुमान सहाय के घर चोरी हुई है, उनकी कालवाड रोड पर अनाज फैक्ट्री है। वह परिवार सहित परिचित की शादी में शामिल हो गए थे। पीछे से बदमाशों ने चोरी की नीयत से सूने मकान को निशाना बनाया। देर रात मैन गेट का लॉक तोड़कर बदमाश घर के अंदर घुसे और अलमारी में रखे करीब 50 लाख रुपए कीमत के गहने, 2.50 लाख रुपए कैश और कीमती सामान चोरी कर ले गए। शादी से वापस लौटने पर परिवार को लॉक टूटे मिले। घर के अंदर का सामान बिखरा मिला। घर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर चोरों की करतूत कैद मिली। करणी विहार थाना पुलिस ने सबूत जुटाकर फुटेजों के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

लग्जरी कार में 15 करोड़ की हेरोइन और हथियारों की तस्करी

विदेशी हैंडलर से था संपर्क, चाइनीज पिस्टल और 14 जिंदा कारतूस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ के संगरिया थाना इलाके में देर रात पुलिस ने 2 तस्करों को 15 करोड़ की हेरोइन और 2 मेड इन चाइना निर्मित पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। तस्कर लग्जरी गाड़ी में यह ड्रग्स और हथियार सप्लाई करने की फिराक में घूम रहे थे। गाड़ी में 14 जिन्दा कारतूस भी मिले हैं। दोनों की जांच में सामने आया कि ये लगातार विदेश में बैठे

एक हैंडलर से निर्देश ले रहे थे। जांच में यह भी अंदेशा जताया गया है कि हथियार और ड्रग्स पाकिस्तान से भारत में सप्लाई हुई हैं। मामले को लेकर दोनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। हनुमानगढ़ एसपी हरी शंकर ने बताया कि अवैध हथियार और हेरोइन तस्करी के मामले में भूपेन्द्र सिंह निवासी बठिंडा पंजाब और नासिर डीग भरतपुर को पकड़ा है। दोनों आरोपियों से नशे और हथियार की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि तस्करों के पास से 3 किलो 8 ग्राम हेरोइन, दो विदेशी पिस्टल, 14 जिंदा कारतूस और एक लग्जरी कार बरामद की है। संगरिया थाना क्षेत्र में देर रात रोही नगराना के पास नाकाबंदी के दौरान हरियाणा नंबर की लग्जरी गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस गाड़ी में रखे बैग से 3 किलो 8 ग्राम हेरोइन, दो विदेशी पिस्टल मैगजीन सहित, एक अतिरिक्त मैगजीन और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके बाद दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं, जो विदेश हैंडलर के संपर्क में थे।

लगातार विदेशी नंबरों कॉल कर ले रहे थे डायरेक्शन

एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी पंजाब के हरिके से ड्रग्स और हथियार लाना बता रहे हैं। साइबर सेल ने जब आरोपियों के मोबाइल फोन चेक किए तो पता चला कि आरोपी लगातार विदेशी नंबरों पर कॉल कर रहे थे। उनके फोन में विदेशी नंबरों की डिटेल भी मिली है। इन्हें विदेशी हैंडलर लगातार डायरेक्शन दे रहे थे कि हथियार और हीरोइन कहां से लेने है और कहां पहुंचाने है। संगरिया एसएचओ अमर सिंह ने बताया कि पिस्टल पर मेड इन चाइना लिखा है। फिलहाल मामले में दोनों से पूछताछ जारी है।

पाकिस्तान से हथियार और ड्रग्स सप्लाई की आशंका

भूपेंद्र पर पंजाब और राजस्थान में चोरी, नकबजनी व आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, नासिर डीग जिले का कुख्यात बदमाश है। यह अंतरराज्यीय चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है। इसके खिलाफ चोरी, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के दर्जनों केस दर्ज हैं। संभवतया हथियार और ड्रग्स पाकिस्तान बॉर्डर से सप्लाई हुए हैं, क्योंकि ज्यादातर मामलों में ड्रोन से ड्रग्स के साथ पाकिस्तान के तरफ से हथियार भी फेंके जाते हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग (यूजीसी-सीएस) की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

पौधों में विद्यमान होती हैं जीवन, चेतना और संवेदनाएं : बागडे

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तभी पूर्णता प्राप्त करेगा जब वह भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राचीन वैज्ञानिक अवधारणाओं के साथ समन्वित रूप से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान के क्षेत्र में प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक दृष्टि और आधुनिक शोध की सम्मिलित दिशा नवाचार तथा मानव कल्याण के नए आयाम प्रस्तुत कर सकती है। बागडे गुरुवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग (यूजीसी-सीएस) द्वारा 'रिसेंट इनोवेशंस इन सेल्यूलर एंड मोलिक्यूलर बायोलॉजी : इमर्जिंग इनसाइट्स एंड एप्लीकेशन' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि पेड़-पौधे संवेदनशील जीव हैं, वे ताप, आर्द्रता, प्रकाश, रोग तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। उन्होंने कहा कि पौधों में जीवन, चेतना और संवेदनाएं विद्यमान होती हैं तथा वे विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक ढंग से कार्य करते हैं। उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि वृक्ष अपनी जड़ों द्वारा जल ग्रहण करते हैं और रोग होने पर जड़ों में औषधि के प्रयोग से उपचार संभव होता है, जो उनकी संवेदनात्मक एवं जीववैज्ञानिक संरचना का स्पष्ट संकेत है।

राज्यपाल ने वैदिक काल से भारत में वनस्पति विज्ञान की उन्नत परंपरा का उल्लेख करते हुए महर्षि पाराशर के 'वृक्ष आयुर्वेद' का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि प्रोटोप्लाज्म, कोशिका झिल्ली तथा ऊर्जा निर्माण के तत्वों का वर्णन प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मिलता है, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि सैकड़ों वर्ष बाद आधुनिक विज्ञान ने की। यह भारतीय वैज्ञानिक विरासत के गहन अध्ययन की आवश्यकता को सिद्ध करता है। उन्होंने कहा कि डीएनए, आरएनए, प्रोटीन संरचना एवं आणविक तकनीकों के वर्तमान शोध में भारतीय पारंपरिक वनस्पति व्याख्या उपयोगी आधार प्रदान कर सकती है। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह किया कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक के समन्वित अध्ययन के लिए अनुसंधान-आधारित शैक्षणिक ढांचा विकसित करें। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि विवि के पादप विज्ञान विभाग में प्राचीन वनस्पति शोध व आधुनिक आणविक अध्ययन का एकीकृत शोध कार्यक्रम शुरू किया जाए।

शोध के मूल्यों को समाजहित से जोड़ने का आग्रह

राज्यपाल ने पर्यावरणीय परिवर्तन, ऊर्जा संकट और जैविक विविधता संरक्षण की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन समस्याओं के समाधान में कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भविष्यगत आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए शोध के मूल्यों को समाजहित और प्रकृति संरक्षण के साथ जोड़ें।

नई शिक्षा नीति से संबंधित विशेष समीक्षा बैठक

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विशेष समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति को अनिवार्य बनाने तथा आने-जाने दोनों समय उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही नई शिक्षा नीति को समयबद्ध रूप से लागू करने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राकृतिक खेती जैसे नवाचारों को व्यावहारिक शिक्षण मॉडल के रूप में विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में इन मॉडलों को प्रोत्साहित करने की पहल की सराहना की।

प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 में ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशेष सत्र का आयोजन

नीतियों और कार्यक्रमों पर किया जाएगा सार्थक संवाद

- सत्र में रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की बढ़ती भूमिका पर होगी चर्चा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के मामले में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है और इस क्षेत्र में यहां बड़े स्तर पर निवेश भी आ रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर जयपुर में 10 दिसंबर को होने जा रहे प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 में ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा।

पॉलिसी टू प्रैक्टिस – 'द इवोल्विंग रोल ऑफ बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम इन रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन' विषय पर आयोजित इस सत्र में रिन्यूएबल एनर्जी में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की बढ़ती भूमिका और बदलावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है और भारत क्लीन एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में बदलते समय के अनुरूप सरकारी नीतियों, प्रौद्योगिकी और उद्योग के बीच सामंजस्य आवश्यक है। इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए विशेष सत्र में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। रिन्यूएबल एनर्जी डवलपमेंट और इनोवेशन पर रिन्यू पावर लिमिटेड के चेयरमैन सुमंत सिन्हा, सेरेनटिका रिन्यूएबल्स के सीईओ अक्षय हीरानंदानी और ब्रुकफील्ड रिन्यूएबल्स के सीईओ सुमन कुमार अपने विचार व्यक्त करेंगे। इन विशेषज्ञों ने रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने और आधुनिक तकनीक को इसके साथ जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

ऊर्जा क्षेत्र में सामने आएंगे नए अवसर और चुनौतियां

इसी सत्र में भारत में ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख नियामक और राजकीय संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इनमें इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डवलपमेंट एजेंसी के सीएमडी प्रदीप कुमार दास, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएमडी आर.के. त्यागी और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी इंडिया के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद शामिल हैं। इनके साथ ही टाटा पावर के एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा और इंटरनेशनल सोलर अलायंस के डायरेक्टर जनरल आशीष खन्ना भी चर्चा में शामिल होंगे। प्रवासी राजस्थानी दिवस के इस विशेष सत्र के दौरान होने वाली चर्चा ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसरों और चुनौतियों को सामने लाएगी और विशेषज्ञों का अनुभव इस क्षेत्र में भविष्य की रणनीति बनाने में सहायता करेगा।

आरएसी तीसरी बटालियन बीकानेर की शारीरिक दक्षता परीक्षा 9 को

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। आरएसी तीसरी बटालियन बीकानेर की कांस्टेबल भर्ती-2025 परीक्षा के पात्र अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता एवं मापतौल परीक्षा का आयोजन 9 दिसंबर को सुबह 5 बजे से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय श्रीगंगानगर रोड बीकानेर में किया जाएगा।

तीसरी बटालियन आरएसी बीकानेर के कमांडेंट ने बताया कि परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र https://recruitment2.rajasthan.gov.in/ वेबसाइट से डाउनलोड कर विज्ञप्ति के अनुसार मूल प्रमाण पत्रों व उनकी स्व-प्रमाणित प्रति और राजकीय चिकित्सक द्वारा जारी आरोग्य प्रमाण पत्र के साथ शारीरिक दक्षता एवं मापतौल परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

मुख्य आयुक्त के निर्देश पर वाणिज्यिक कर विभाग ने कार्रवाई को दिया अंजाम

14 वाहनों को विधिवत किया गया निरुद्ध

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मुख्य आयुक्त राज्य कर कुमार पाल गौतम के परिवहन जांच संबंधी निर्देशों पर वाणिज्यिक कर विभाग की स्टेट जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने बड़ी कार्रवाई कर लगभग 15 दिनों तक गोपनीय तरीके से राष्ट्रीय राजमार्गों पर संचालित होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर यात्री के रूप में ठहरकर कर चोरी में संलग्न वाहनों के बारे में आसूचना एकत्र की। साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया। कुमार पाल गौतम ने बताया कि जीएसटी पोर्टल और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर यह कार्रवाई की गई। इसके परिणामस्वरूप मार्बल एवं ग्रेनाइट, लैड स्क्रैप, परचून, ब्रास मेटल और सुपारी से लदे हुए कुल 14 वाहनों को विधिवत निरुद्ध किया गया। इन वाहनों में जिन फर्मों के बिल लगाए गए थे, वे सभी विभागीय जांच में अस्तित्वहीन और बोगस पाई गईं। उन्होंने आगे बताया कि परचून के नाम पर ब्रास मेटल स्क्रैप बिना विधिक दस्तावेजों के दिल्ली से गुजरात भेजा जा रहा था। इसी प्रकार कर्नाटक से सुपारी के दस्तावेजों के आधार पर नागपुर भेजे जाने की योजना थी, लेकिन सुपारी से लदा वाहन नागपुर की बजाय दिल्ली की ओर जा रहा था, जिसे सवाईमाधोपुर के निकट विभाग की टीम ने निरुद्ध किया। विभाग द्वारा इन सभी प्रकरणों में गहनता से विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि पता लगाया जा सके कि किन संगठित गिरोहों द्वारा बिना उचित विधिक दस्तावेजों और बिना कर चुकाए मूल्यवान माल का परिवहन कर राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। अब विभाग द्वारा जब्त किए गए वाहनों में लदे माल का भौतिक सत्यापन और मूल्यांकन किया जाएगा और नियमानुसार कर एवं शास्ति वसूली जाएगी। कुमार पाल गौतम के निर्देशों के तहत आगे भी इंटेलीजेंस आधारित परिवहन जांच कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब की दुकानों पर लगे विज्ञापन होर्डिंग हटेंगे

- दुकानों पर लगानी होगी रेट लिस्ट

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में आबकारी विभाग के तहत चल रही शराब की दुकानों पर लगे होर्डिंग, विज्ञापन आदि हटाए जाएंगे। इसके साथ ही इन दुकानों को उनके यहां बिक रही शराब की खुदरा दरों की रेट लिस्ट ऐसे स्थान पर लगानी होगी, जहां उसे सब देख सकें।

आबकारी विभाग ने इस बारे में जिला आबकारी अधिकारियों को जारी आदेश में कहा है कि विभाग के तहत स्वीकृत दुकानों पर विज्ञापन और होर्डिंग नहीं लगाए जाने के नियमों का पालन करते हुए सभी दुकानों से विज्ञापन और होर्डिंग हटाए जाएं। विभाग की ओर से इस बारे में पहले भी निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अब इन आदेशों की सख्ती से पालना की जाए। इसके साथ ही दुकानों पर बिक रही शराब की अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी की रेट लिस्ट भी लगानी होगी। यह रेट लिस्ट दुकान में ऐसे स्थान पर लगानी होगी, जहां से इसे सब देख सकें।

गौरतलब है कि प्रदेश में शराब की ज्यादातर दुकानों पर शराब की कंपनियों के बड़े विज्ञापन लगे नजर आते हैं, जो एक तरह से शराब का प्रचार है, जबकि नियमानुसार शराब का प्रचार नहीं किया जा सकता है। इसी तरह रेट लिस्ट भी नहीं लगाई जाती है और इसके चलते कीमत को लेकर अक्सर विवाद की स्थिति बन जाती है।

स्वत्वाधिकारी महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गोपाल शर्मा द्वारा 2, सहकार मार्ग, ज्योतिनगर, लालकोठी, जयपुर-15 से प्रकाशित एवं महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी-848, फेज-3, रीको सीतापुरा, जयपुर से मुद्रित। संपादक: गोपाल शर्मा, संपादकीय प्रभारी: जिज्ञासु शर्मा*। फोन: 0141-2741076, 2741077 * पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। e-mail : mahanagarmarketing@gmail.com * आर.एन.आई. 67873/97/ पोस्टल रजिस्ट्रेशन नम्बर-JaipurCity/008/2023-25